odop
एक जनपद एक उत्पाद
उत्तर प्रदेश
सशक्त
उत्तर प्रदेश

एक जनपद एक उत्पाद

उत्तर प्रदेश

# सशक्त उत्तर प्रदेश

सत्यमेव जयते

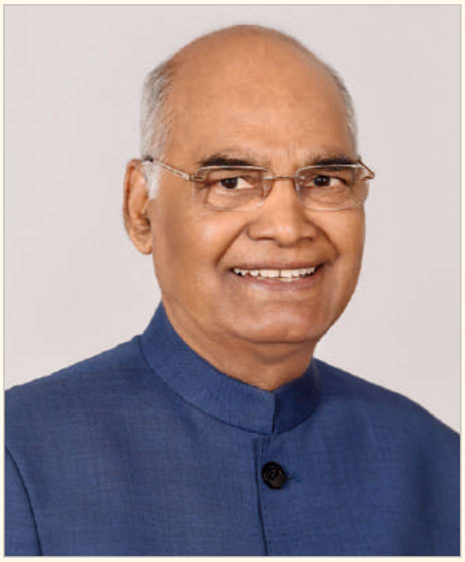

**राम नाथ कोविन्द**
राष्ट्रपति, भारत

# संदेश

मुझे यह जानकर प्रसन्नता हो रही है कि उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा 'उत्तर प्रदेश दिवस' के अवसर पर एक पुस्तिका 'एक जनपद एक उत्पाद' का प्रकाशन किया जा रहा है।

लोकतंत्र में सभी नागरिकों के सामाजिक, आर्थिक विकास तथा हर क्षण जनहित और लोक कल्याणकारी कार्यों के लिए प्रयासरत रहना ही सरकार का परम कर्तव्य और धर्म होता है। मुझे यह जानकर खुशी हुई है कि प्रदश के सर्वांगीण एवं संतुलित आर्थिक विकास हेतु उत्तर प्रदेश सरकार ने 'एक जनपद एक उत्पाद' योजना के क्रियान्वयन का निश्चय किया है।

मुझे आशा है कि इस योजना के ज़रिए प्रदेश सरकार समग्र विकास के लिए आवश्यक कदम उठाएगी और 'सबका साथ सबका विकास' के हमारे ध्येय के प्रति प्रयासरत रहेगी।

मैं 'उत्तर प्रदेश दिवस' के अवसर पर प्रकाशित इस पुस्तिका के सफल प्रकाशन के लिए अपनी शुभकामनाएं देता हूँ।

(राम नाथ कोविन्द)

नई दिल्ली
24 जनवरी, 2018

ONE DISTRICT ONE PRODUCT
UTTAR PRADESH

सत्यमेव जयते

## एम. वेंकैया नायडु
**उपराष्ट्रपति, भारत**

# संदेश

उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा प्राथमिकता के आधार पर ऐसी नीतियों का निर्माण एवं क्रियान्वयन किया जा रहा है, जिनके माध्यम से औद्योगिक विकास एवं पूंजी निवेश के लिए प्रोत्साहनात्मक परिवेश का सृजन किया जा सके। हाल ही में प्रदेश सरकार द्वारा घोषित अवस्थापना तथा औद्योगिक विकास नीति एवं सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम नीति–2017 ने राज्य के उद्यमियों, निर्यातकों एवं हस्तशिल्पियों में एक नवीन विश्वास का संचार किया है।

पारम्परिक शिल्प, शिल्पकार, बुनकर एवं हस्तशिल्पी राज्य के आर्थिक विकास को गति प्रदान करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। अभिनव सोच एवं संतुलित औद्योगिक विकास की प्रतिबद्धता के फलस्वरूप उत्तर प्रदेश द्वारा 'एक जनपद एक उत्पाद' योजना क्रियान्वित करने का निर्णय लिया गया है। यह योजना राज्य में समावेशी विकास का एक नया मार्ग प्रशस्त करेगी। मुझे पूर्ण विश्वास है कि उत्पादन को पर्यटन के साथ जोड़ते हुए स्थानीय शिल्प कलाओं के विकास, रोजगार के अवसरों में वृद्धि करते हुए इस योजना के माध्यम से प्रदेश के आर्थिक विकास को नवीन ऊँचाईयों तक ले जाया जा सकेगा।

'एक जनपद एक उत्पाद' की इस गतिशील अवधारणा को अपनाने एवं सफलतापूर्वक क्रियान्वित करने के लिए मैं उत्तर प्रदेश के माननीय मुख्यमंत्री श्री योगी आदित्यनाथजी को अपना पूर्ण सहयोग एवं शुभकामनाएं और शुभाशंसाऐं प्रेषित करता हूँ।

(एम. वेंकैया नायडु)

नई दिल्ली
19 जनवरी, 2018

ONE DISTRICT ONE PRODUCT
UTTAR PRADESH

सत्यमेव जयते

# नरेन्द्र मोदी

**प्रधानमंत्री, भारत**

## संदेश

उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा 24 जनवरी 2018 को 'एक जनपद एक उत्पाद' योजना के शुभारम्भ के बारे में जानकर प्रसन्नता हुई है। इस पहल से पं. दीनदयाल उपाध्याय द्वारा समाज के अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति तक लाभ पहुंचाने के विचार को बल मिलेगा।

गांधी जी ग्रामीण विकास के लिए जिन बुनियादी चीजों को आवश्यक समझते थे उनमें ग्राम स्वराज, ग्रामोद्योग और समग्र ग्राम विकास प्रमुख हैं। गांधी जी कहते थे कि 'भारत गांवों में बसता है'। भारत के विकास के लिए गांवों का विकास करना आवश्यक है। विकास की यात्रा में गांवों को साथ लेकर चलने और किसानों की आय को दोगुनी करने के लिए सरकार प्रतिबद्ध है।

उत्तर प्रदेश के समृद्ध कारीगरों ने अपनी उत्कृष्ट कला से देश में एक अलग पहचान बनाई है। हर जनपद को किसी विशेष उत्पाद के लिए जाना जाता है। मुझे आशा है कि योगी आदित्यनाथ जी की 'एक जनपद एक उत्पाद' की अवधारणा में पिछड़े वर्गों, महिलाओं और युवाओं को विशेष लाभ पहुंचेगा। हर जनपद विकास की एक नई कहानी लिखेगा और असंतुलित क्षेत्रीय विकास दूर करने में मदद मिलेगी।

इस महत्वपूर्ण और दूरगामी परिणाम देने वाली पहल के लिए मैं उत्तर प्रदेश सरकार को बधाई देता हूं। 'एक जनपद एक उत्पाद' योजना की सफलता के लिए शुभकामनाएं।

(नरेन्द्र मोदी)

नई दिल्ली

19 जनवरी, 2018

ONE DISTRICT ONE PRODUCT
UTTAR PRADESH

सत्यमेव जयते

राज भवन
लखनऊ – 226 027

05 अगस्त, 2018

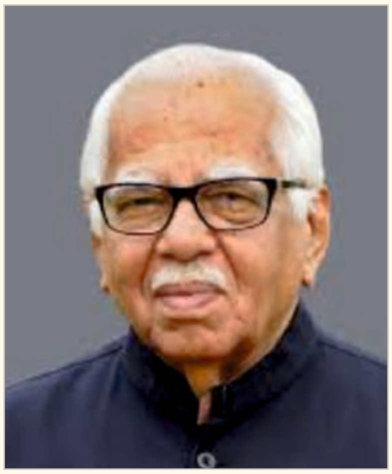

**राम नाईक**

**राज्यपाल, उत्तर प्रदेश**

## संदेश

मुझे यह जानकर अतीव प्रसन्नता हुई कि सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम तथा निर्यात प्रोत्साहन विभाग, उत्तर प्रदेश द्वारा 10 अगस्त, 2018 को इन्दिरा गांधी प्रतिष्ठान, लखनऊ में 'एक जनपद–एक उत्पाद समिट' का आयोजन किया जा रहा है। समिट का उद्घाटन माननीय राष्ट्रपति श्री राम नाथ कोविन्द द्वारा किया जायेगा, जिससे कार्यक्रम की गरिमा और बढ़ गई है। इस अवसर को स्मरणीय बनाने के लिए एक 'काफी टेबल बुक' का विमोचन भी किया जायेगा।

मेरा मानना है कि 'एक जनपद–एक उत्पाद' योजना एक महती योजना है, जिसके माध्यम से पारम्परिक कला कौशल एवं सांस्कृतिक विरासत को बढ़ावा देने के साथ–साथ रोजगार सृजन होगा। इस योजना को सफल बनाने के लिये अन्तर्राष्ट्रीय मांग के अनुरूप कौशल विकास तथा उचित डिजाईन डेवलपमेन्ट, प्रशिक्षण, विपणन तथा वैज्ञानिक सोच एवं नवोन्मेष के आधार पर नया रूप दिया जा सकता है।

मैं 'एक जनपद–एक उत्पाद समिट' की सफलता के लिये अपनी मंगलकामनाएं प्रेषित करता हूँ।

(राम नाईक)

ONE DISTRICT ONE PRODUCT
UTTAR PRADESH

दिनांक : 05-08-18

**योगी आदित्यनाथ**
**मुख्यमंत्री, उत्तर प्रदेश**

## संदेश

मुझे यह जानकर अत्यन्त प्रसन्नता की अनुभूति हो रही है कि दिनांक 10 अगस्त, 2018 को लखनऊ में 'वन डिस्ट्रिक्ट–वन प्रोडक्ट' समिट का आयोजन किया जा रहा है। इस अवसर पर एक 'कॉफी टेबल बुक' भी प्रकाशित होगी।

उत्तर प्रदेश प्राकृतिक एवं मानवीय संसाधनों की दृष्टि से विकास की अपार संभावनाओं को समेटे हुए है। इन संसाधनो का कुशलतम उपयोग करते हुए प्रदेश के समग्र एवं समावेशी आर्थिक विकास तथा जनमानस के जीवन स्तर के उन्नयन के उद्देश्य से राज्य सरकार द्वारा दिनांक 24 जनवरी, 2018 को उत्तर प्रदेश दिवस के अवसर पर 'एक जनपद –एक उत्पाद' कार्यक्रम प्रारम्भ किया गया है।

'एक जनपद –एक उत्पाद' कार्यक्रम के बहुआयामी लाभों के दृष्टिगत प्रदेश सरकार इसके सफल एवं प्रभावी कियान्वयन हेतु गम्भीरता से प्रयास कर रही है। भारत सरकार तथा राज्य सरकार द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं जैसे प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम, मुद्रा योजना, मुख्यमंत्री युवा स्वरोजगार योजना, विश्वकर्मा श्रम सम्मान आदि के साथ 'एक जनपद –एक उत्पाद' कार्यक्रम समन्वय करते हुए इस कार्यक्रम से जुड़े समस्त हितधारकों के साथ कियान्वयन के विविध पहलुओं पर विचार–विमर्श एवं तद्नुरूप विकास रणनीति के निर्धारण हेतु 'एक जनपद –एक उत्पाद' का आयोजन किया जा रहा है।

इस समिट में 'एक जनपद –एक उत्पाद' कार्यक्रम के अन्तर्गत विभिन्न जनपदों के चयनित उत्पादों के विकास से जुड़ी नयी योजनाओं का शुभारम्भ किया जाएगा तथा उत्पादों की ब्राण्डिंग एवं लोकप्रियता बढ़ाने हेतु प्रर्दशनी तथा लाइव डेमो भी आयोजित किए जाएंगे। आयोजन के दौरान डिजाइन डेवलपमेंट सहित विभिन्न चुनौतियों एवं अवसरों पर विशेषज्ञों के साथ तकनीकी सत्र, मुद्रा ऋण वितरण आदि कार्यक्रम भी सम्पन्न होंगे।

मुझे विश्वास है कि 'एक जनपद –एक उत्पाद' कार्यक्रम के सफल कियान्वयन मे यह समिट अत्यन्त उपयोगी एवं मार्ग–दर्शक सिद्ध होगी।

'एक जनपद –एक उत्पाद' समिट की सफलता तथा 'कॉफी टेबल बुक' के उद्देश्यपरक प्रकाशन हेतु मेरी हार्दिक शुभकामनाएं।

(योगी आदित्यनाथ)

ONE DISTRICT ONE PRODUCT
UTTAR PRADESH

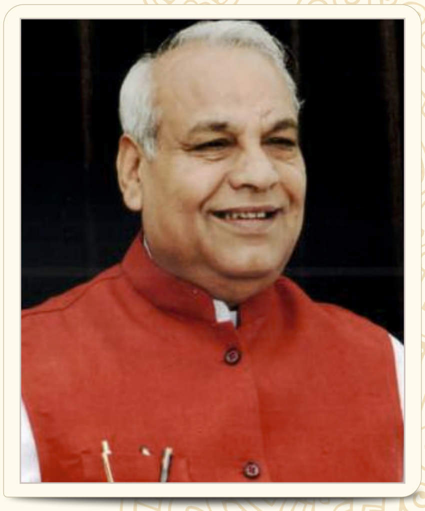

**सत्यदेव पचौरी**

मंत्री

खादी एवं ग्रामोद्योग, रेशम उद्योग वस्त्रोद्योग,
सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम एवं निर्यात प्रोत्साहन विभाग

# संदेश

प्रदेश सरकार प्रदेश के समग्र विकास हेतु कृत संकल्प एवं निरन्तर प्रयत्नशील है। सरकार द्वारा ''सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम नीति'' तथा ''अवस्थापना एवं औद्योगिक विकास नीति'' का प्राख्यापन करते हुए उद्यमी हितैषी नीतियों एवं योजनाओं का क्रियान्वयन किया जा रहा है।

राज्य में विशाल मानव संसाधन की ऊर्जा, परम्परागत कारीगरों की कुशलता तथा प्रत्येक जनपद के एकाधिक उत्पाद विशेष की प्रसिद्धि अथवा विकास की सम्भावनाशीलता है। इस क्रम में माननीय मुख्यमंत्री जी की प्रेरणा एवं मार्गदर्शन से प्रदेश के सर्वांगीण विकास के उद्देश्य से ''एक जनपद एक उत्पाद'' कार्यक्रम का शुभारम्भ किया गया। इसका मुख्य उद्देश्य स्थानीय स्तर पर रोजगार सृजन, उत्पाद विकास हेतु वित्त पोषण, प्रशिक्षण, तकनीकी सहयोग, विपणन सुविधाएं आदि उपलब्ध कराते हुए राष्ट्रीय एवं अन्तर्राष्ट्रीय बाजारों में ब्राण्ड उत्तर प्रदेश को स्थापित करना है। इसके क्रियान्वयन से न केवल प्रदेश में रोजगार सृजन एवं लोगों की आय एवं क्रय शक्ति में वृद्धि होगी वरन राष्ट्रीय एवं अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर प्रदेश की प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी।

भारत सरकार तथा राज्य सरकार की रोजगार सृजन, कौशल विकास एवं वित्त पोषण की योजनाओं के साथ समन्वय करते हुए कार्यक्रम के उद्देश्यों की पूर्ति हेतु विभाग निरन्तर प्रयत्नशील है। इसी कड़ी में कार्यक्रम के हित धारकों के साथ ''एक जनपद–एक उत्पाद समिट'' का आयोजन किया जा रहा है। इसमें नयी योजनाओं के शुभारम्भ के साथ वित्त पोषण, प्रशिक्षण, तकनीकी सहयोग, विपणन, उत्पाद विकास आदि विषयों पर विशेषज्ञों के साथ विचार–विमर्श किया जायेगा।

मैं ''एक जनपद–एक उत्पाद समिट'' के आयोजन हेतु माननीय मुख्यमंत्री जी की प्रगतिशील एवं जनोपयोगी दृष्टिकोण के प्रति आभार प्रकट करता हूँ एवं उनके कुशल नेतृत्व में इस कार्यक्रम के उद्देश्यों को पूरा करने का संकल्प लेता हूँ।

मैं माननीय मुख्यमंत्री जी को विश्वास दिलाता हूँ कि इस कार्यक्रम का लाभ सभी हित धारकों तक पहुंचाया जायेगा ताकि प्रदेश में संतुलित तरीके से लघु उद्यमों का विकास होता रहे। साथ ही इस कार्यक्रम के सफल आयोजन हेतु शुभकामनाएं प्रेषित करता हूँ।

ONE DISTRICT ONE PRODUCT
UTTAR PRADESH

(सत्यदेव पचौरी)

Lal Bahadur Shastri Bhawan
Lucknow-226001
Uttar Pradesh
E-mail: csup@nic.in
Ph: (0522) 2238212, 2236296 (O)
(0522) 2239461, 2237299 (R)
(0522) 2239283 (Fax)

**अनूप चन्द्र पांडेय**
मुख्य सचिव
उत्तर प्रदेश सरकार

# संदेश

उत्तर प्रदेश प्राकृतिक, भौगोलिक एवं सांस्कृतिक विविधता जनित उत्पादों की समृद्धता तथा उत्कृष्ट हस्तशिल्प की परम्परा के लिए राष्ट्रीय एवं अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर विख्यात है। उत्तर प्रदेश का प्रत्येक जनपद अपने विशिष्ट परम्परागत उत्पादों के लिए पहचाना जाता है।

मुझे अत्यन्त प्रसन्नता हो रही है कि माननीय मुख्यमंत्री जी की प्रेरणा एवं प्रोत्साहन से प्रदेश में इन विशिष्ट पहचान वाले उत्पादों को विकास के शीर्ष पर पहुंचाने हेतु सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम तथा निर्यात प्रोत्साहन विभाग के अधीन ''एक जनपद–एक उत्पाद'' कार्यक्रम का शुभारम्भ किया गया है।

इसी क्रम में कार्यक्रम के सम्यक क्रियान्वयन को गति देने एवं समस्त हितधारकों के साथ अग्रेत्तर क्रियान्वयन रणनीति पर विचार विनिमय हेतु ''एक जनपद–एक उत्पाद समिट'' का आयोजन किया जा रहा है। इस अवसर पर प्रोत्साहनात्मक योजनाओं का शुभारम्भ एवं जनपदों के विशिष्ट उत्पादों का प्रदर्शन तथा उत्पादों की ब्राण्डिंग, मार्केटिंग, क्रेडिट एवं फाइनेन्स, कौशल विकास, जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर विशेषज्ञों द्वारा मार्ग–दर्शन किया जायेगा।

मैं इस कार्यक्रम के सफल आयोजन हेतु शुभकामनाएं प्रेषित करता हूँ तथा विश्वास प्रकट करता हूँ कि यह आयोजन ''एक जनपद एक उत्पाद'' कार्यक्रम के उद्देश्यों की पूर्ति में महत्वपूर्ण योगदान करेगा।

(अनूप चन्द्र पाण्डेय)

ONE DISTRICT ONE PRODUCT
UTTAR PRADESH

# उत्तर प्रदेश में 'एक जनपद – एक उत्पाद' की अवधारणा

उत्तर प्रदेश 2,40,928 वर्ग किलोमीटर में फैला हुआ है। प्रदेश का क्षेत्रफल देश के भौगोलिक क्षेत्र का 7.3 प्रतिशत है तथा क्षेत्रफल के दृष्टिकोण से उत्तर प्रदेश देश में चौथा सबसे बड़ा राज्य है। वर्ष 2011 की जनगणना के अनुसार राज्य की आबादी 19.98 करोड़ है, जो भारत की आबादी का लगभग 16.5 प्रतिशत है तथा भारत के सभी राज्यों में सबसे अधिक है। वर्ष 2015–16 में रु. 11,45,234 करोड़ के जी.एस.डी.पी. के साथ उत्तर प्रदेश भारत की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है, जिसका अंश देश की अर्थव्यवस्था में 8.4 प्रतिशत है।

प्रदेश की अर्थव्यवस्था में सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यमों का महत्वपूर्ण योगदान है। यह क्षेत्र पूंजी निवेश, उत्पादन और रोजगार की दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण क्षेत्र है। सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम इकाईयों की संख्या की दृष्टि से (लगभग 46 लाख; 8%) उत्तर प्रदेश का देश में प्रथम स्थान है, तथा रोजगार प्रदान करने में इस क्षेत्र का कृषि क्षेत्र के बाद दूसरा स्थान है। इस क्षेत्र का प्रदेश से होने वाले निर्यात में भी महत्वपूर्ण योगदान है। हस्तशिल्प, प्रसंस्करण खाद्य उत्पाद, इंजीनियरिंग गुड्स, कारपेट, रेडीमेड गारमेंट्स तथा चर्म उत्पादों के निर्यात में उत्तर प्रदेश निरंतर अग्रणी रहा है। देश के कुल हस्तशिल्प निर्यात में उत्तर प्रदेश का योगदान 44 प्रतिशत है। इसी प्रकार कालीन में 39 प्रतिशत एवं चर्म तथा चर्म उत्पाद में 26 प्रतिशत है। देश के समस्त निर्यात में उत्तर प्रदेश की हिस्सेदारी 4.73 प्रतिशत है।

प्रदेश में लगभग प्रत्येक जनपद में हस्तशिल्प, लघु उद्यम अथवा कृषि में ऐसे एकाधिक विशिष्ट उत्पाद हैं, जिनकी राष्ट्रीय एवं अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर पहचान है। उदाहरणार्थः बनारस की सिल्क साड़ियाँ, मुरादाबाद के पीतल के हस्तशिल्प उत्पाद, पीलीभीत की बांसुरी, बांदा के शजर पत्थर की कलाकृतियाँ, सिद्धार्थनगर का काला नमक चावल, ऐसे ही उत्पाद हैं जिनको परिचय की आवश्यकता नहीं है। ऐसे उत्पादों की विपणन प्रोत्साहन से पहचान बढ़ाने के लिए, उसमें अधिक रोजगार प्रदान करने की, उसमें कार्यरत शिल्पियों अथवा कामगारों की आय बढ़ाने की अपार संभावनाएं हैं।

इसे दृष्टिगत रखते हुए प्रदेश में 'एक जनपद एक उत्पाद' की अवधारणा पर योजना को क्रियान्वित करने का निश्चय किया गया है। इस योजना के मुख्य उद्देश्य निम्नवत् हैं :–

- स्थानीय कौशल का संरक्षण व विकास एवं संबंधित कला का संवर्धन।
- आय व स्थानीय रोजगार में अतिरिक्त वृद्धि (फलतः रोजगार हेतु पलायन में कमी)
- उत्पाद की गुणवत्ता में सुधार एवं कौशल विकास।
- उत्पाद की कलात्मकता को नया कलेवर प्रदान करना (पैकेजिंग व ब्रांडिंग)।
- उत्पाद का पर्यटन से जुड़ाव (लाइव डेमो व सेल आउटलेट–गिफ्ट व सोविनियर)।
- आर्थिक असमानता एवं क्षेत्रीय असंतुलन का निदान।
- ओ.डी.ओ.पी. ब्राण्ड की अवधारणा को प्रान्तीय, राष्ट्रीय एवं अन्तर्राष्ट्रीय स्तर तक पहुँचाना।

किसी जनपद में एक से अधिक विशिष्ट पहचान वाले उत्पादों की स्थिति में प्रथम चरण में अधिक रोजगार एवं विकास की संभावना वाले उत्पाद का चयन किया गया है। शनैः शनैः अन्य उत्पादों को भी योजना में लेकर क्रियान्वयन किया जाना प्रस्तावित है।

योजना के क्रियान्वयन में प्रत्येक जनपद के उत्पाद के लिए निम्न मुख्य कार्य किये जायेंगे :

- उत्पाद से संबंधित आंकड़े, प्रसार, जुड़े व्यक्ति, कुल उत्पादन निर्यात, कच्चे माल की उपलब्धता, प्रशिक्षण की व्यवस्था।
- उत्पाद के निर्माण, विपणन तथा प्रसार एवं विकास की संभावनाओं का आंकलन।
- उत्पाद के विकास, विपणन के प्रोत्साहन तथा इससे जुड़े कारीगरों/शिल्पियों को रोजगार के अतिरिक्त अवसर एवं आय में वृद्धि के लिए माइक्रो प्लान तैयार किया जाना।
- उत्पाद के विपणन हेतु प्रोत्साहन, विज्ञापन एवं प्रचार–प्रसार, जनपद, प्रदेश, राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर विपणन के अवसरों की उपलब्धता।
- नई एवं कार्यरत इकाईयों के लिए वित्तीय संसाधनों की आवश्यकता एवं वित्तीय संसाधन उपलब्ध कराए जाने हेतु भारत सरकार की मुद्रा, प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम (PMEGP), स्टैंड अप योजना तथा प्रदेश सरकार की मुख्यमंत्री युवा स्व–रोजगार योजना, विश्वकर्मा श्रम सम्मान योजना से समन्वय; आवश्यकतानुसार अन्य योजनाओं को प्रारम्भ करना।
- सहकारिता एवं स्वयं सहायता समूहों का गठन।
- क्राफ्ट व्यवसाय का सामान्य और तकनीकी प्रशिक्षण एवं तकनीकी विकास।

इस पुस्तिका में प्रत्येक जनपद के चयनित उत्पाद के प्रदर्शन का प्रयास किया गया है, जिससे जनसामान्य तक प्रदेश की अनुपम कला एवं विरासत पहुंच सके। साथ ही अधिक से अधिक व्यक्ति इंस कला के संरक्षण एवं संवर्द्धन से जुड़कर क्षेत्रीय वैयक्तिक विकास के क्षेत्र में अपना योगदान कर सकें।

एक जनपद एक उत्पाद

उत्तर प्रदेश

| क्र.सं. | जनपद | चिन्हित उत्पाद |
|---|---|---|
| 1. | अमरोहा | वाद्य यंत्र (ढोलक) |
| 2. | अमेठी | मूँज उत्पाद |
| 3. | अलीगढ़ | ताले एवं हार्डवेयर |
| 4. | अम्बेडकर नगर | वस्त्र उद्योग |
| 5. | आगरा | चमड़े के उत्पाद |
| 6. | आजमगढ़ | काली मिट्टी की कलाकृतियाँ |
| 7. | इटावा | वस्त्र |
| 8. | इलाहाबाद | मूँज उत्पाद |
| 9. | उन्नाव | ज़री–ज़रदोजी |
| 10. | एटा | घुंघरू, घंटी |
| 11. | औरैया | दूध प्रसंस्करण (देशी घी) |
| 12. | कन्नौज | इत्र |
| 13. | कानपुर देहात | जस्ते के बर्तन |
| 14. | कानपुर नगर | चमड़े के उत्पाद |
| 15. | कासगंज | ज़री–ज़रदोजी |
| 16. | कुशीनगर | केले के रेशे से बने उत्पाद |
| 17. | कौशाम्बी | खाद्य प्रसंस्करण (केला) |
| 18. | गाज़ियाबाद | यांत्रिकी उत्पाद |
| 19. | गाजीपुर | जूट वॉल हैंगिंग्स |
| 20. | गोरखपुर | मिट्टी के बर्तन (टेराकोटा) |
| 21. | गोण्डा | खाद्य प्रसंस्करण (दाल) |
| 22. | गौतमबुद्धनगर | सिले–सिलाये वस्त्र |
| 23. | चित्रकूट | लकड़ी के खिलौने |
| 24. | चन्दौली | ज़री–ज़रदोजी |
| 25. | जालौन | हस्त निर्मित कागज |
| 26. | जौनपुर | ऊनी दरी |
| 27. | झांसी | कोमल खिलौने (सॉफ्ट ट्वॉयज) |
| 28. | देवरिया | सजावटी उत्पाद |
| 29. | पीलीभीत | बांसुरी |
| 30. | प्रतापगढ़ | खाद्य प्रसंस्करण (आँवला) |
| 31. | फतेहपुर | बेडशीट |
| 32. | फ़र्रुख़ाबाद | ब्लॉक प्रिन्टिंग |
| 33. | फ़िरोज़ाबाद | कांच उत्पाद |
| 34. | फ़ैज़ाबाद | गुड़ |
| 35. | बदायूँ | ज़री–ज़रदोजी |
| 36. | बरेली | ज़री–ज़रदोजी |
| 37. | बलरामपुर | खाद्य प्रसंस्करण (दाल) |
| 38. | बलिया | बिन्दी |
| 39. | बस्ती | काष्ठ शिल्प (वुड क्राफ्ट) |
| 40. | बहराइच | गेहूँ के डंठल की कलाकृतियाँ |
| 41. | बागपत | घरेलू सजावटी सामान |
| 42. | बाराबंकी | हथकरघा उत्पाद |
| 43. | बांदा | शज़र पत्थर शिल्प |
| 44. | बिजनौर | काष्ठ शिल्प (वुड क्राफ्ट) |
| 45. | बुलन्दशहर | चीनी मिट्टी के बर्तन (पॉटरी) |
| 46. | मऊ | वस्त्र उत्पाद |
| 47. | मथुरा | स्वच्छता सम्बन्धी उपकरण |
| 48. | महाराजगंज | फर्नीचर |
| 49. | महोबा | गौरा पत्थर शिल्प |
| 50. | मिर्ज़ापुर | कालीन |
| 51. | मुज़फ्फरनगर | गुड़ |
| 52. | मुरादाबाद | धातु शिल्प |
| 53. | मेरठ | खेल का सामान |
| 54. | मैनपुरी | तारकशी कला |
| 55. | रामपुर | पैचवर्क |
| 56. | रायबरेली | काष्ठ शिल्प (वुड क्राफ्ट) |
| 57. | लखनऊ | चिकनकारी एवं ज़री–ज़रदोजी |
| 58. | लखीमपुर खीरी | जनजातीय शिल्प (ट्राइबल क्राफ्ट) |
| 59. | ललितपुर | ज़री सिल्क साड़ी |
| 60. | वाराणसी | रेशम उत्पाद |
| 61. | शामली | रिम एवं धुरा (एक्सेल) |
| 62. | शाहजहाँपुर | ज़री–ज़रदोज़ी |
| 63. | श्रावस्ती | जनजातीय शिल्प (ट्राइबल क्राफ्ट) |
| 64. | सम्भल | सींग एवं अस्थि उत्पाद |
| 65. | सहारनपुर | काष्ठ शिल्प (वुड कार्विंग) |
| 66. | सिद्धार्थनगर | खाद्य प्रसंस्करण (काला नमक चावल) |
| 67. | सीतापुर | दरी |
| 68. | सुल्तानपुर | मूँज उत्पाद |
| 69. | सोनभद्र | कालीन |
| 70. | संत कबीर नगर | पीतल के बर्तन |
| 71. | संत रविदास नगर (भदोही) | कालीन |
| 72. | हमीरपुर | जूती |
| 73. | हरदोई | हथकरघा |
| 74. | हाथरस | हींग प्रसंस्करण |
| 75. | हापुड़ | घरेलू सजावटी सामान |

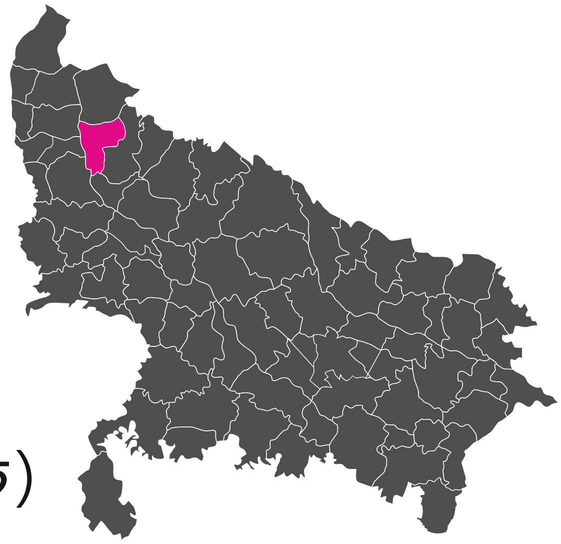

# अमरोहा

## वाद्य यन्त्र (ढोलक)

दस्तकारी के क्षेत्र में जनपद में काष्ठ आधारित ढोलक वाद्य यन्त्र की लगभग 300 छोटी–छोटी इकाईयाँ कार्यरत हैं, जिनमें 1000 से अधिक कारीगर हैं। इस जनपद में ढोलक बनाने का कार्य काफी समय से किया जा रहा है। यह हाथ व छड़ी से बजाया जाता है। सामाजिक विकास के चलते ढोलक के प्रयोग का दायरा और विस्तृत हो गया है। ढोलक आम, शीशम, सागौन व नीम की लकड़ी से बनायी जाती है।

ONE DISTRICT ONE PRODUCT
UTTAR PRADESH
नई उड़ान,
नई पहचान

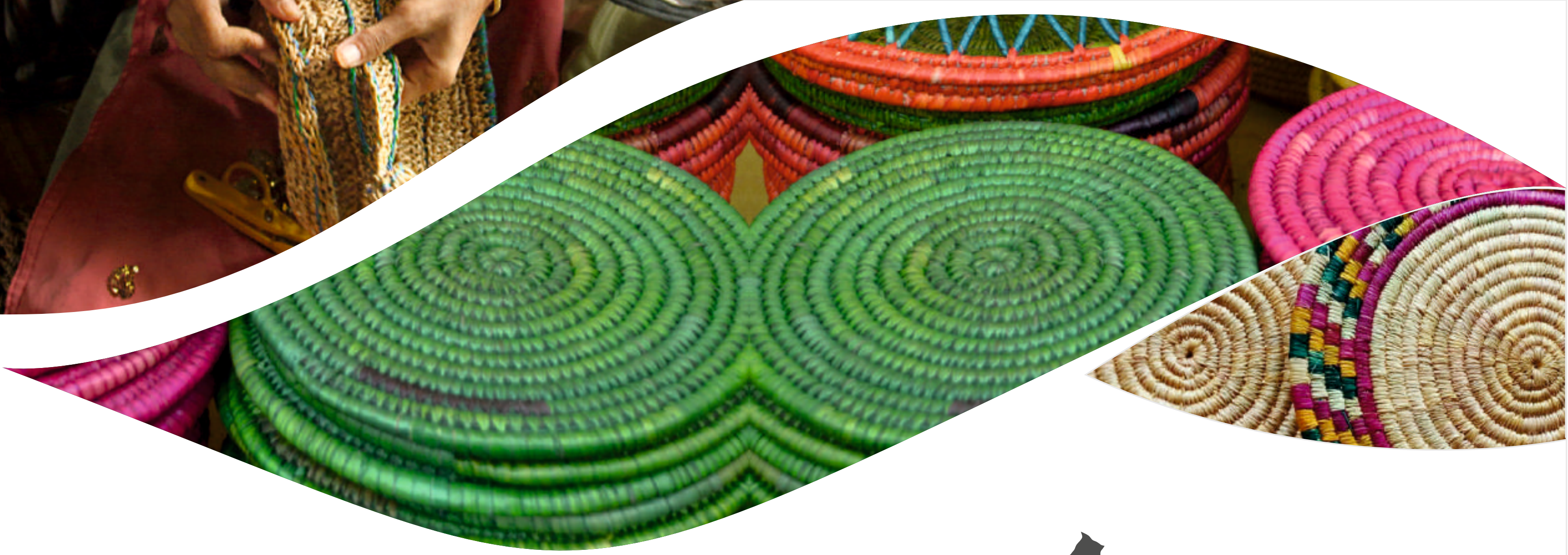

# अमेठी

## मूँज उत्पाद

जनपद अमेठी के तराई क्षेत्रों में प्राकृतिक रूप से बहुवर्षीय घास पाई जाती है जिसे स्थानीय भाषा में सरपत (मूँज) कहते हैं। यहाँ लगभग पच्चीस से तीस हजार स्थानीय लोग मूँज के बने विभिन्न प्रकार के गृह उपयोगी एवं सजावटी सामानों यथा– मुढ्ढा, फुट मैट, कैरी बैग, रस्सी, पेन स्टैण्ड, मौनी, डेलरी, कुर्सी, मेज इत्यादि का निर्माण बिना किसी मशीनी उपकरण का प्रयोग किये, आसानी से कर रहे हैं। यह कुटीर उद्योग पूर्णतया प्रदूषण मुक्त है।

ONE DISTRICT ONE PRODUCT
UTTAR PRADESH
नई उड़ान, नई पहचान

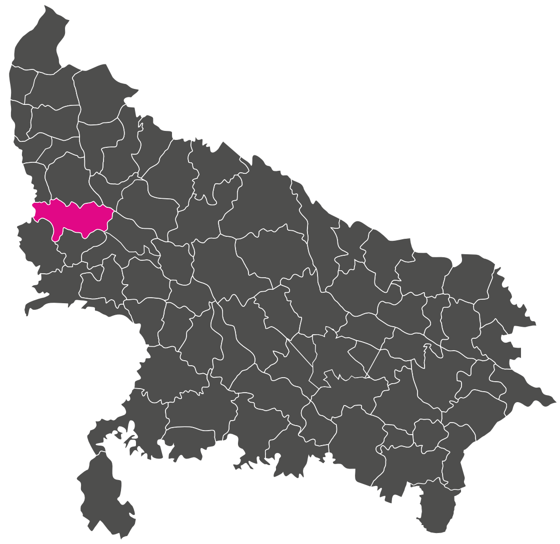

# अलीगढ़

## ताले एवं हार्डवेयर

जनपद अलीगढ़ समस्त भारत में ताले के निर्माण हेतु विख्यात रहा है। वर्तमान में अलीगढ़ में पैडलॉक, डोरलॉक, मल्टीस्लोट साइकिल लॉक, मल्टीपरपज लॉक आदि बनाये जा रहे हैं। ताले एवं हार्डवेयर का कार्य घरों से लेकर सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम इकाईयों में भी हो रहा है।

ONE DISTRICT ONE PRODUCT
UTTAR PRADESH

नई उड़ान,
नई पहचान

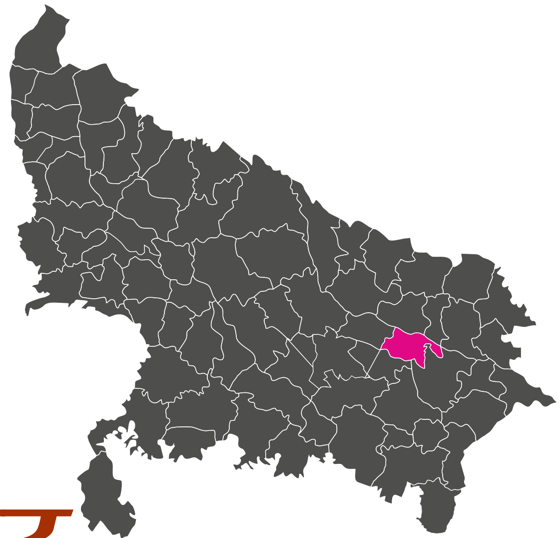

# अम्बेडकर नगर

## वस्त्र उद्योग

अम्बेडकर नगर जनपद में पावरलूम से वस्त्र निर्माण का कार्य मुख्यत: टाण्डा क्षेत्र में किया जाता है। पावरलूम से वस्त्र निर्माण का कार्य 50 वर्ष ही पुराना है, हैण्डलूम से वस्त्र निर्माण का कार्य पीढ़ियों से चला आ रहा है, जिसमें स्थानीय हस्तशिल्प तकनीकी का प्रयोग किया जाता रहा है। अब टाण्डा क्षेत्र का लगभग हर परिवार इस कार्य से जुड़ा हुआ है जिसके अन्तर्गत लगभग 43000 कारीगर रोजगार प्राप्त कर रहे हैं।

ONE DISTRICT ONE PRODUCT
UTTAR PRADESH

नई उड़ान, नई पहचान

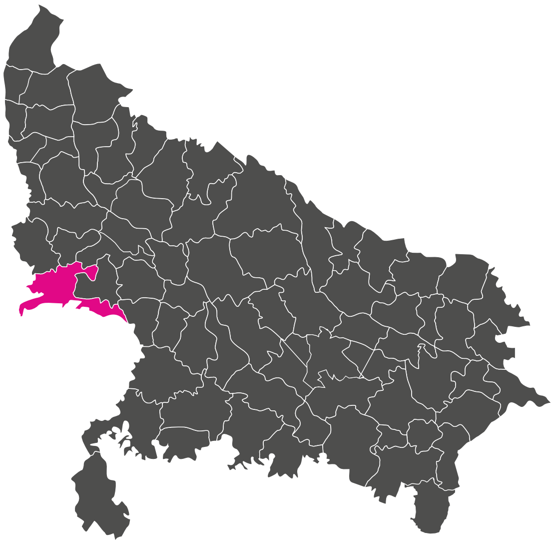

# आगरा

## चमड़े के उत्पाद

आगरा जनपद में चमड़े से निर्मित फुटवियर, बेल्ट एवं पर्स आदि का कार्य होता है। इस कार्य हेतु कच्चा माल मुख्यतः कानपुर, कोलकाता, चेन्नई, ताईवान व चीन आदि से आयात किया जाता है। जनपद में इस उत्पाद की गुणवत्ता वृद्धि की सम्भावनायें हैं। वर्तमान में इनके विकास हेतु डिजाइन लैब तथा टेस्टिंग सुविधाओं को विकसित किये जाने की आवश्यकता है।

ONE DISTRICT ONE PRODUCT
UTTAR PRADESH

नई उड़ान,
नई पहचान

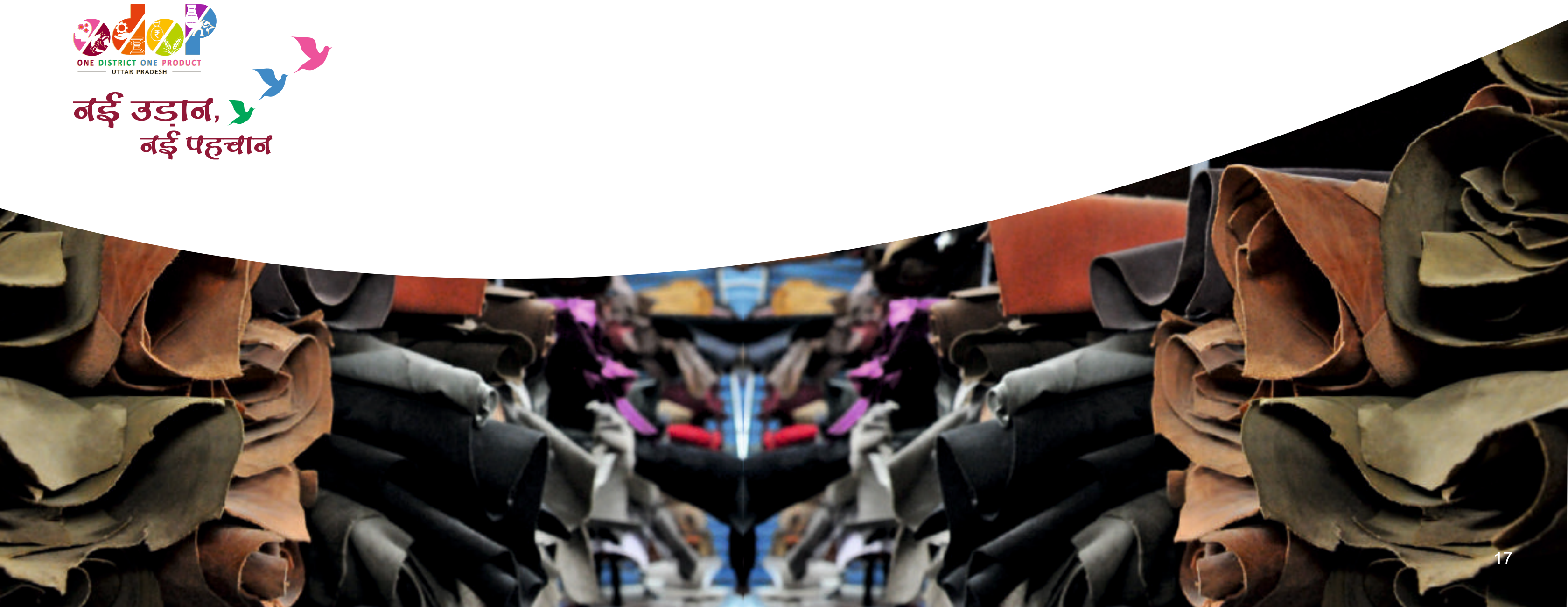

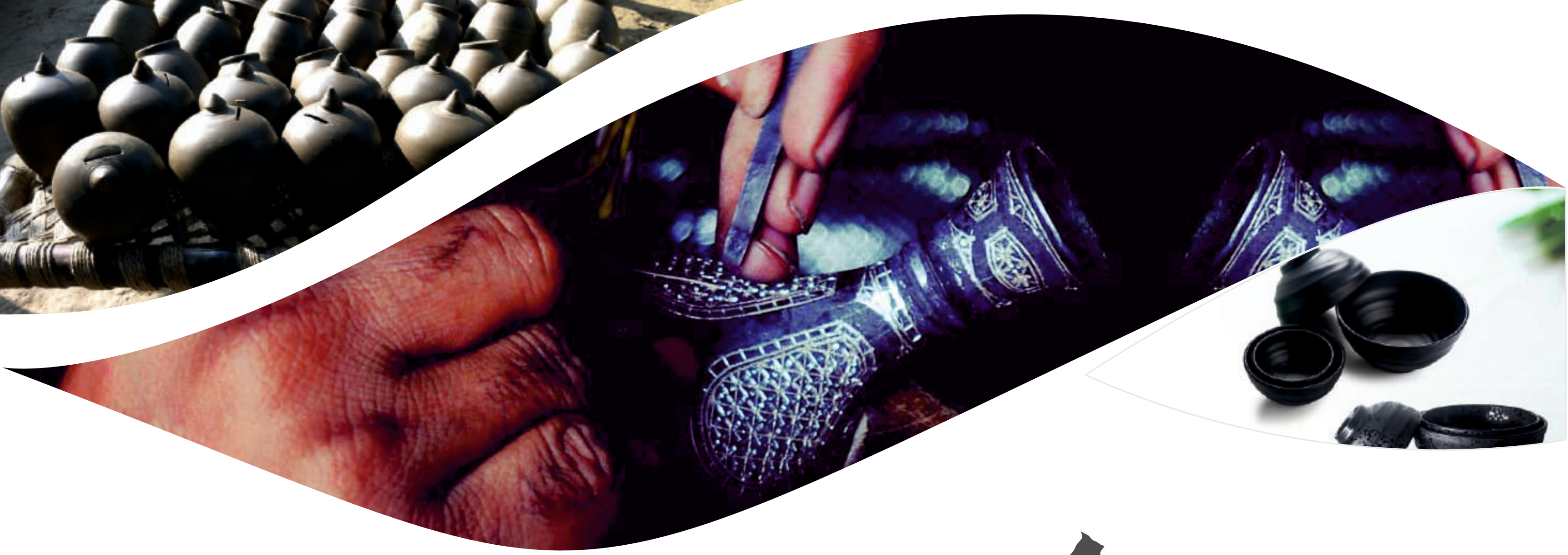

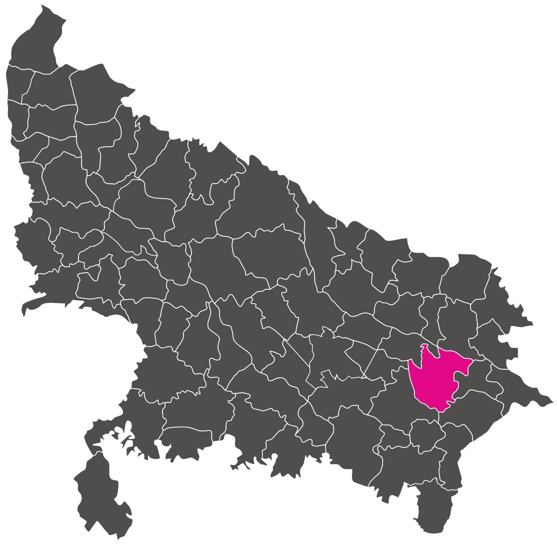

# आज़मगढ़

## काली मिट्टी की कलाकृतियाँ

काली मिट्टी की कलाकृतियाँ (ब्लैक पॉटरी) जनपद आज़मगढ़ के निजामाबाद क्षेत्र में एक विशेष प्रकार की मिट्टी से तैयार की जाती है। इस क्षेत्र में लगभग 200 कारीगर कार्यरत हैं, जो विभिन्न प्रकार की ब्लैक पॉटरी जैसे–मिट्टी के बर्तन, सुराही, फूलदान आदि बनाते हैं। इस क्राफ्ट की देश एवं विदेशों में अत्यधिक माँग है।

ONE DISTRICT ONE PRODUCT
UTTAR PRADESH
नई उड़ान, नई पहचान

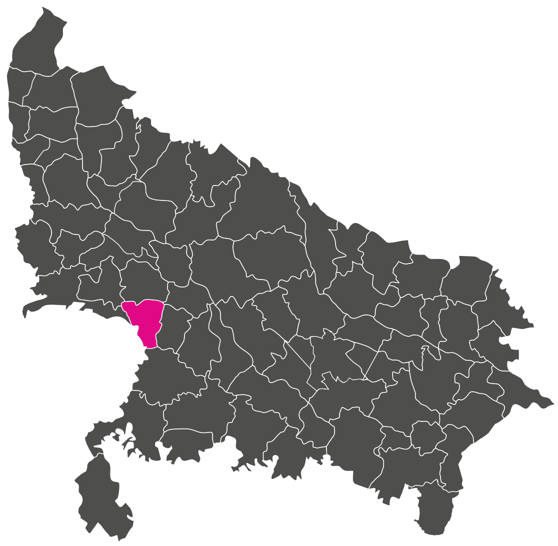

# इटावा

## वस्त्र

जनपद इटावा में वस्त्रों के उत्पादन का कार्य काफी मात्रा में किया जाता है। वस्त्रों पर विभिन्न पैटर्न वाले हाथ औजारों द्वारा छपाई का कार्य किया जाता है। कारीगरों द्वारा डिजाइनर कपड़ों में सिंगल बेडशीट, डबल बेडशीट, विभिन्न प्रकार के कुशन कवर, पिलो कवर तथा गमछा (अंगौछा) आदि प्रमुख रूप से तैयार किया जाता है। यहां के छपे हुये डिजाइनर कपड़ों की मांग अधिक होने के कारण इस कला के विस्तार की व्यापक सम्भावनायें हैं।

ONE DISTRICT ONE PRODUCT
UTTAR PRADESH

नई उड़ान,
नई पहचान

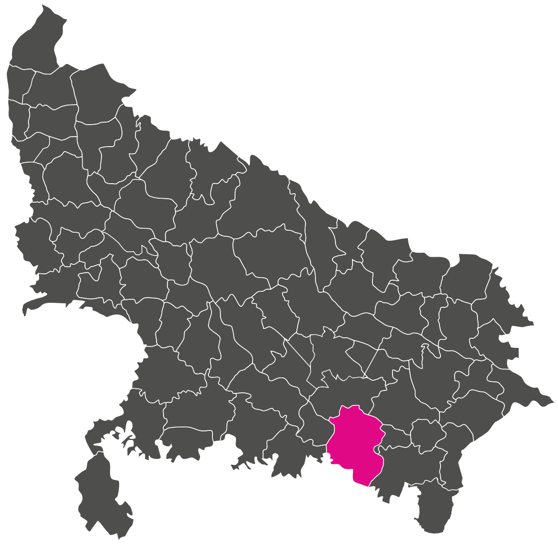

# इलाहाबाद

## मूँज उत्पाद

इलाहाबाद के नैनी क्षेत्र में मूँज से सम्बन्धित शिल्प का कार्य होता है। कच्चा माल स्थानीय स्तर पर आसानी से उपलब्ध हो जाने के कारण अब मूँज से निर्मित विविध वस्तुएं बाजार में उपलब्ध हैं, यथा– टोकरी, डलिया, पेपरवेट, कोस्टर स्टैण्ड, बैग, सजावटी सामान इत्यादि। मूँज निर्मित उत्पाद ईको–फ्रेन्डली होने के कारण आधुनिक परिवेश में बहुत सी डिजाइनों व रंगों का प्रयोग करके भारत के अन्य प्रान्तों में तथा अन्तर्राष्ट्रीय बाजार में  निर्यात होने की क्षमता रखते हैं।

ONE DISTRICT ONE PRODUCT
UTTAR PRADESH

नई उड़ान,
नई पहचान

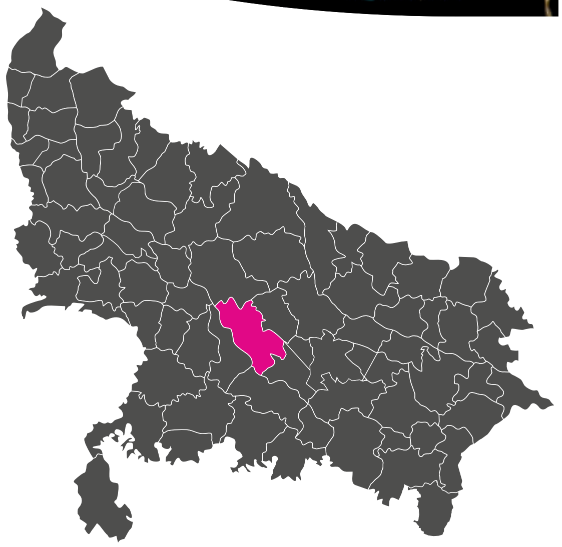

# उन्नाव

## ज़री–ज़रदोजी

ज़र (सोना) और दोज़ी (कढ़ाई) दो शब्दों का संयोजन 'जरदोज़ी', मोती और कीमती पत्थरों के साथ विभिन्न कपड़ो को सुशोभित करने के लिए सोने के धागे के उपयोग द्वारा की जाने वाली कढ़ाई का एक रूप है। सोना इन दिनों महंगा होने के कारण, कारीगर स्वर्ण या चांदी मिश्रित तांबे के तार का उपयोग करते हैं। उन्नाव क्षेत्र मुगलकालीन समय से ही कला का केन्द्र रहा है। कला, जिसका प्रयोग कभी राजाओं और राजपरिवारों के पोशाक को सुशोभित करने के लिए किया जाता था, उसकी चमक ब्रिटिश शासन काल के दौरान कम होने लगी। यह खूबसूरत रचनात्मक कला धातु सितारों, ग्लास और प्लास्टिक मोतियों तथा अड्डा नाम की लकड़ी के फ्रेम पर डबका धागों से सजाई जाती है, इसने आधुनिक बाजारों में धीरे–धीरे अपनी जगह बनानी शुरू कर दी है। थोड़ी और तकनीकी वित्तीय सहायता से यह कला अपनी पुरानी प्रतिष्ठा प्राप्त कर लेगी।

ONE DISTRICT ONE PRODUCT
UTTAR PRADESH
नई उड़ान, नई पहचान

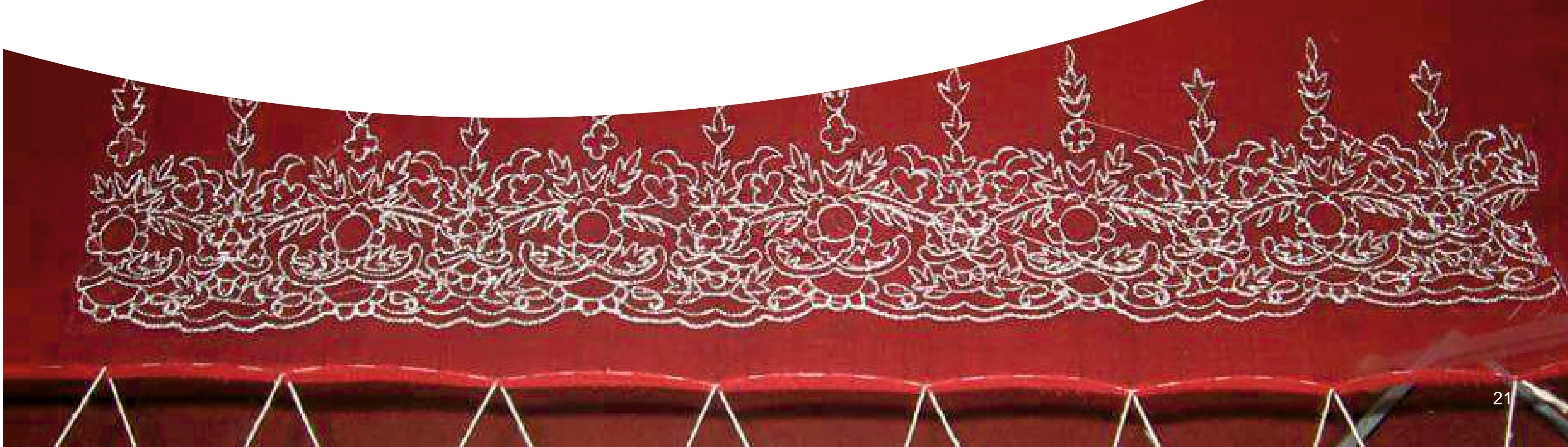

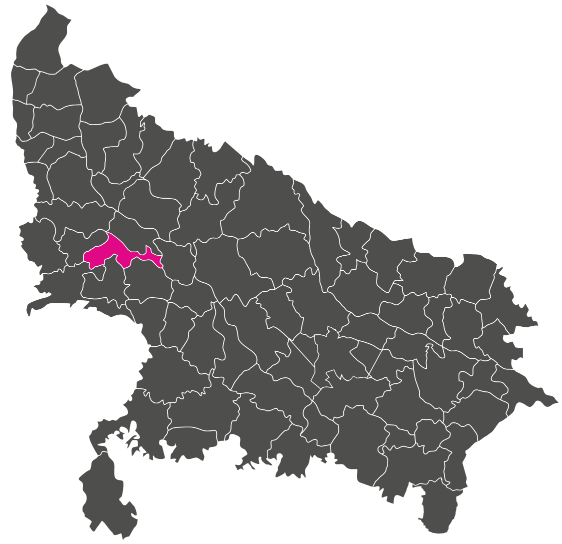

# एटा

घुंघुरू, घंटी

एटा जनपद में कस्बा जलेसर एक ऐतिहासिक स्थल है, जहां मगध नरेश जरासंध की राजधानी थी। यहाँ मुख्य रूप से पीतल के घुंघुरू, घन्टी बनाने का कार्य किया जा रहा है। घुंघुरू एवं घन्टी बनाने में कच्चे माल के रूप में मिट्टी, शीरा, सफेद पाउडर व पीतल धातु का प्रयोग किया जाता है।

ONE DISTRICT ONE PRODUCT
UTTAR PRADESH
नई उड़ान, नई पहचान

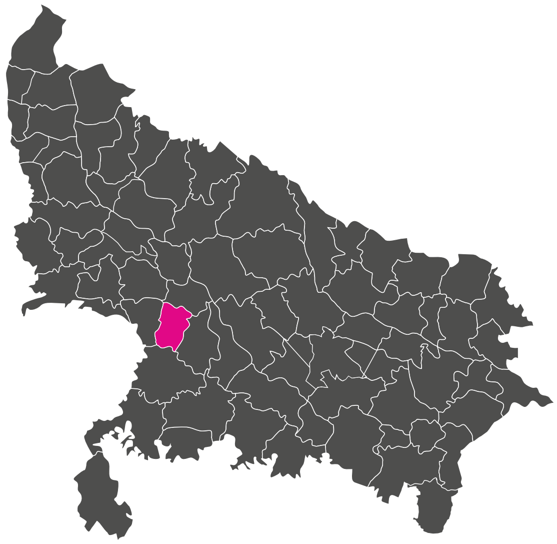

# औरैया

## दुग्ध प्रसंस्करण (देशी घी)

जनपद औरैया पशुपालन में अग्रणी स्थान रखता है और शुद्ध देशी घी के उत्पादनकर्ता के रूप में प्रसिद्ध है। जनपद औरैया से देशी घी की आपूर्ति देश के विभिन्न प्रान्तों पंजाब, पश्चिम बंगाल, आन्ध्र प्रदेश, तमिलनाडु तथा मुम्बई आदि में की जाती है।

ONE DISTRICT ONE PRODUCT
UTTAR PRADESH
नई उड़ान, नई पहचान

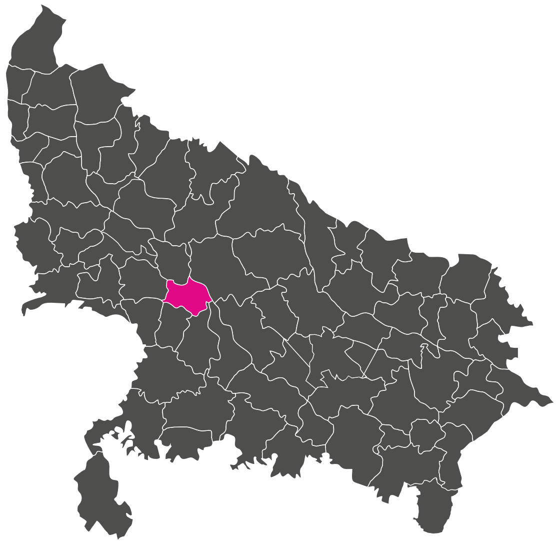

# कन्नौज

## इत्र

कन्नौज जनपद 'इत्र नगरी' के नाम से लोकप्रीय है। हालांकि इत्र बहुतायत मात्रा में होते हैं, कन्नौज में मात्र छह प्रकार के इत्रों– गुलाब, बेला, मोगरा, मेंहदी, हिना, शमामा और मिट्टी का उत्पादन होता है। इत्र निकालने के लिए सदियों पुरानी विधि का प्रयोग किया जाता है जिसमें पहले तांबे के बर्तन में फूल को उबालते हैं और बाद में ठंडे पानी के साथ भाप बनाते हैं। जनपद में 1991 से 'सुरस' और 'सुगंध विकास केंद्र' (FFDC) का संचालन हो रहा है।

नई उड़ान, नई पहचान

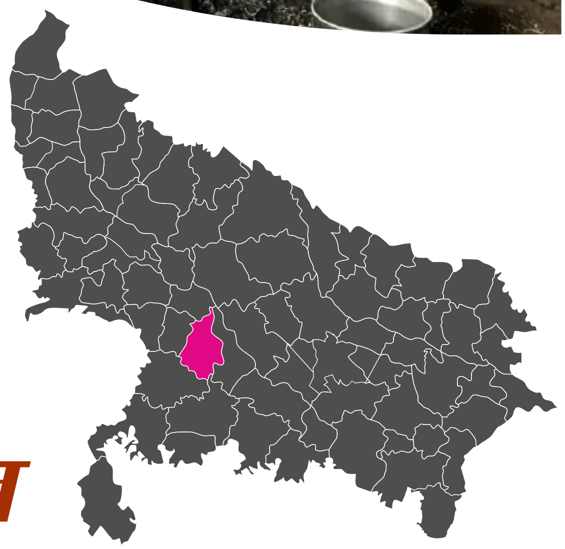

# कानपुर देहात

## जस्ते के बर्तन

जनपद कानपुर देहात का पुखरायां क्षेत्र बर्तनों के उत्पादन के लिए जाना जाता है। पुखरायां में एल्युमिनियम के भगौना, टंकी, चम्मच, केतली, स्टील बाल्टी, थाली, ग्लास तथा प्रेशर कुकर निर्माण की इकाईयाँ कार्यरत हैं। यहाँ के उत्पादों को कालपी, उरई, झांसी, हमीरपुर, बांदा तथा कानपुर, औरैया, इटावा आदि शहरों में विक्रय हेतु भेजा जाता है।

नई उड़ान,
नई पहचान

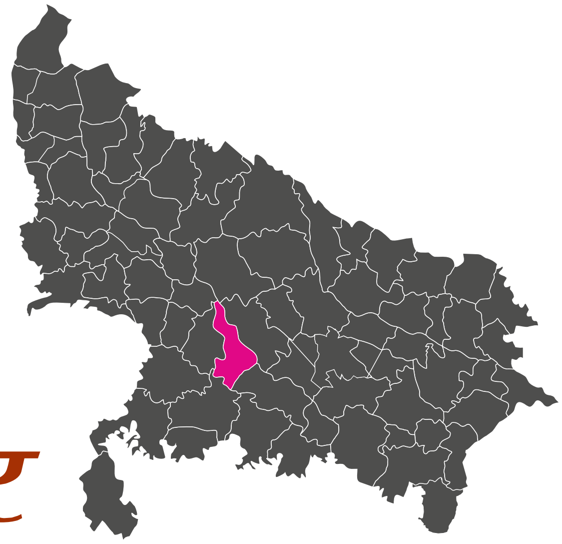

# कानपुर नगर

## चमड़े के उत्पाद

कानपुर नगर, भारत में चमड़ा उद्योग का सबसे बड़ा केन्द्र रहा है। यहाँ लेदर से निर्मित फुटवियर, बेल्ट, पर्स, चप्पल, चमड़े के वस्त्र एवं घोड़े की जीन का कार्य होता है। देश से कुल चमड़े एवं चमड़े के सामान के निर्यात में अकेले कानपुर नगर की भागीदारी लगभग 20 प्रतिशत से अधिक है। यहाँ बनने वाले लेदर उत्पाद अमेरिका और यूरोपीय देशों को निर्यात किये जाते हैं।

ONE DISTRICT ONE PRODUCT
UTTAR PRADESH
नई उड़ान,
नई पहचान

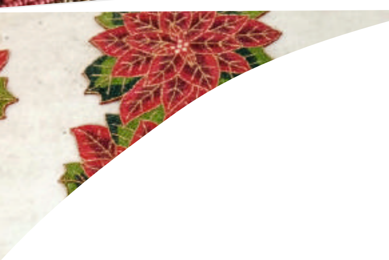

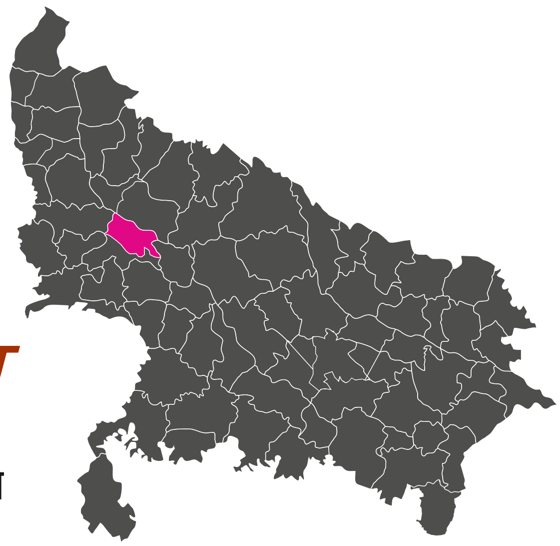

# कासगंज

## ज़री–ज़रदोजी

जनपद कासगंज में ज़री–ज़रदोजी मुगलकाल से ही प्रचलित है। यहाँ कशीदाकारी, हाथ से कढ़ाई, मूंगा मोती, रेशम आदि सम्बन्धित कार्य पहले से ही होता रहा है। हाथ से की गयी कशीदाकारी मूंगा मोती के कार्य का अपना एक अलग स्थान है। जनपद कासगंज में लगभग 65 हजार कारीगर वर्तमान में ज़री–ज़रदोजी के कार्य में लगे हुए हैं। कासगंज के उत्पादों की मांग राष्ट्रीय तथा अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर है।

ONE DISTRICT ONE PRODUCT
UTTAR PRADESH
नई उड़ान, नई पहचान

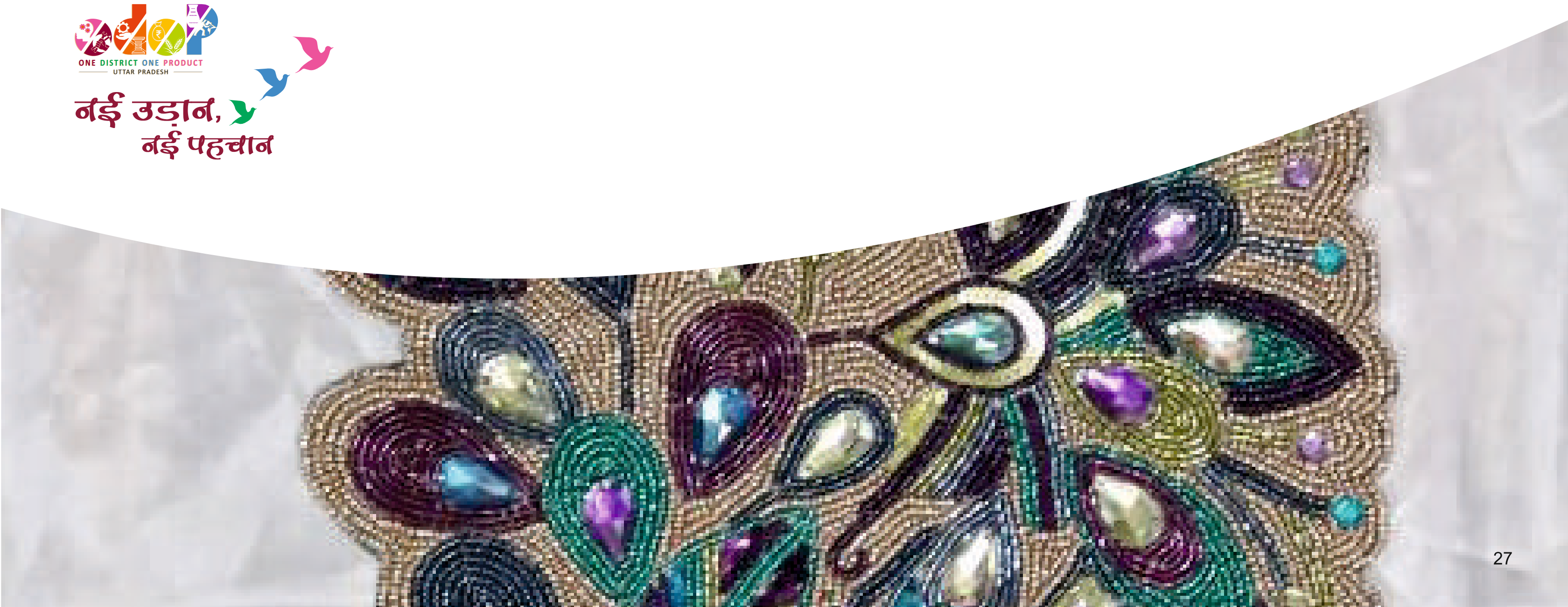

# कुशीनगर

## केले के रेशे से बने उत्पाद

जनपद कुशीनगर में केले के रेशों से बने ‘बनाना फाइबर’ का प्रयोग मजबूत धागा एवं बैग निर्माण के कार्य में किया जाता है तथा अवशेष बचे केले के तने का उपयोग जैविक खाद निर्माण में किया जाता है। एक तरफ जहाँ यह प्रोजेक्ट पर्यावरण के अनुकूल अर्थात ‘इको फ्रेन्डली’ है, वहीं दूसरी तरफ यह किसानों द्वारा निष्प्रयोज्य घोषित कर फेंके गये केले के तने का सदुपयोग भी करता है। जनपद कुशीनगर में जहाँ केले की खेती बहुतायत में हो रही है, वहाँ इस प्रकार के उद्योगों के विकास की अच्छी सम्भावना है।

ONE DISTRICT ONE PRODUCT
UTTAR PRADESH

नई उड़ान, नई पहचान

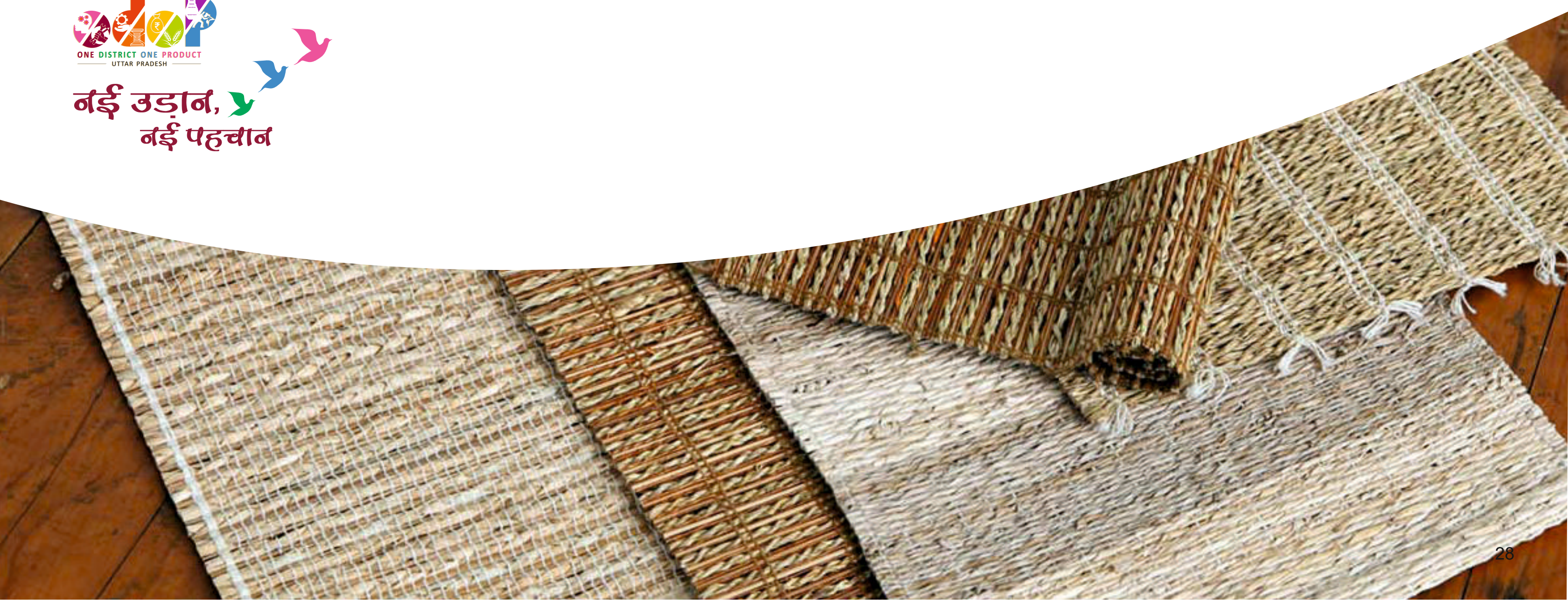

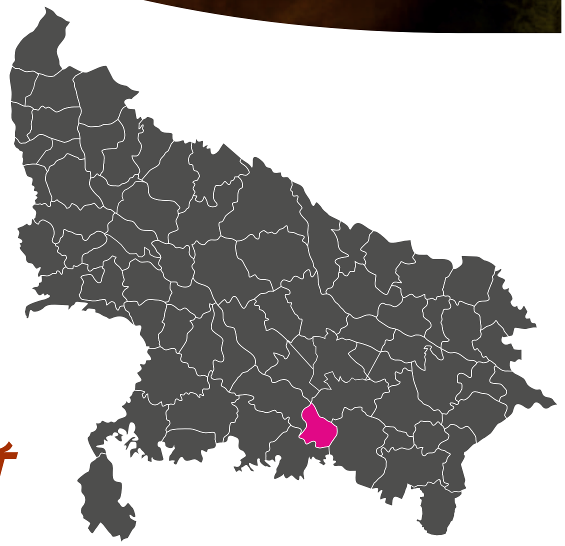

# कौशाम्बी

## खाद्य प्रसंस्करण (केला)

जनपद कौशाम्बी एक कृषि प्रधान जिला है। जनपद में केले की खेती बहुतायत में  हो रही है। इस जनपद में फूड प्रोसेसिंग इकाइयों द्वारा विभिन्न किस्म के उत्पाद यथा– केले के चिप्स, सौन्दर्य प्रसाधन इत्यादि उत्पाद तैयार किये जाते हैं। वर्तमान में बड़ी संख्या में इकाइयाँ इस क्षेत्र में कार्यरत् हैं। इन इकाइयों में प्रत्यक्ष व अप्रत्यक्ष रूप से बड़ी संख्या में लोगों को रोजगार प्राप्त हो रहा है।

ONE DISTRICT ONE PRODUCT
UTTAR PRADESH

नई उड़ान,
नई पहचान

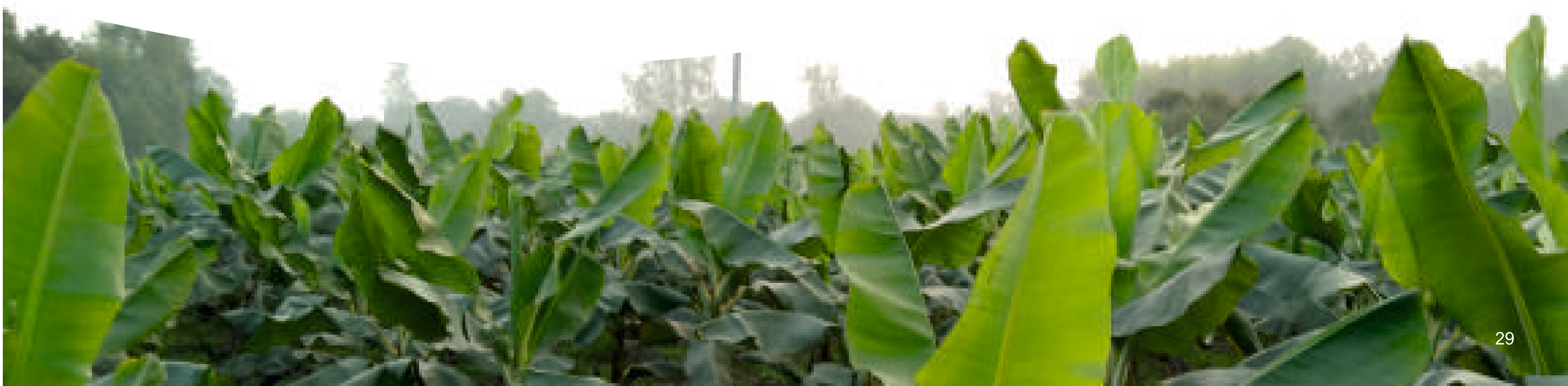

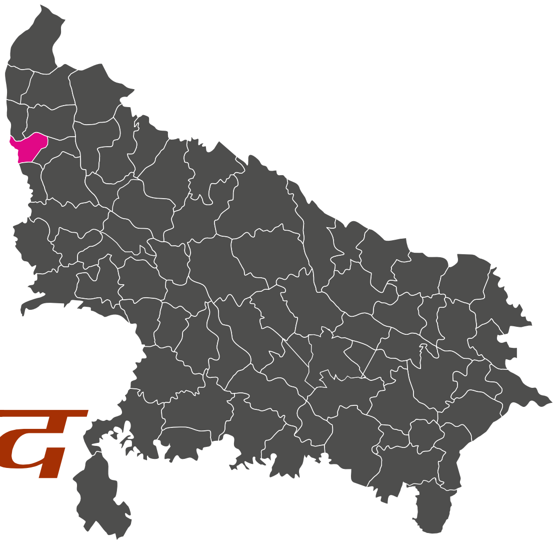

# गाज़ियाबाद

## यांत्रिकी उत्पाद

जनपद गाजियाबाद में इंजीनियरिंग उद्योगों की बहुलता है। ऑटोमोबाईल स्पेयर पार्ट्स, शुगर मिल, मशीनरी पार्ट्स, लिफ्ट, फोर्जिंग की इकाईयाँ जनपद में हैं। इस जनपद से मशीनरी पार्ट्स एवं मशीन का निर्माण तथा निर्यात किया जाता है। जनपद की विभिन्न फोर्जिंग इकाईयों द्वारा रोल्स, गियर्स, शाफ्ट्स, स्टील्स ट्यूब्स इत्यादि का निर्माण किया जाता है।

नई उड़ान, नई पहचान

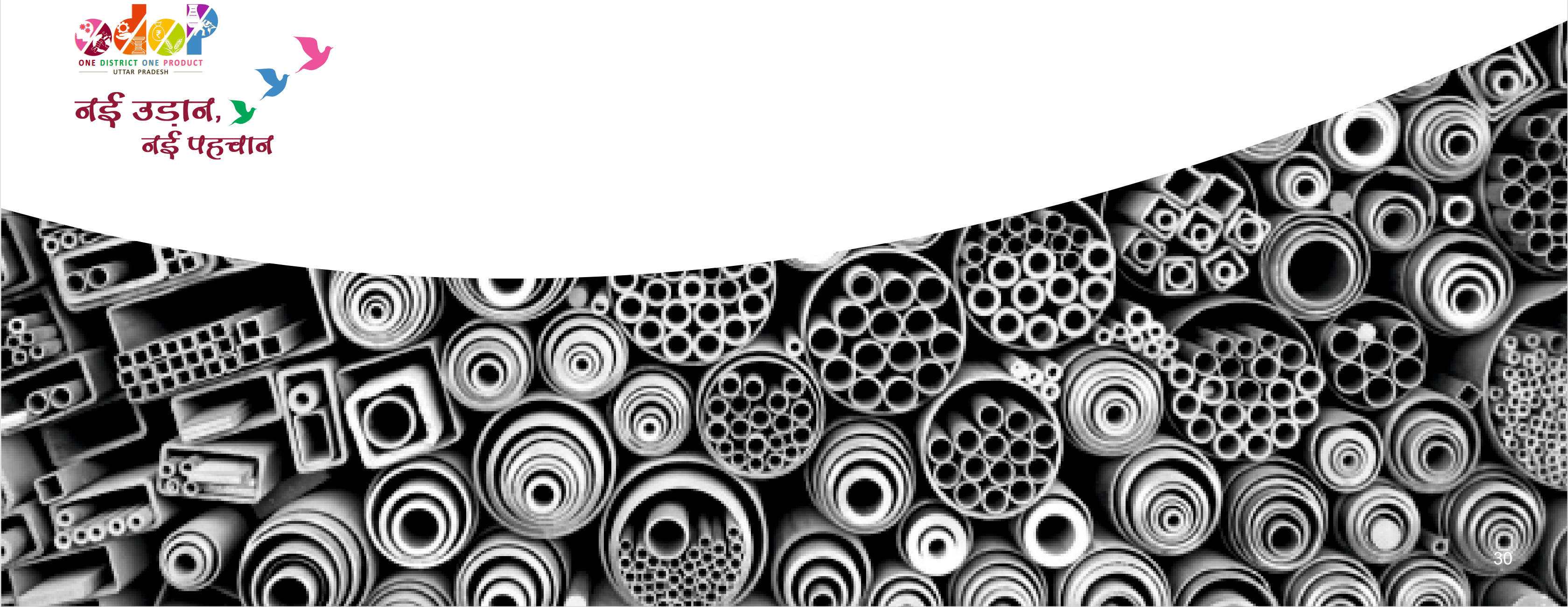

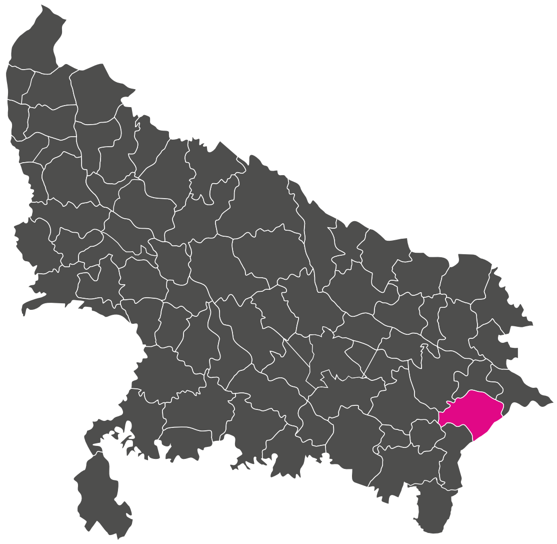

# गाजीपुर

## जूट वॉल हैंगिंग्स

जनपद गाजीपुर में जूट वॉल हैंगिंग्स का कार्य परम्परागत रूप से वर्षों से होता आ रहा है। गाजीपुर के हस्तशिल्पियों द्वारा निर्मित उत्पाद का निर्यात भी किया जा रहा है। उक्त उत्पाद के चहुंमुखी विकास के लिये कच्चे माल की उपलब्धता एवं प्रोडक्ट डेवलपमेंट में प्रशिक्षण एवं विपणन की आवश्यकता है।

नई उड़ान, नई पहचान

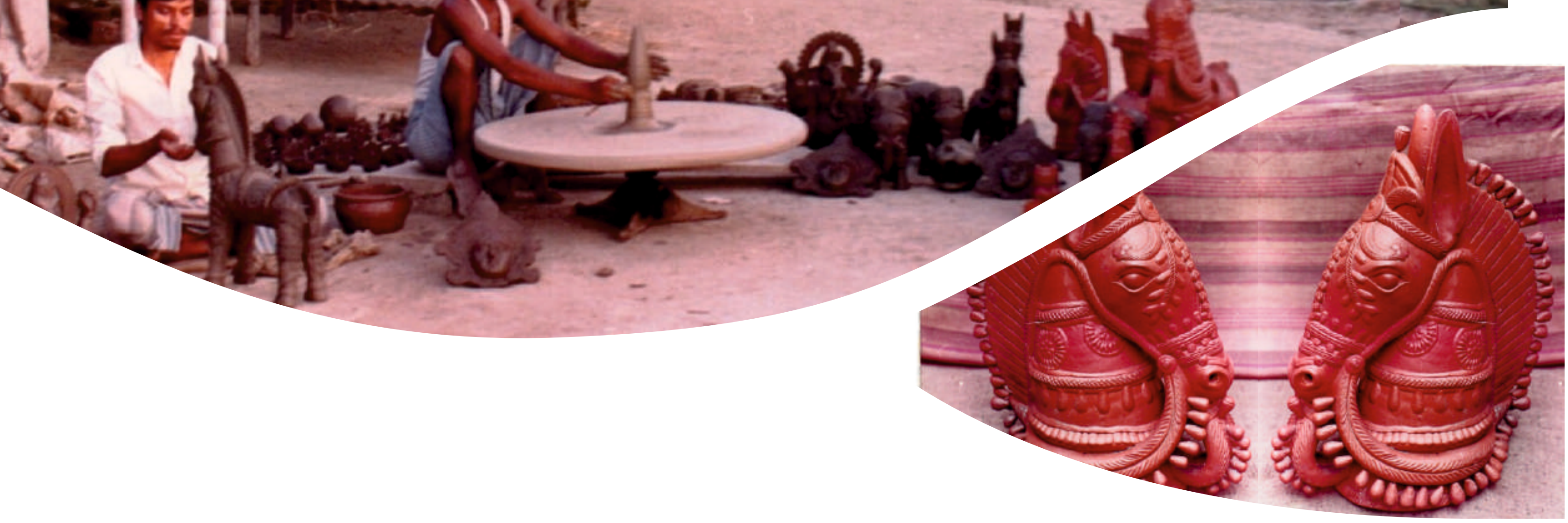

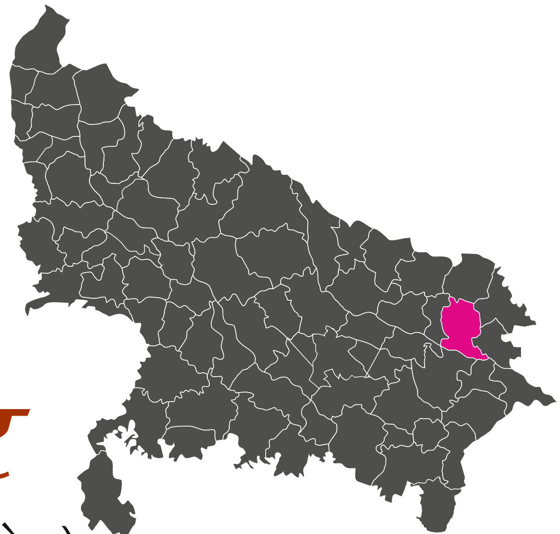

# गोरखपुर

## मिट्टी के बर्तन (टेराकोटा)

टेराकोटा एक विशेष प्रकार की मृत्तिका शिल्प है। इस शिल्प का शैल अलंकरण, प्राकृतिक रंग एवं अभिनव आकृतियों के साथ प्रयोग जैसी विशेषतायें इस कला को दूसरी टेराकोटा कलाओं से अलग करती है। इसके निर्माण में स्थानीय मिट्टी को कच्चे माल के रूप में प्रयोग करते हैं एवं इसमें प्राकृति रंग डालने के लिए एक अन्य कत्थई रंग की मिट्टी मिलायी जाती है। इस उत्पाद में लगभग 200 परिवार रोजगारत हैं।

ONE DISTRICT ONE PRODUCT
UTTAR PRADESH
नई उड़ान,
नई पहचान

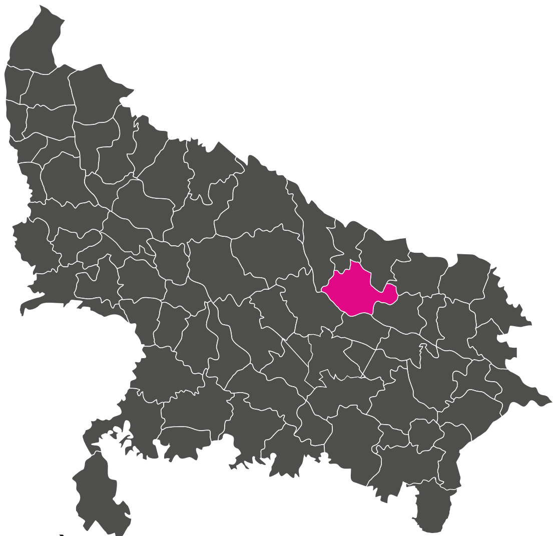

# गोण्डा

## खाद्य प्रसंस्करण (दाल)

गोण्डा जनपद तराई क्षेत्र है। इस जनपद में किसानों द्वारा दाल, गन्ना, मक्का, धान आदि की फसलें उगाई जाती हैं। जिसमें दाल नकदी फसल के रूप में जानी जाती है। दाल से विभिन्न प्रकार के खाद्य पदार्थ का उत्पादन परम्परागत तरीके से किया जाता है। जनपद में बहुतायत से पैदा होने वाली दालों की प्रोसेसिंग एवं पैकिंग आदि का कार्य व्यापक स्तर पर किया जाता है।

ONE DISTRICT ONE PRODUCT
UTTAR PRADESH

नई उड़ान, नई पहचान

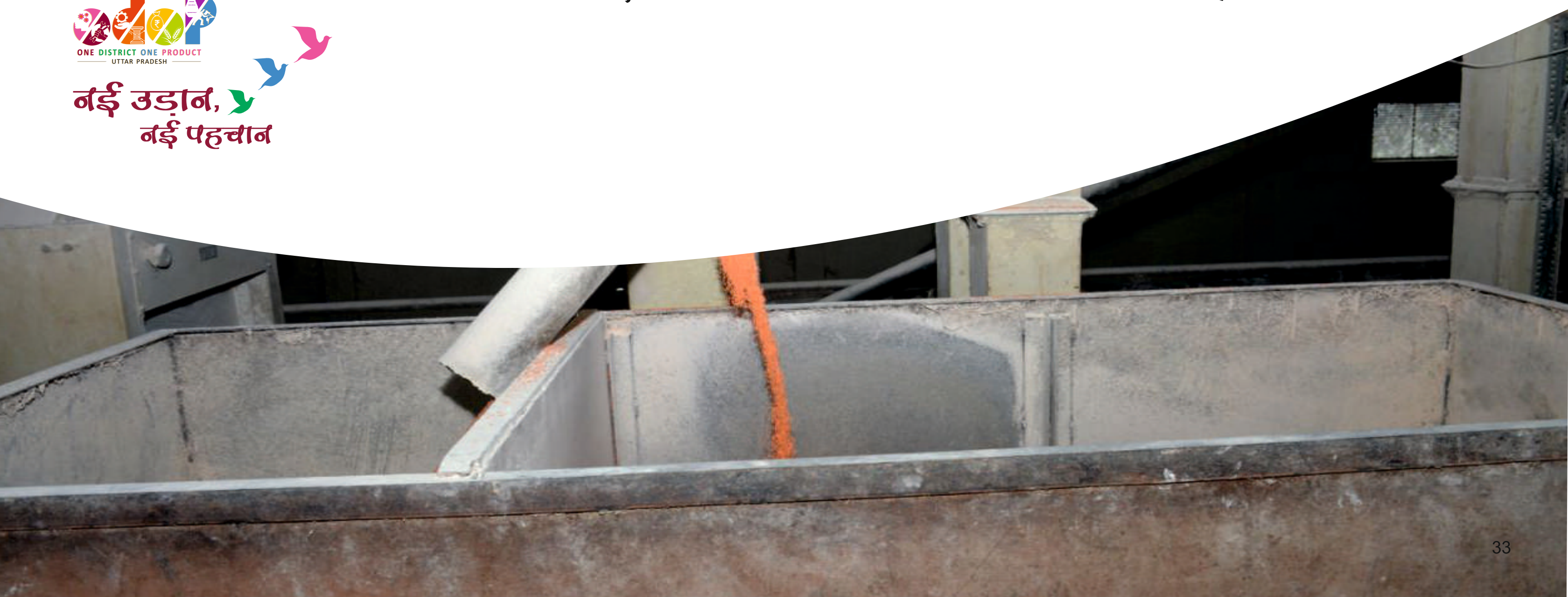

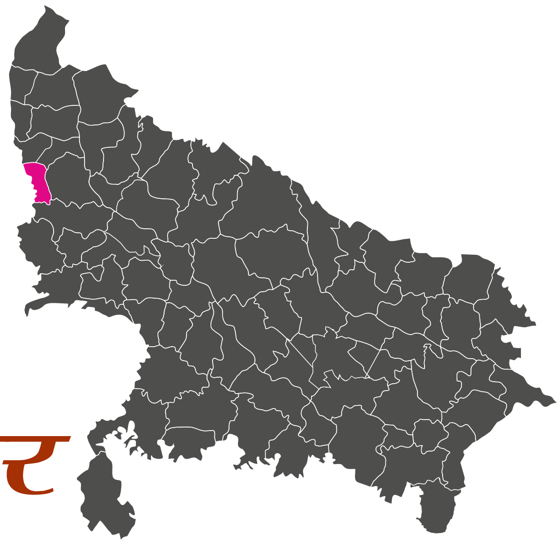

# गौतमबुद्ध नगर

## सिले–सिलाये वस्त्र

गौतमबुद्धनगर को 'सिटी आफ अपैरल' के नाम से भी जाना जाता है। इस क्षेत्र में लाखों व्यक्ति इस व्यवसाय से जुड़े हुए हैं, जिनमें लगभग 60 प्रतिशत महिलाएं हैं। गौतमबुद्धनगर में लगभग 2500 रेडीमेड गारमेन्ट की इकाईयाँ स्थापित हैं। इकाईयों द्वारा तैयार माल का 70 प्रतिशत विदेशों में निर्यात किया जाता है। इकाईयों में कुशल कारीगर उपलब्ध कराने हेतु यहाँ एक अपैरल ट्रेनिंग सेन्टर की स्थापना की गयी है।

ONE DISTRICT ONE PRODUCT
UTTAR PRADESH
नई उड़ान,
नई पहचान

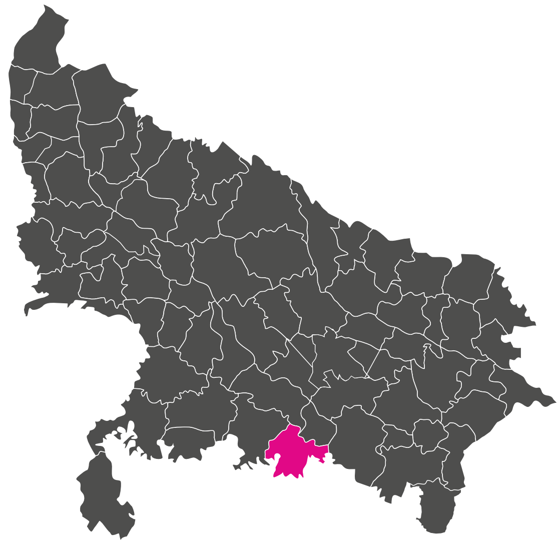

# चित्रकूट

## लकड़ी के खिलौने

जनपद चित्रकूट में वन क्षेत्र होने के कारण लकड़ी की पर्याप्त उपलब्धता है। यहाँ पर पर्याप्त मात्रा में हस्तशिल्पी लकड़ी के खिलौने बनाने का कार्य करते हैं। यहाँ के तैयार किये गये खिलौने प्रदेश के विभिन्न जनपदों में बिक्री हेतु एवं विभिन्न मेले एवं प्रदर्शनियों में भेजे जाते हैं।

ONE DISTRICT ONE PRODUCT
UTTAR PRADESH
नई उड़ान, नई पहचान

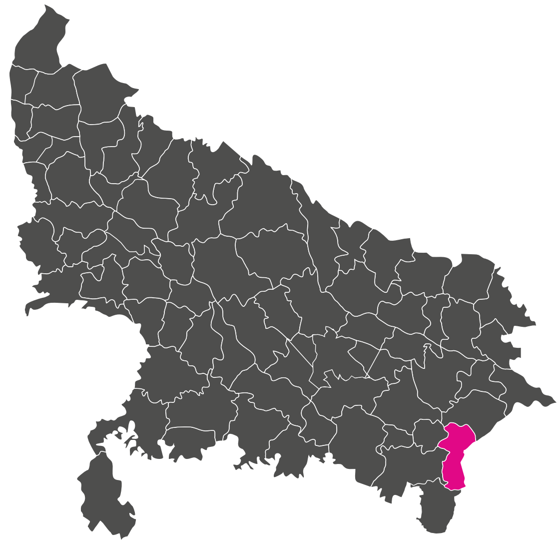

# चन्दौली

## ज़री–ज़रदोजी

साड़ियों पर ज़री का अधिकांश कार्य जनपद चन्दौली के गोपालापुर, दलुहीपुर, सतपाखेरी, सिकन्दरपुर, कटेसर आदि क्षेत्रों के हस्तशिल्पियों द्वारा किया जाता है। यहाँ पर ज़री की कला वाराणसी से आयी है। वर्तमान समय में जनपद चन्दौली में ज़री का कार्य जॉब वर्क के रूप में किया जाता है। यहाँ के हस्तशिल्पी वाराणसी की इकाईयों के लिये कार्य करते हैं।

ONE DISTRICT ONE PRODUCT
UTTAR PRADESH
नई उड़ान, नई पहचान

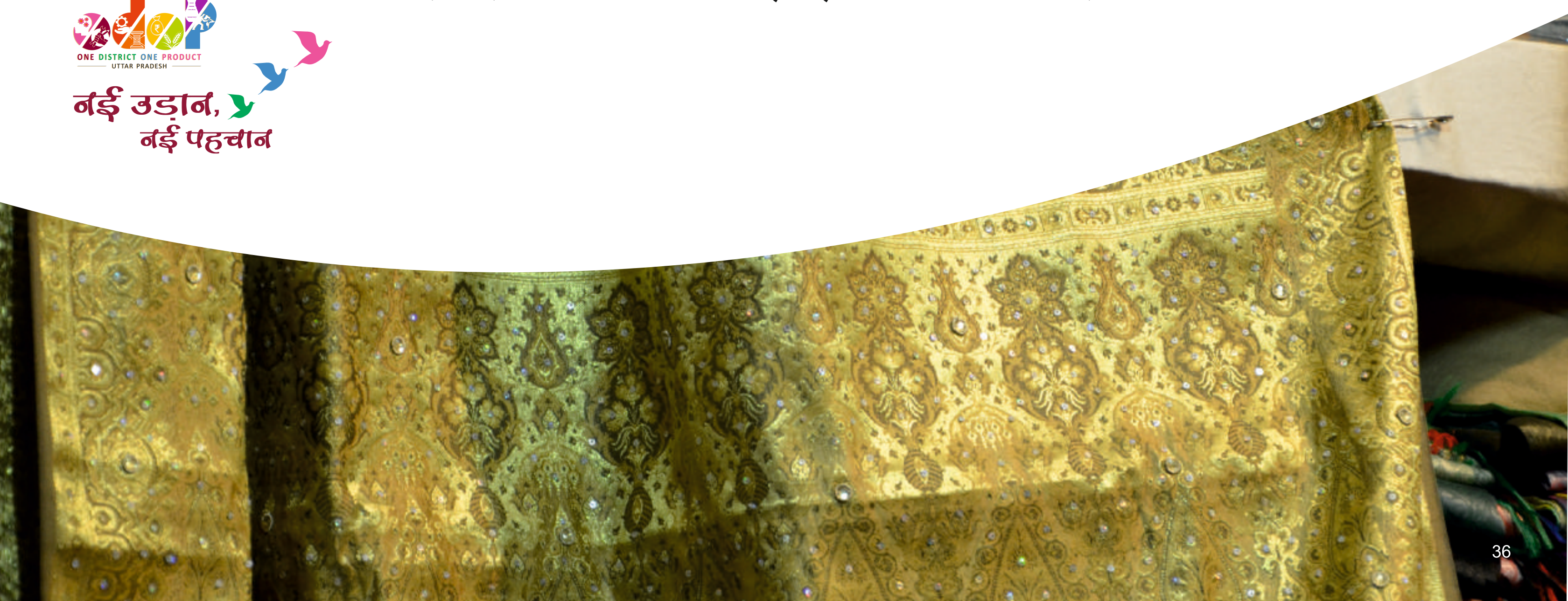

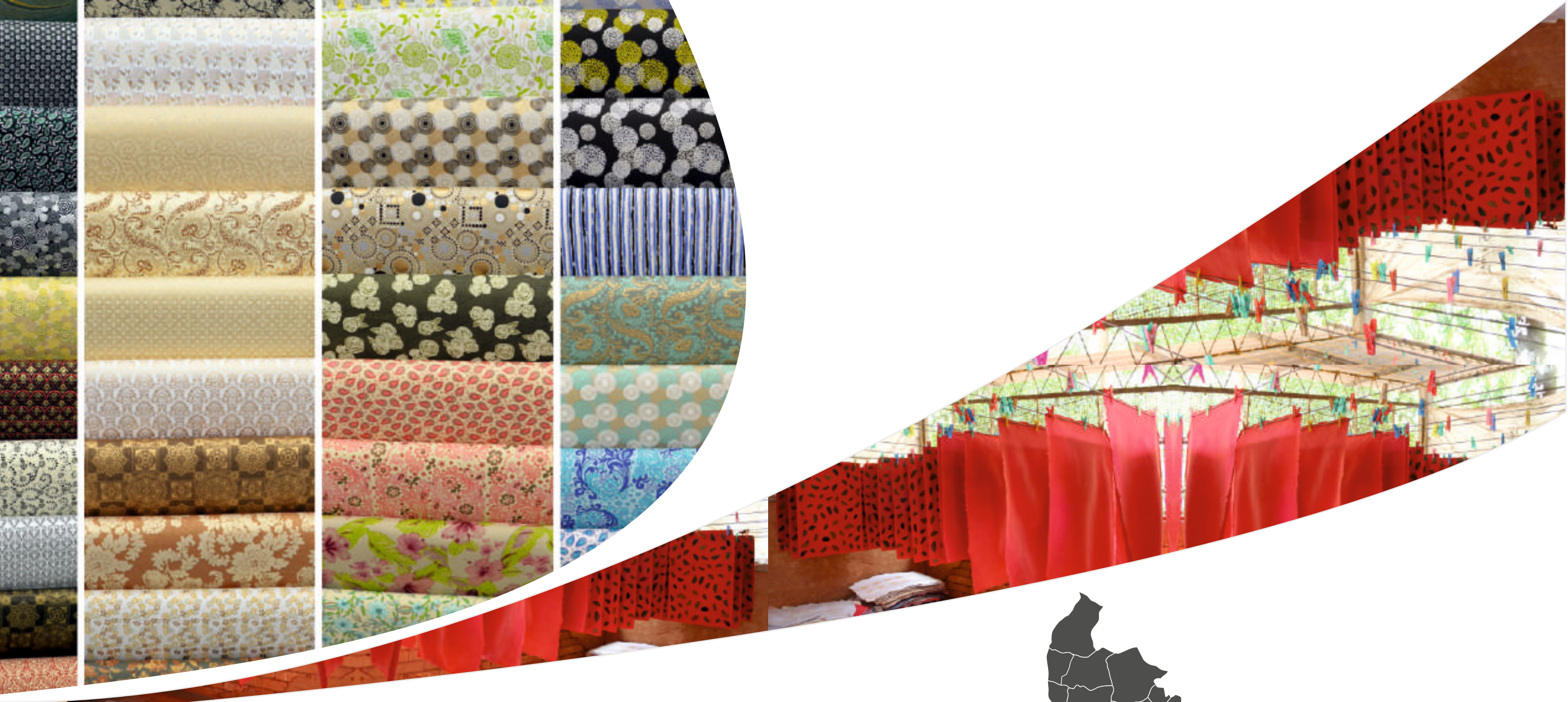

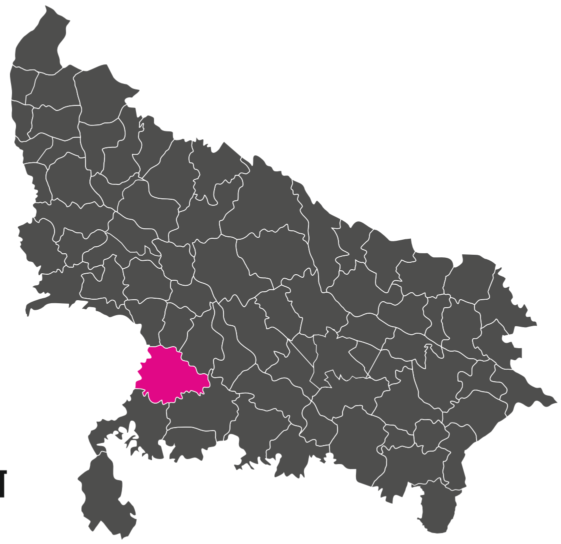

# जालौन

## हस्त निर्मित कागज

जनपद जालौन में जमुना नदी के किनारे स्थित कालपीनगर में लगभग 25 वर्षों से कपड़े की कतरन एवं रद्दी कागज से हैण्ड मेड पेपर बनाने का कार्य होता है, जिसका उपयोग ऑफिस फाइल, कैरीबैग, सोख्ता पेपर, विभिन्न प्रकार के विजिटिंग कार्ड आदि बनाने में किया जात है। आधुनिक तकनीकों का उपयोग करते हुए उत्पाद की गुणवत्ता बढ़ाई जा सकती है।

ONE DISTRICT ONE PRODUCT
UTTAR PRADESH
नई उड़ान, नई पहचान

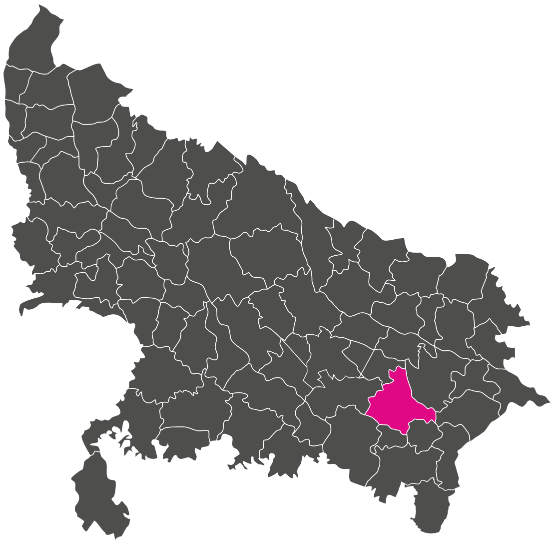

# जौनपुर

## ऊनी दरी

जनपद जौनपुर में मडियाहूं तलसील क्षेत्र में ऊनी दरी का कार्य पारंपरिक ढंग से सदियों से होता रहा है। वर्तमान में यहां के शिल्पियों द्वारा तैयार किये गये उत्पादों का निर्यात भी किया जा रहा है। वर्तमान में सैकड़ों परिवारों को इस उद्योग से रोजगार मिला हुआ है। विभिन्न इकाईयों द्वारा दरी का उत्पाद तथा निर्यात किया जाता है।

ONE DISTRICT ONE PRODUCT
UTTAR PRADESH
नई उड़ान, नई पहचान

# झांसी

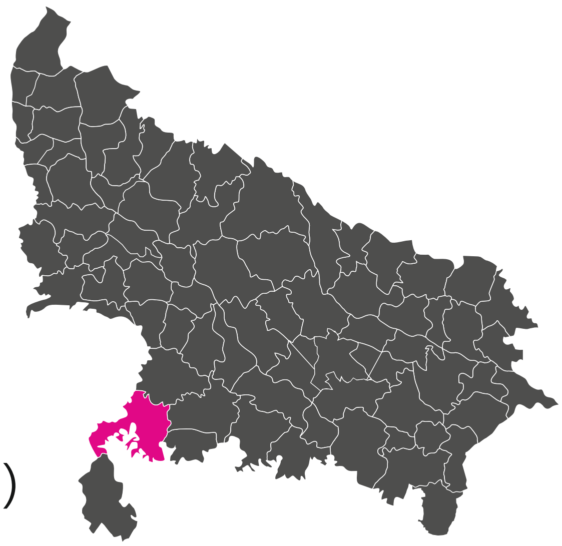

## कोमल खिलौने (सॉफ्ट ट्वॉयज)

वर्तमान में झांसी जनपद में सॉफ्ट ट्वायज की इकाइयाँ स्थापित है, जिसमें सैकड़ों लोगों को रोजगार मिला है। इसमें पॉली क्लॉथ, नाइलैक्स क्लॉथ, फाइबर (रूई) आदि का कच्चे माल के रूप में प्रयोग किया जाता है। दिल्ली जैसे बड़े शहरों में प्रमुख रूप से इसकी आपूर्ति की जाती है।

ONE DISTRICT ONE PRODUCT
UTTAR PRADESH
नई उड़ान, नई पहचान

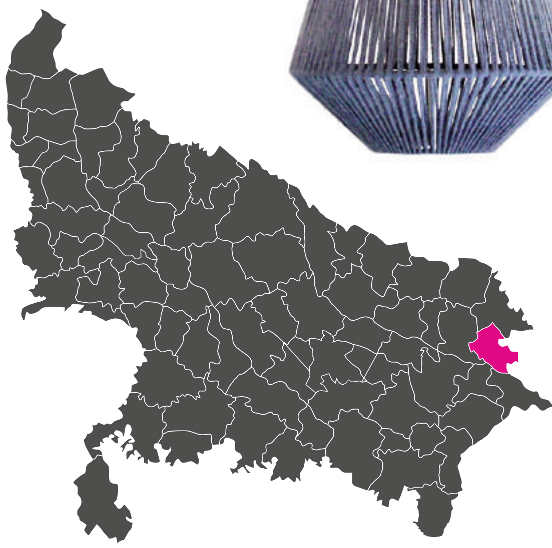

# देवरिया

## सजावटी उत्पाद

जनपद में घरों की सजावट एवं उपयोगी सामग्री हेतु जैसे–झूमर, झालर, पर्दा, कास्मेटिक चादरों की कढ़ाई एवं बुनाई उत्पाद का कार्य किया जाता है। इनके उत्पाद स्थानीय बाजार के साथ–साथ जनपद से समीपवर्ती अन्य जनपदों तथा बिहार व अन्य प्रदेशों में बिक्री हेतु भेजे जाते हैं।

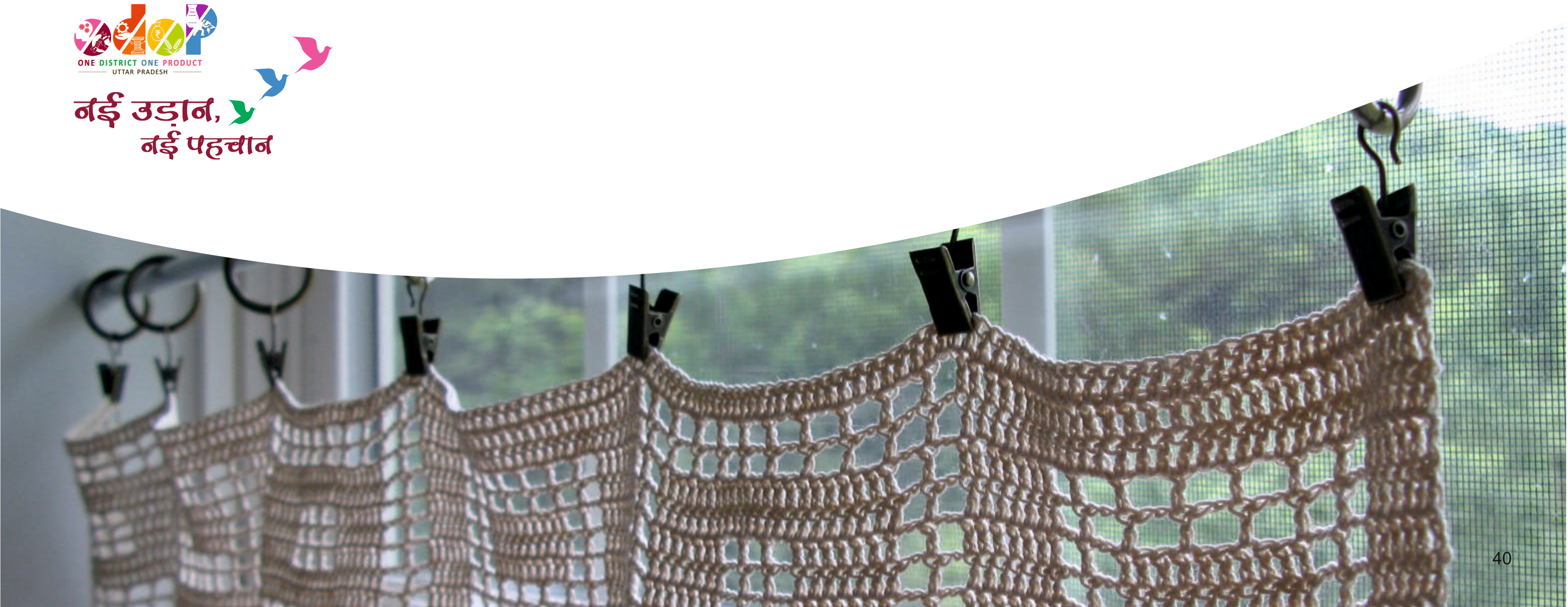

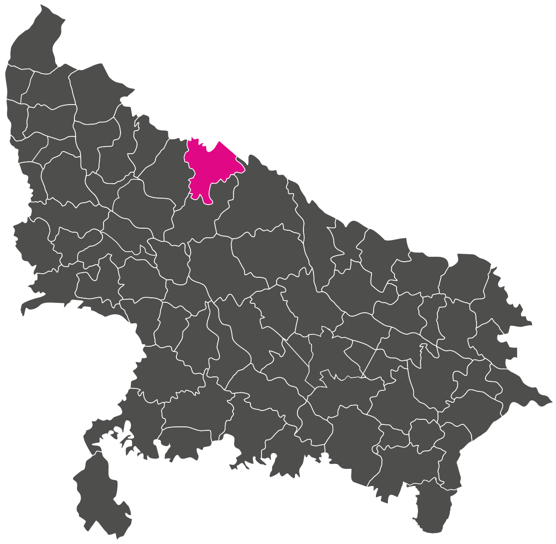

# पीलीभीत

## बांसुरी

जनपद पीलीभीत की बांसुरी देश ही नहीं विदेशों में भी प्रसिद्ध है। कच्चा माल असम से पीलीभीत आता है और बांसुरी बनाने के लिए उपयोग में लिया जाता है। पीलीभीत बांसुरी उत्पादन हेतु देश का अकेला जनपद है।

ONE DISTRICT ONE PRODUCT
UTTAR PRADESH

नई उड़ान,
नई पहचान

# प्रतापगढ़

## खाद्य प्रसंस्करण (आँवला)

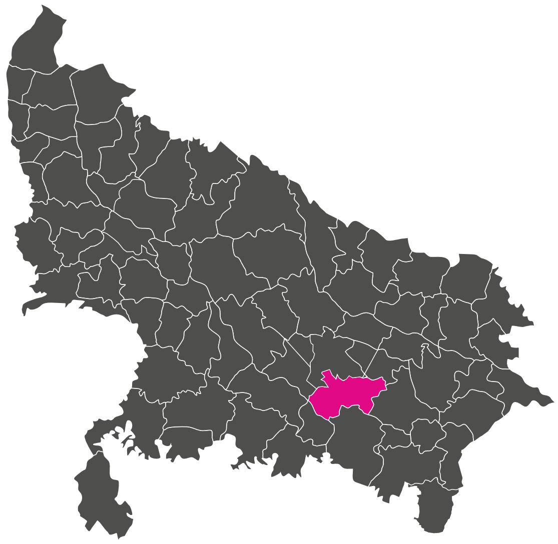

प्रतापगढ़ जनपद आँवला उत्पादन के लिए प्रसिद्ध है। इस जनपद में आँवला के अतिरिक्त अमरूद और आम का उत्पाद भी प्रचुर मात्रा में होता है। इस जनपद में फूड प्रोसेसिंग इकाइयों द्वारा विभिन्न किस्म के उत्पाद यथा– मुरब्बा, अचार, जेम, जेली, लड्डू, बर्फी, कैण्डी, जूस, पाउडर, सुपारी, च्यवनप्राश, आँवला चूर्ण इत्यादि उत्पाद तैयार किये जाते हैं।

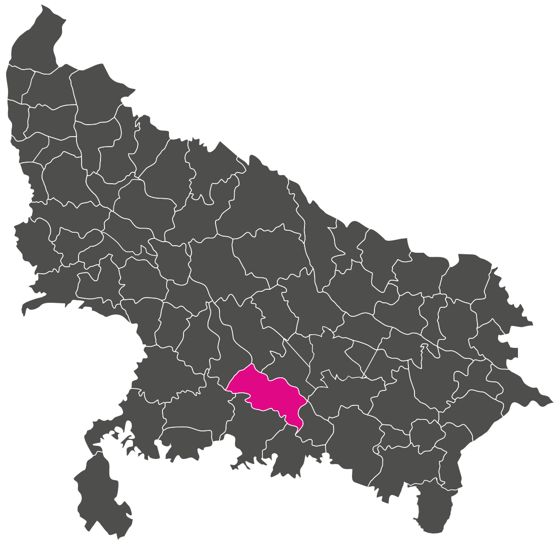

# फतेहपुर

## बेड शीट

जनपद में टेक्सटाइल उद्योग से सम्बन्धित कई इकाइयाँ कार्यरत हैं, जिनमें धागों से निर्मित तौलिया, जींस के कपड़े के अतिरिक्त चादर का निर्माण मुख्य रूप से किया जाता है। यहाँ के उत्पादों की भारतीय एवं अन्तर्राष्टीय बाजार में एक विशेष पहचान है। यहाँ के डिजाइनर कपड़ों/चादरों की माँग अधिक होने के कारण इसके विस्तार की व्यापक सम्भावनायें हैं।

ONE DISTRICT ONE PRODUCT
UTTAR PRADESH

नई उड़ान,
नई पहचान

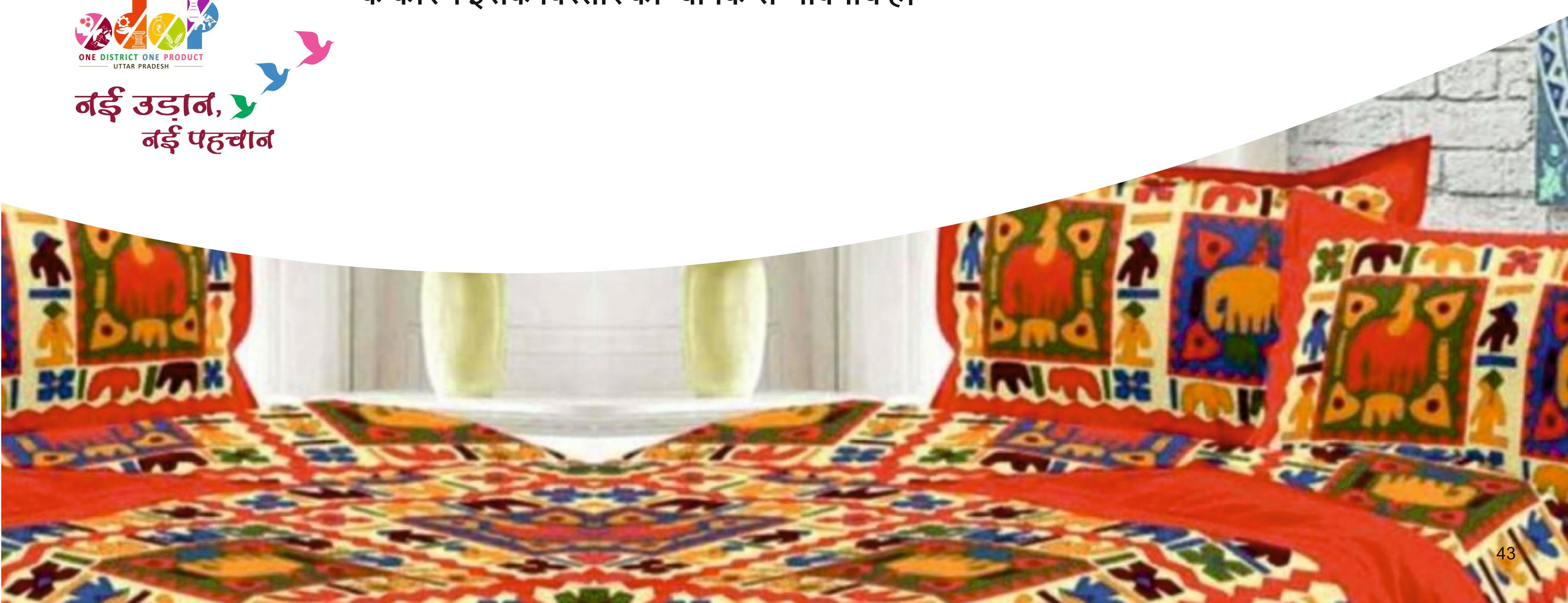

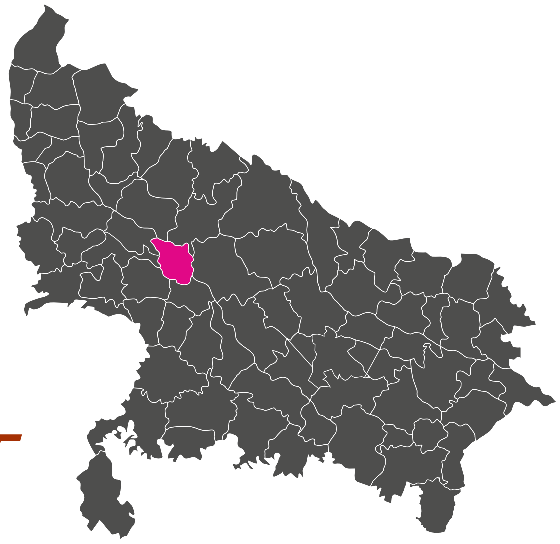

# फ़र्रुख़ाबाद

## ब्लाक प्रिन्टिंग

जनपद फ़र्रुख़ाबाद में प्रिन्टिंग के ब्लाक बनाकर रजाई के  कवरों, साड़ी, सूट, दुपट्‌टा, स्टोल एवं शॉल पर लकड़ी व पीतल के प्रिन्टिंग ब्लाकों द्वारा ब्लाक प्रिन्टिंग की जाती है। यहाँ के ब्लाक प्रिन्टिंग से बने सामानों की मांग पूरे भारत वर्ष के साथ–साथ अमेरिका, ब्राजील, एशिया तथा यूरोपीय देशों में भी होती है।

ONE DISTRICT ONE PRODUCT
UTTAR PRADESH
नई उड़ान,
नई पहचान

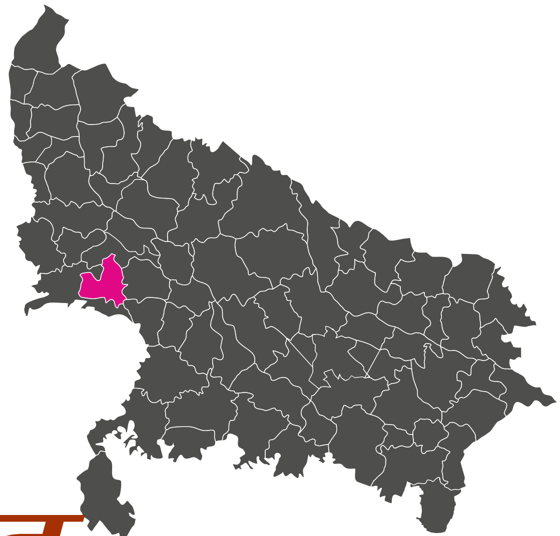

# फिरोज़ाबाद

## काँच–उत्पाद (वुड क्राफ्ट)

जनपद फिरोज़ाबाद में बहुतायत में कांच की वस्तुओं का निर्माण जनपद के हस्तशिल्पियों द्वारा किया जाता है। यहाँ माउथ ब्लोइंग प्रक्रिया द्वारा काँच के उत्पाद मुख्यतया हैण्डीक्राफ्ट, लालटेन, क्रिसमस ट्री, किचन वेयर तथा डेकोरेटिव उत्पाद इत्यादि तैयार किये जाते हैं। माउथ ब्लोइंग प्रक्रिया इस जनपद के कारीगरों का परम्परागत तरीका है। जनपद में लगभग 20,000 हस्तशिल्पियों द्वारा ग्लास से निर्मित वस्तुओं का निर्माण किया जाता है।

ONE DISTRICT ONE PRODUCT
UTTAR PRADESH

नई उड़ान, नई पहचान

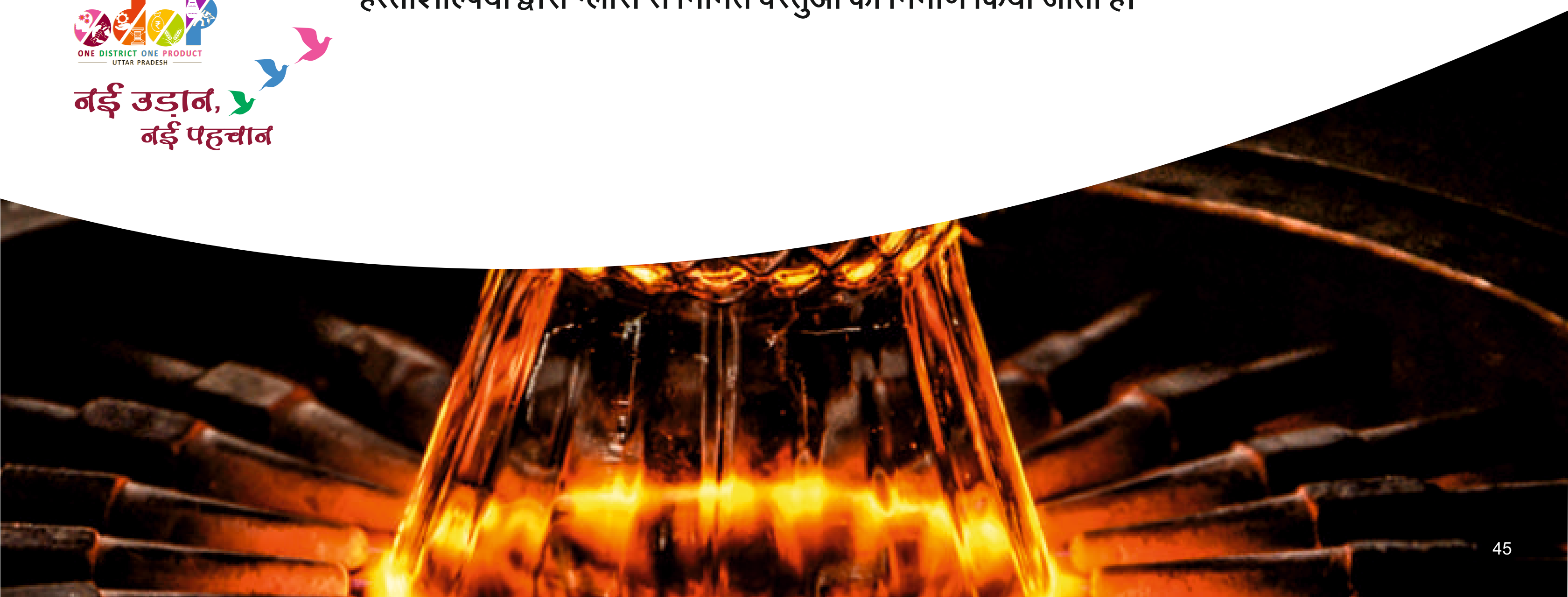

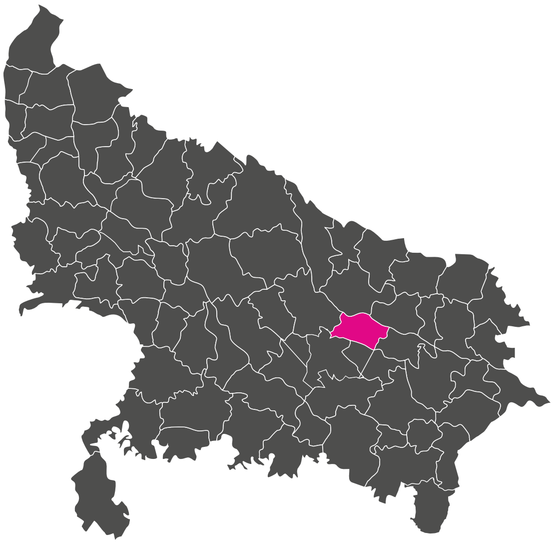

# फ़ैज़ाबाद

## गुड़

जनपद में गुड़ निर्माण कार्य परम्परागत रूप से पीढ़ियों से चला आ रहा है। जनपद की कुल कृषि योग्य भूमि के 20 प्रतिशत भाग पर गन्ने की खेती की जाती है। प्रमुख उत्पाद में गुड़ व गुड़ से निर्मित अन्य उत्पाद जैसे– शक्कर, गुड़ व तिल का गजक, लड्डू, चिक्की, गुड़ काजू का लड्डू आदि प्रमुख हैं। जनपद में कच्चा माल (गन्ना) पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध है।

नई उड़ान, नई पहचान

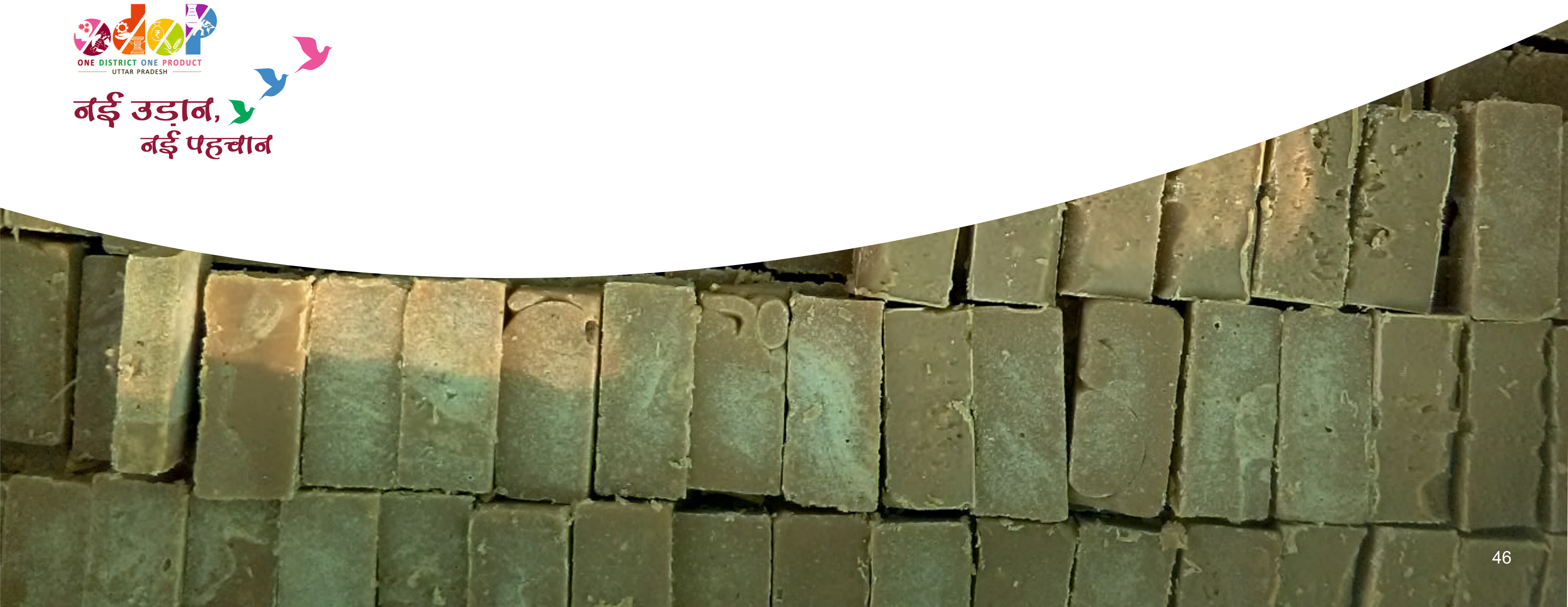

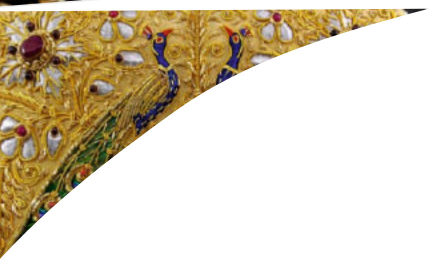

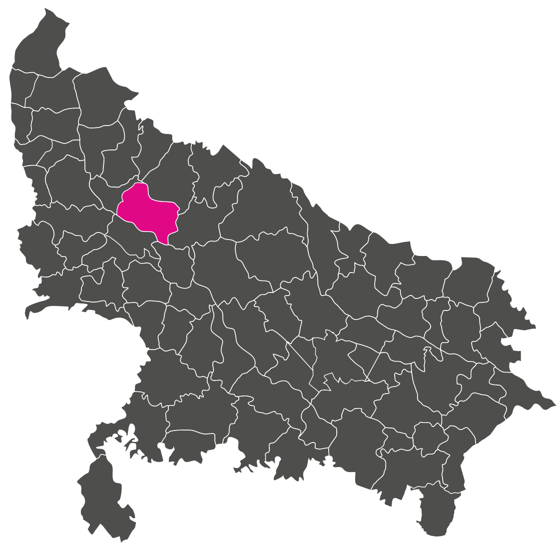

# बदायूँ

## ज़री–ज़रदोजी

बदायूँ अपने ज़री एवं ज़रदोज़ी उत्पादों के लिये विख्यात है। लगभग 35 प्रतिशत परिवार ज़री ज़रदोज़ी उद्योग में लगे हुये हैं। ज़री ज़रदोज़ी उद्योग कुटीर उद्योग है। रेशम, करदाना मोती, कोरा कसब, मछली तार, नक्काशी, नग, मोती, टीकी, ट्यूब, चांदला, जरकन नूरी, दबका डोरी के गुल्ले एवं गोल्डन चैन इत्यादि द्वारा यह कार्य किया जाता है। स्थानीय तौर पर इस कार्य को कारचोबी के नाम से भी जाना जाता है।

ONE DISTRICT ONE PRODUCT
UTTAR PRADESH
नई उड़ान,
नई पहचान

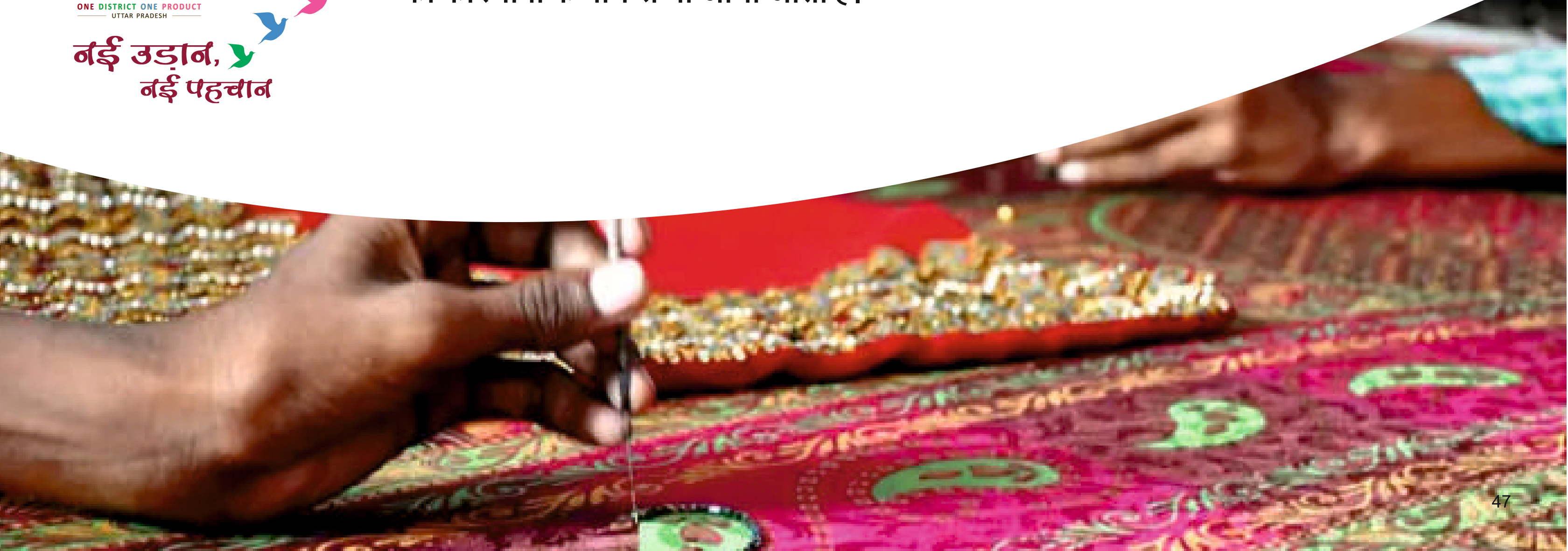

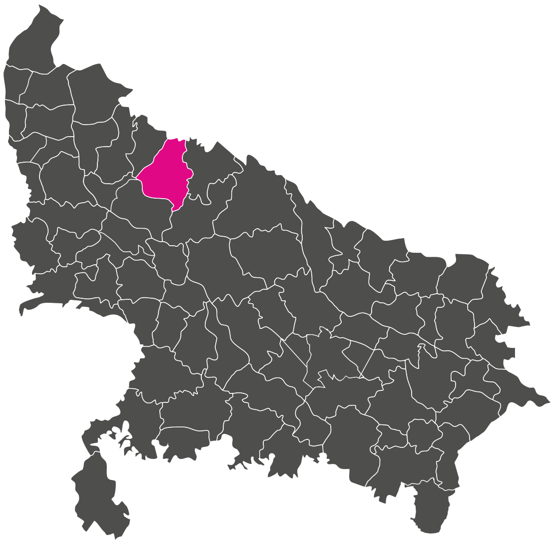

# बरेली

## ज़री–ज़रदोजी

जरी वस्त्र सोने, चाँदी तथा रेशम अथवा तीनों प्रकार के तारों के मिश्रण से बनता है। वर्तमान में जनपद में ज़री–ज़रदोज़ी के शिल्प से जुड़ी सूक्ष्म एवं लघु इकाइयाँ कार्य कर रही हैं। प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष रूप से इस कार्य से लगभग दो लाख हस्तशिल्पी जुड़ें हुए हैं। इस शिल्प के अन्तर्गत ड्रेस मटेरियल, जैकेट, सूट, साड़ी, लहंगा, देवी–देवताओं के परिधान, दुपट्टे, हैण्डबैग इत्यादि तैयार कराये जाते हैं।

ONE DISTRICT ONE PRODUCT
UTTAR PRADESH
नई उड़ान,
नई पहचान

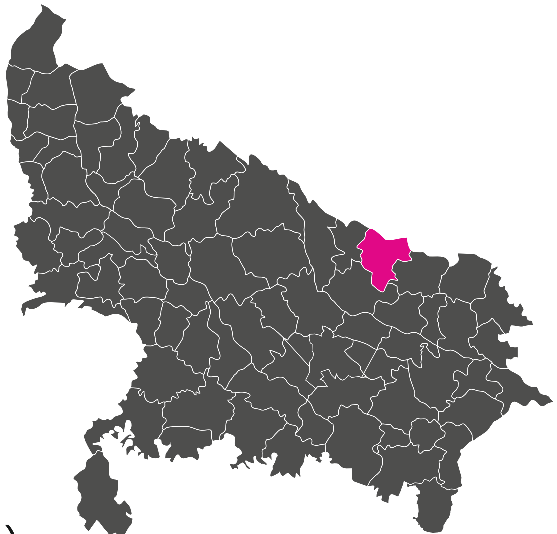

# बलरामपुर

## खाद्य प्रसंस्करण (दाल)

जनपद बलरामपुर में तराई क्षेत्र होने के कारण किसानों द्वारा नकदी फसल के रूप में छोटी मसूर दाल प्रचुर मात्रा में उगाई जाती है। यहाँ पर छोटी दाल मिलें स्थापित हैं। यहाँ की मसूर दाल की गुणवत्ता उत्तम होने के कारण इसकी बिक्री प्रदेश के साथ–साथ अन्य प्रदेशों में भी होती हैं।

ONE DISTRICT ONE PRODUCT
UTTAR PRADESH
नई उड़ान, नई पहचान

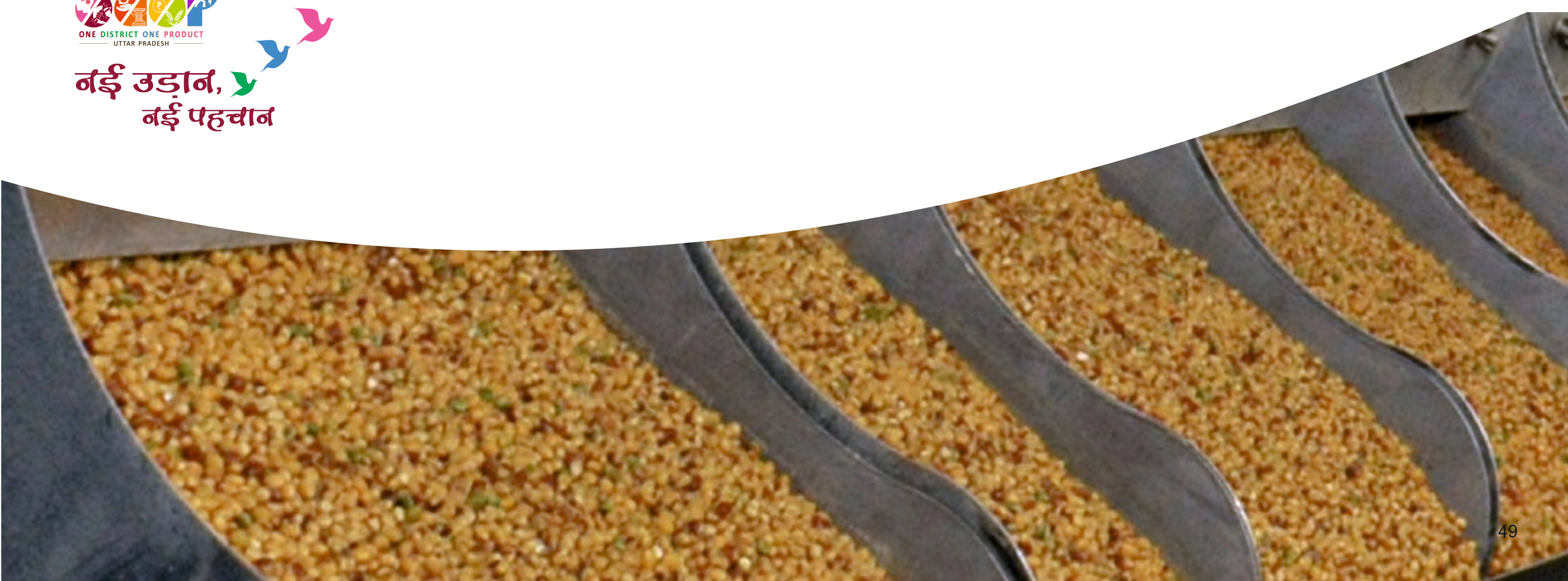

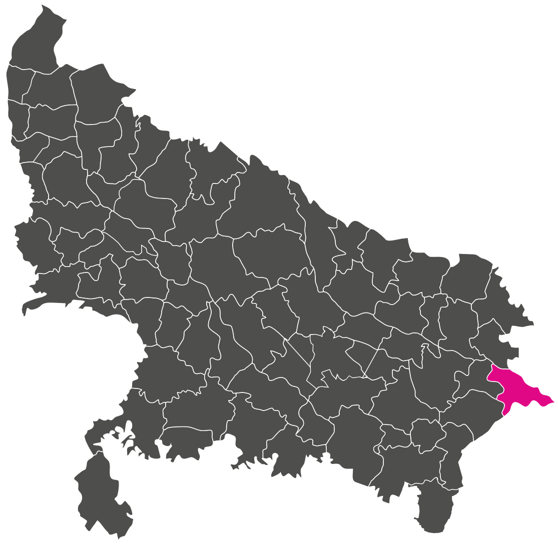

# बलिया

## बिन्दी

जनपद बलिया में विकास खण्ड मनियर में बिन्दी (टिकुली) उद्योग संचालित है। जिला बलिया में अनेक बिन्दी कुटीर उद्योग विगत कई वर्षो से संचालित हैं। इनका व्यापार मुम्बई, कोलकाता, दिल्ली, गोरखपुर, कानपुर, वाराणसी इत्यादि महानगरों सहित स्थानीय स्तर पर किया जाता है।

ONE DISTRICT ONE PRODUCT
UTTAR PRADESH

नई उड़ान,
नई पहचान

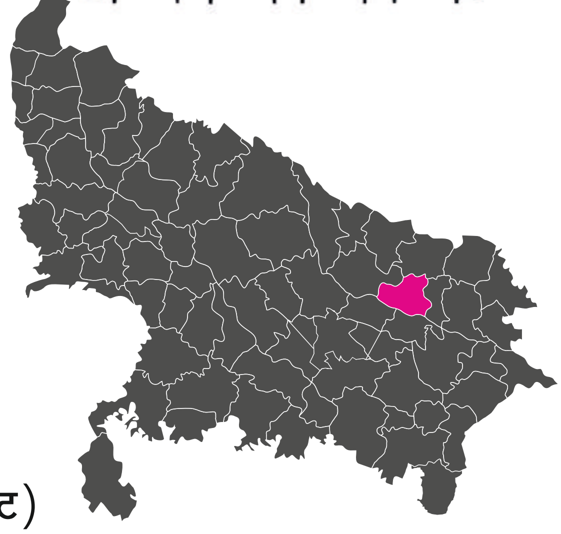

# बस्ती

## काष्ठ शिल्प (वुड क्राफ्ट)

जनपद बस्ती में काष्ठ शिल्प (वुड क्राफ्ट) का कार्य बहुतायत में होता है, जिसमें सोफा सेट, बेड, श्रृंगारदानी और इमारतों में प्रयोग होने वाले हर तरह के सामानों का निर्माण होता है। वुड क्राफ्ट के लिये कच्चे माल की उपलब्धता स्थानीय स्तर पर ही हो जाती है।

ONE DISTRICT ONE PRODUCT
UTTAR PRADESH
नई उड़ान, नई पहचान

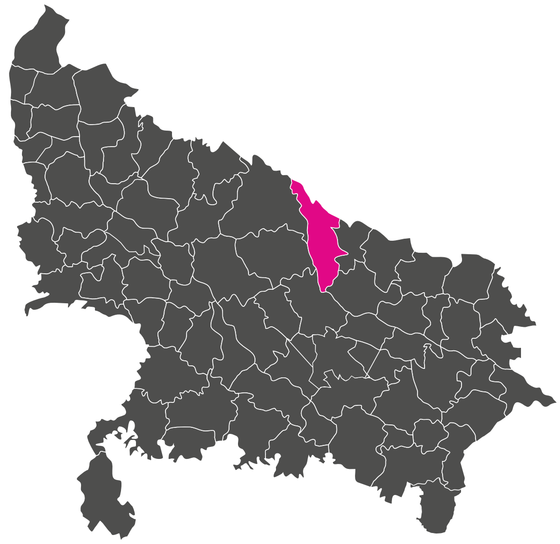

# बहराइच

## गेहूँ के डंठल की कला–कृतियाँ

जनपद बहराइच में हस्तशिल्प निर्माण कला–क्षेत्र में गेहूँ के डण्ठल से बनी कलाकृतियाँ एक पहचान बना चुकी हैं। इस कला कृति की विशेषता यह है कि गेहूँ के डण्ठल से कपड़े के फ्रेम पर चित्र आकृतियाँ तैयार की जाती हैं। यह कला कृतियां ज्यों–ज्यों पुरानी होती जाती हैं, उनमें सुनहरे रंग की चमक बढ़ती जाती है। अभी तक जनपद के तीन हस्तशिल्पी इस शिल्प में राज्य पुरस्कार से सम्मानित हो चुके हैं।

ONE DISTRICT ONE PRODUCT
UTTAR PRADESH
नई उड़ान, नई पहचान

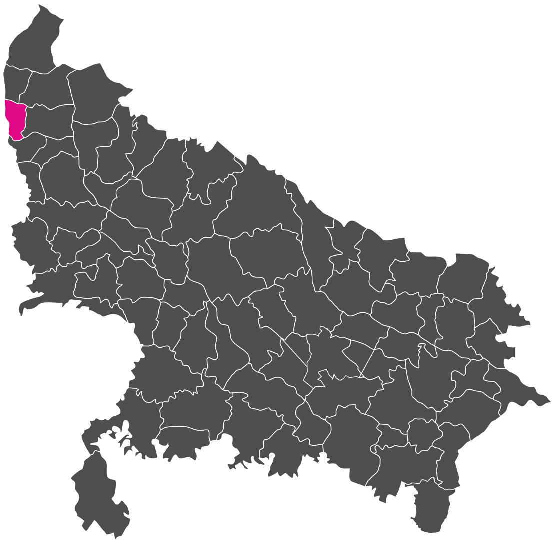

# बागपत

## घरेलू सजावटी समान

जनपद बागपत के खेकड़ा क्षेत्र में विगत अनेक वर्षों से हैण्डलूम व्यापार स्थापित है। हैण्डलूम की इकाईयाँ वर्तमान में पावरलूम में परिवर्तित हो चुकी हैं। यहाँ के हैण्डलूम/ पावरलूम द्वारा निर्मित पर्दे, किचन टॉवल, प्लेसमेन्ट, टेबल कवर, कुशन्स, होम फर्निशिंग उत्पाद आदि प्रसिद्ध हैं।

ONE DISTRICT ONE PRODUCT
UTTAR PRADESH
नई उड़ान,
नई पहचान

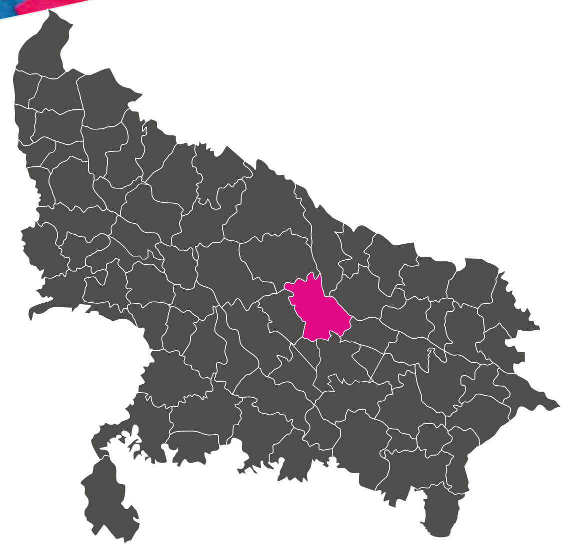

# बाराबंकी

## हथकरघा उत्पाद

जनपद बाराबंकी में हथकरघे से कपड़ा बुनाई का कार्य किया जा रहा है। कॉटन कपड़ों की मांग अधिक होने के कारण परम्परागत तकनीकी से तैयार हथकरघा उत्पादों की अत्यधिक मांग है। घरेलू उद्योग होने के कारण शहरी एवं ग्रामीण दोनों क्षेत्रों में बुनाई का कार्य किया जाता है। जनपद बाराबंकी में वर्तमान में लगभग 11,200 बुनकर हथकरघे पर कपड़ा बुनाई कार्य कर रहे हैं।

ONE DISTRICT ONE PRODUCT
UTTAR PRADESH

नई उड़ान,
नई पहचान

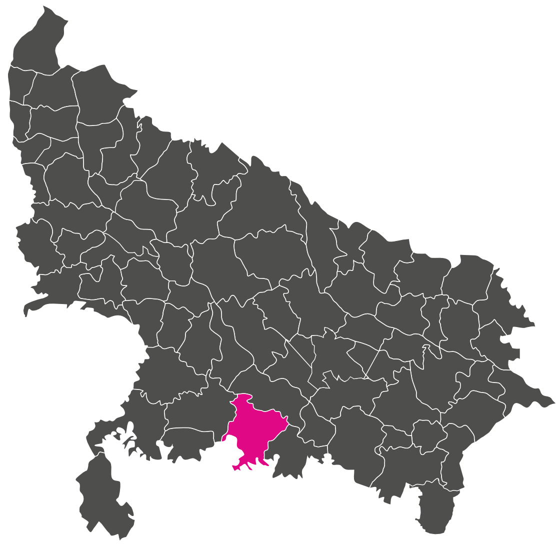

# बांदा

## शज़र पत्थर शिल्प

शज़र पत्थर बुन्देलखण्ड क्षेत्र में स्थित बांदा नगर के पश्चिम भाग में बहने वाली 'केन' नदी से प्राप्त होता है। शज़र पत्थर को खोजने से लेकर इसके तराशने का कार्य कठिन साध्य है। इस पत्थर में प्राकृतिक रूप से मिलने वाले फल पत्तियों की छवि इसे अत्यन्त आकर्षक बनाती है। इसके प्रयोग से उत्कृष्ट स्तर की कलाकृतियाँ बनाई जाती हैं।

ONE DISTRICT ONE PRODUCT
UTTAR PRADESH
नई उड़ान,
नई पहचान

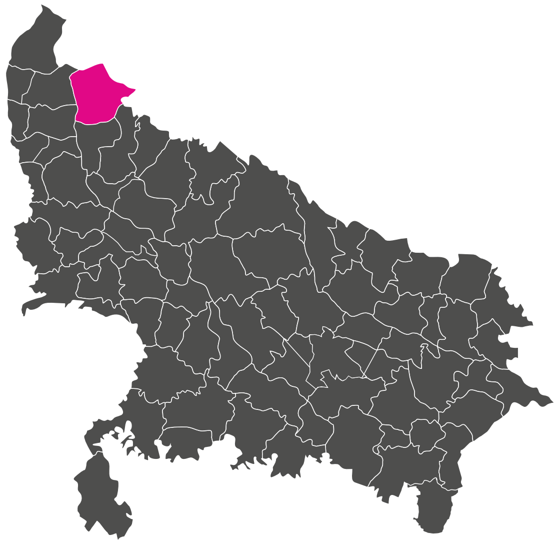

# बिजनौर

## काष्ठ शिल्प (वुड क्राफ्ट)

बिजनौर को क्राफ्ट सिटी के नाम से जाना जाता है। जनपद बिजनौर का कस्बा नगीना दुनिया में 'गहना' शब्द से मशहूर है। यह कस्बा वुड कार्विंग के लिये पूरे विश्व में वुड क्राफ्ट सिटी के नाम से मशहूर है। नगीना के हस्तशिल्पियों द्वारा आज भी पारम्परिक लकड़ी उत्पाद बनाये जाते हैं तथा उन पर नक्क़ाशी कार्य किया जाता है। पीतल की छोटी–छोटी मूर्तियाँ, फूल पत्तियाँ आदि जड़कर नक्क़ाशी की जाती है।

ONE DISTRICT ONE PRODUCT
UTTAR PRADESH
नई उड़ान,
नई पहचान

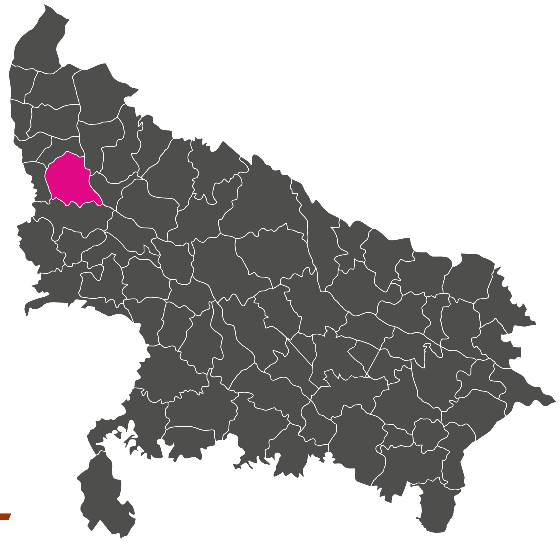

# बुलन्दशहर

## चीनी मिट्टी के बर्तन (पॉटरी)

जनपद बुलन्दशहर के खुर्जा में फ़िरोज़शाह तुगलक़ के समय से परम्परागत पॉटरी का कार्य किया जाता रहा है। सिरेमिक पॉट्स पर ब्लू आर्ट कला यहाँ की पॉटरी की विशेषता है। जनपद में पॉटरी उद्योग की लगभग 350 इकाइयाँ कार्यरत हैं, जिनमें लगभग 20,000 व्यक्ति प्रत्यक्ष तथा अप्रत्यक्ष रूप से कार्यरत हैं।

ONE DISTRICT ONE PRODUCT
UTTAR PRADESH
नई उड़ान, नई पहचान

# मऊ

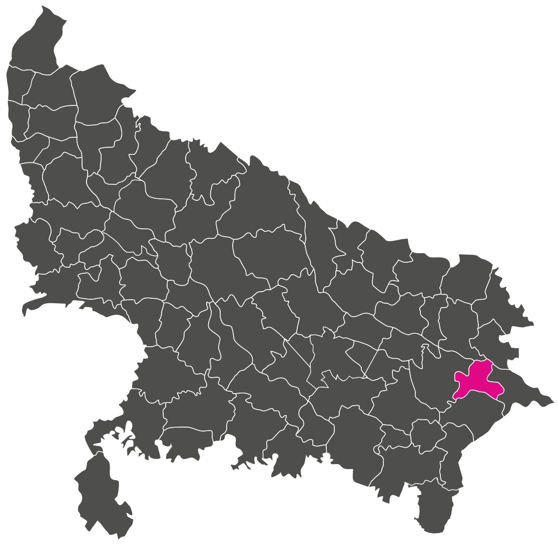

वस्त्र उत्पाद

जनपद मऊ में वर्तमान समय में घर–घर में करघे लगे हुए हैं, जिसमें साड़ी, लुंगी, सूट आदि कपड़ों का उत्पादन हो रहा है। इसके अतिरिक्त यहाँ उत्पादित साड़ियों पर स्थानीय हस्तशिल्पियों द्वारा ज़री यार्न से अत्यन्त सुन्दर कलाकृतियां उकेरी जा रही हैं, मऊ की साड़ियों की प्रदेश एवं अन्य प्रदेशों में अत्यधिक मांग है। साड़ी बुनाई के अतिरिक्त ज़री वर्क एवं कशीदाकारी का कार्य भी किया जा रहा है।

ONE DISTRICT ONE PRODUCT
UTTAR PRADESH
नई उड़ान,
नई पहचान

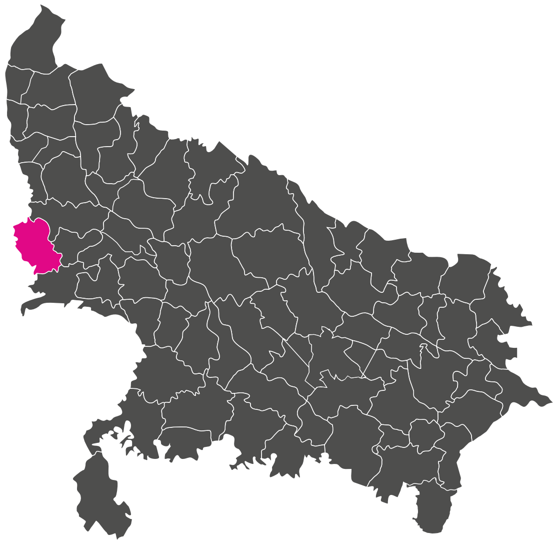

# मथुरा

स्वच्छता सम्बन्धी उपकरण (सैनिटरी–फिटिंग्स)

जनपद मथुरा में बाथरूम फिटिंग्स यथा– टैप्स एण्ड कॉक्स का उत्पादन किया जा रहा है। ये उद्योग कोर मेकिंग विधि तथा सैण्ड डाई कास्टिंग विधि के द्वारा अत्यंत सुन्दर बाथरूम फिटिंग्स का निर्माण करते हैं।

ONE DISTRICT ONE PRODUCT
UTTAR PRADESH

नई उड़ान, नई पहचान

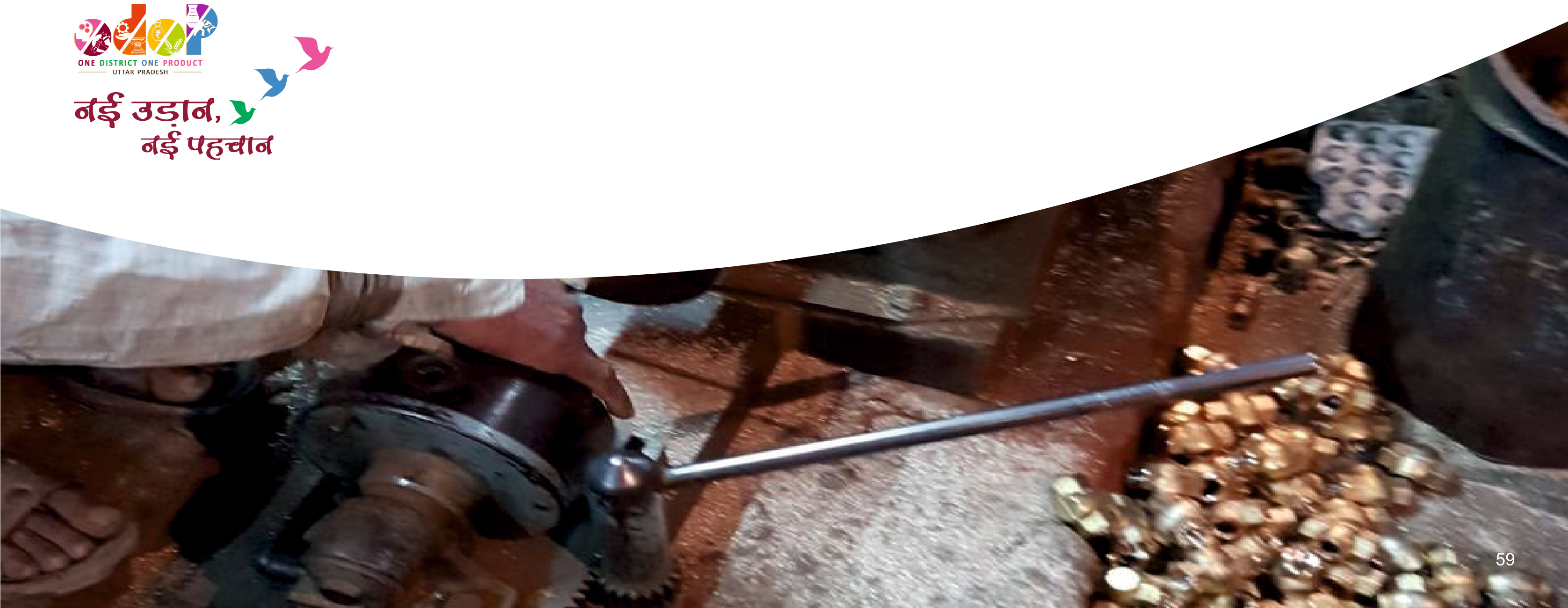

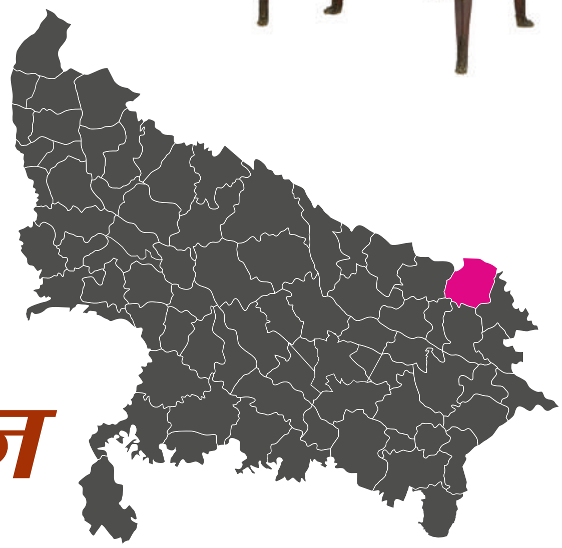

# महाराजगंज

## फर्नीचर

जनपद महाराजगंज में काफी बड़े भू–भाग पर वन क्षेत्र हैं, वन क्षेत्र होने के कारण कच्चे माल के रूप में उपयोग में लायी जाने वाली लकड़ी प्रचुरता में उपलब्ध है। इसका उपयोग कच्चे माल के रूप में कुशल कारीगरों द्वारा बेड, चेयर, डोर, डाइनिंग टेबुल, सोफा, ड्रेसिंग टेबुल इत्यादि को बनाने में किया जाता है। उत्कृष्ट कोटि के फर्नीचर को तैयार कर इन्हें स्थानीय तथा अन्य शहरों में बिक्री हेतु भेजा जाता है।

ONE DISTRICT ONE PRODUCT UTTAR PRADESH

नई उड़ान, नई पहचान

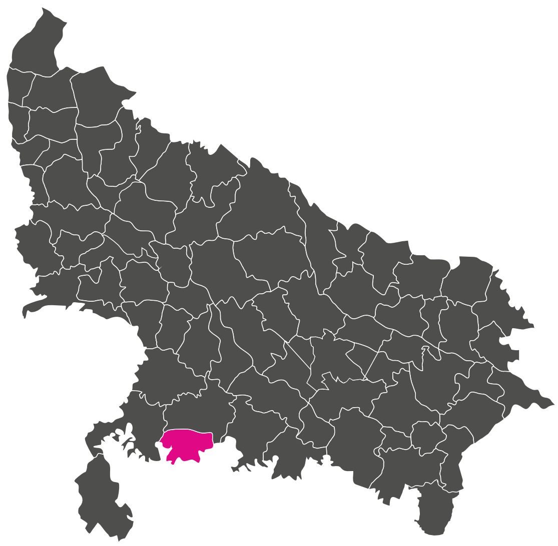

# महोबा

## गौरा पत्थर शिल्प

जनपद महोबा का गौरा पत्थर शिल्प उत्तरोत्तर विकास करते हुए एक प्रतिष्ठित स्थान प्राप्त कर चुका है। गौरा पत्थर प्रकृति से मुलायम है और इसके टुकड़े को विभाजित कर अनेक प्रकार के कलात्मक सामान तैयार किये जाते हैं। इस कार्य में विभिन्न प्रकार के कलात्मक सामान तैयार किये जाते हैं। इस कार्य में विभिन्न परिवारों के हस्तशिल्पी कार्यरत हैं।

ONE DISTRICT ONE PRODUCT
UTTAR PRADESH
नई उड़ान,
नई पहचान

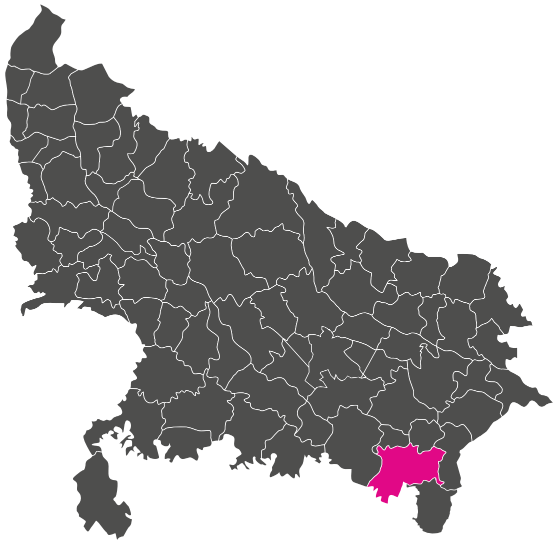

# मिर्ज़ापुर

कालीन

जनपद मिर्ज़ापुर का कालीन तथा दरी उद्योग देश ही नहीं बल्कि पूरे विश्व में अपना विशिष्ट स्थान रखता है। हाथ से बनी कालीन अपनी कलात्मकता के लिये प्रसिद्ध है। यह प्राकृतिक ऊन से बनायी जाती है, इसकी रंगाई पक्की होती है। बारीक डिजाईन केवल हाथ से बनी कालीन में ही पाया जाता है। मिर्ज़ापुर में कालीन का निर्माण परम्परागत तरीके से किया जाता है।

ONE DISTRICT ONE PRODUCT
UTTAR PRADESH

नई उड़ान, नई पहचान

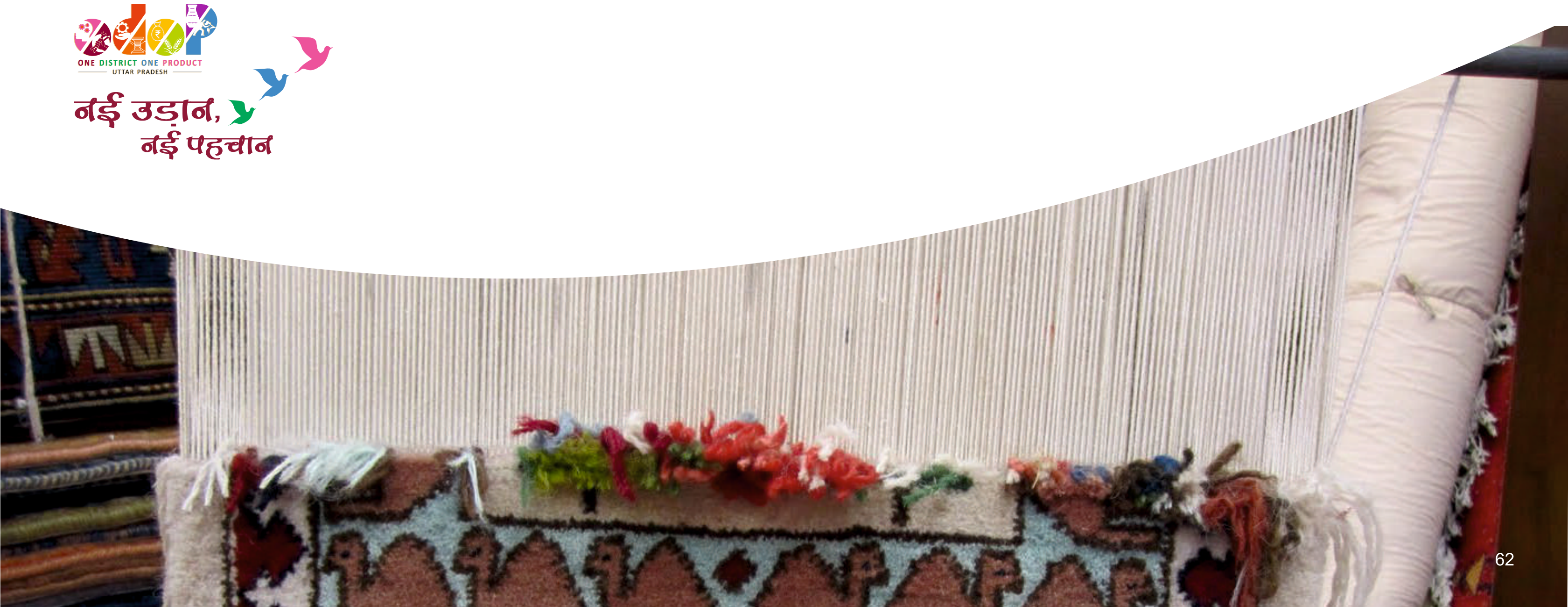

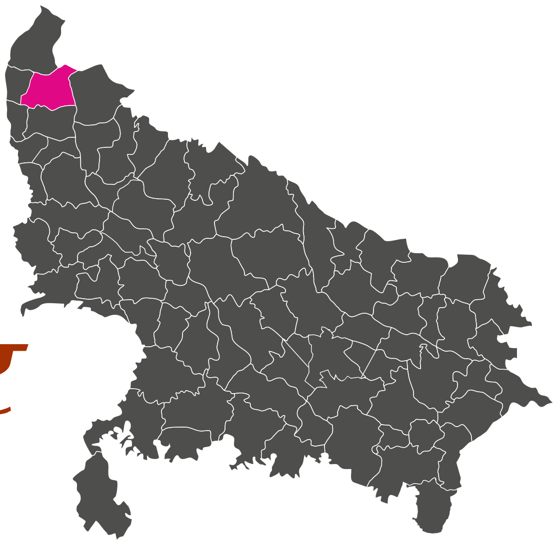

# मुज़फ्फ़रनगर

## गुड़

जनपद मुज़फ्फ़रनगर एक कृषि प्रधान जिला है। इस जनपद में गन्ने का उत्पादन अत्यधिक मात्रा में होता है। वर्षों से यहाँ परम्परागत रूप से गुड़ का उत्पादन किया जाता है। यहाँ का गुड़ गुजरात, राजस्थान, हरियाणा आदि राज्यों में भेजा जाता है।

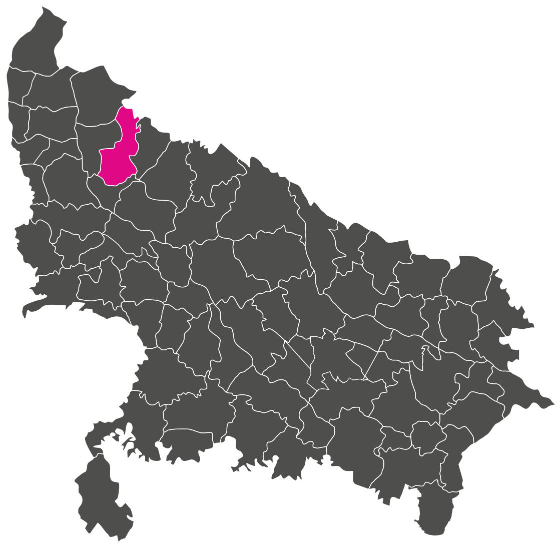

# मुरादाबाद

## धातु शिल्प उत्पाद

मुरादाबाद 'पीतल नगरी' के नाम से विख्यात है। मुरादाबाद में ब्रास उत्पादों पर मुगलकालीन भित्ति चित्रों की नक्काशी के साथ–साथ हिन्दू देवी–देवताओं का चित्रण भी कुशलता पूर्वक किया जाता है। हस्तशिल्पी 'सैंड कास्टिंग' तकनीक का प्रयोग करके धातु उत्पादों की ढलाई करते हैं। घरेलू इकाईयों के अतिरिक्त मुरादाबाद में धातु उत्पादों का उत्पादन करने वाली निर्यातोन्मुखी इकाईयाँ भी स्थापित हैं। निर्यातकों ने अन्य धातुओं से जैसे–एल्युमीनियम, स्टेनलेस स्टील, लोहा इत्यादि का प्रयोग करना प्रारम्भ किया है।

ONE DISTRICT ONE PRODUCT
UTTAR PRADESH
नई उड़ान, नई पहचान

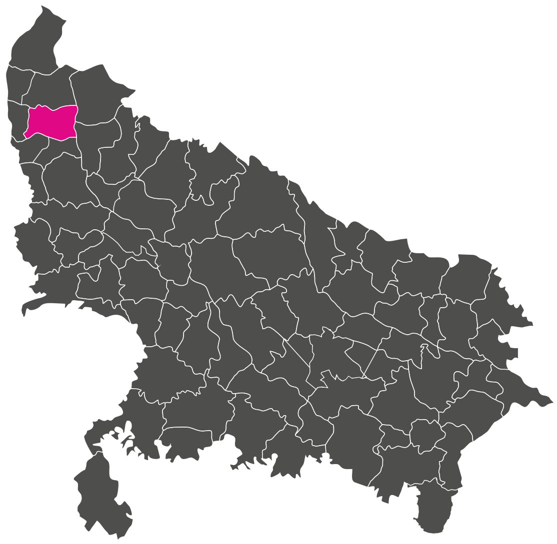

# मेरठ

## खेल का सामान

जनपद मेरठ खेल–कूद सामग्री निर्माता के तौर पर जालंधर के बाद भारत में दूसरा स्थान रखता है। जनपद द्वारा उत्पादित खेल सामग्री देश के साथ–साथ विदेशों में भी विख्यात है। खेलकूद के सामान की इकाईयों में घरेलू उद्योग से लेकर मध्यम श्रेणी तक की हैं। इस उत्पाद में अभी निर्यात की अपार सम्भावनाएं हैं। इस उद्योग से हजारों लोगों को रोजगार मिला हुआ है।

ONE DISTRICT ONE PRODUCT
UTTAR PRADESH
नई उड़ान, नई पहचान

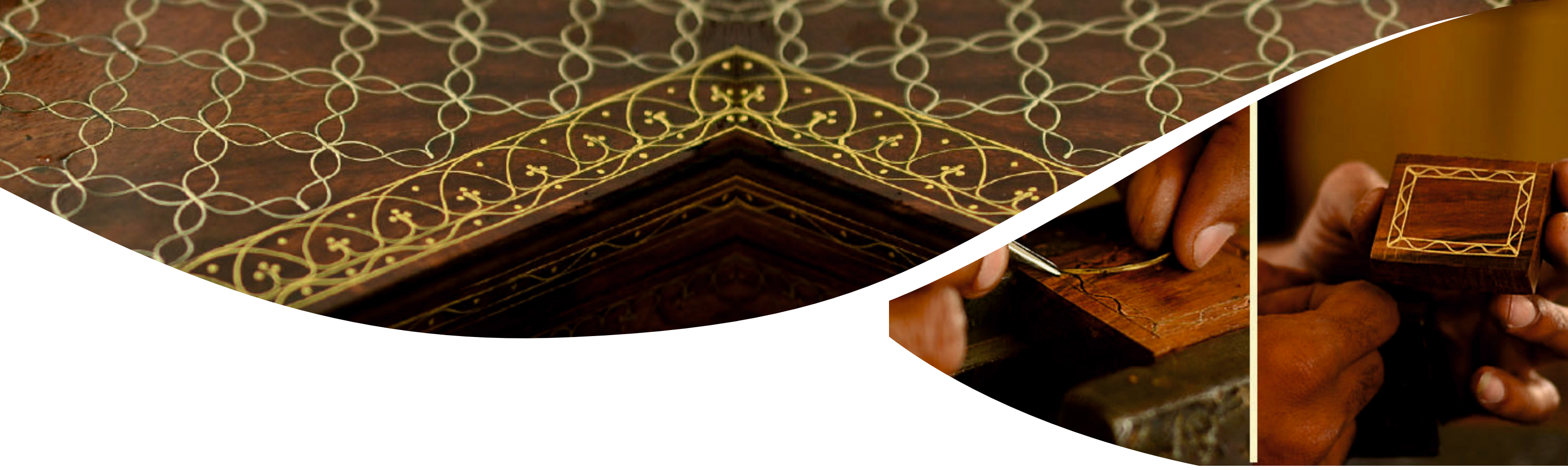

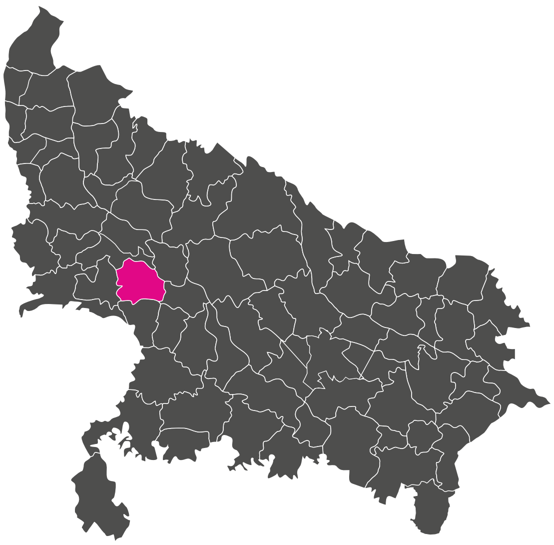

# मैनपुरी

## तारकशी कला

मैनपुरी में शीशम की लकड़ी पर पीतल के तार से विशिष्ट कलात्मक कार्य किया जाता है। जिसे 'तारकशी' के नाम से जाना जाता है। इस कला का प्रयोग ज्वैलरी बॉक्स, नाम पट्टिका तथा अन्य सजावटी सामानों पर होता है। डिजाइन व मांग को उपयुक्त बाजारों तक प्रचारित करने की आवश्यकता है।

ONE DISTRICT ONE PRODUCT
UTTAR PRADESH
नई उड़ान,
नई पहचान

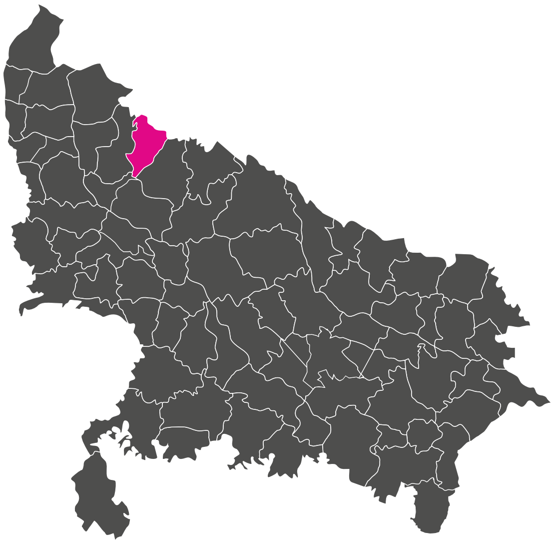

# रामपुर

## पैचवर्क

जनपद रामपुर में पैचवर्क का कार्य मुख्य हस्तशिल्प है। रामपुर में प्रमुखत: पैच वर्क, जरी वर्क का कार्य जॉब वर्क पर होता है। यहाँ के कारीगर इस कला में दक्ष हैं।

ONE DISTRICT ONE PRODUCT
UTTAR PRADESH
नई उड़ान, नई पहचान

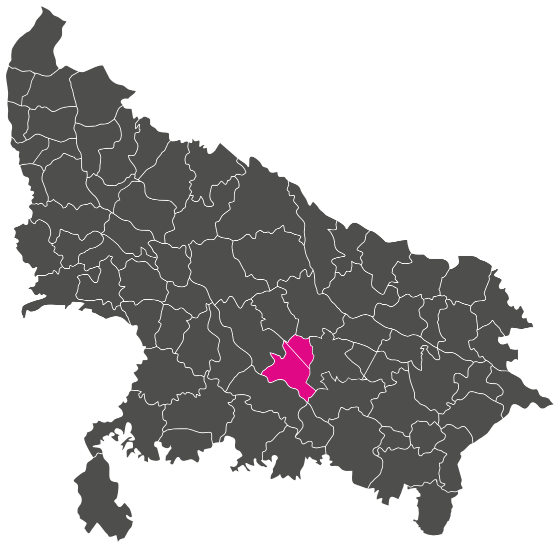

# रायबरेली

## काष्ठ शिल्प (वुड क्राफ्ट)

जनपद रायबरेली में वुड से सम्बन्धित कार्य अधिक मात्रा में किया जाता है। वुड के कार्यों में घरेलू सामान जैसे दरवाजे, चौखट, पलंग, बेड व कलात्मक कार्य जैसे वुडेन खिलौने व कलाकृतियाँ शामिल हैं। वुडेन कार्य का कच्चा माल स्थानीय स्तर पर उपलब्ध है। यहाँ के बने उत्पाद को स्थानीय बाजार के अतिरिक्त आस–पास के अन्य शहरों में भी भेजा जाता है।

ONE DISTRICT ONE PRODUCT
UTTAR PRADESH
नई उड़ान, नई पहचान

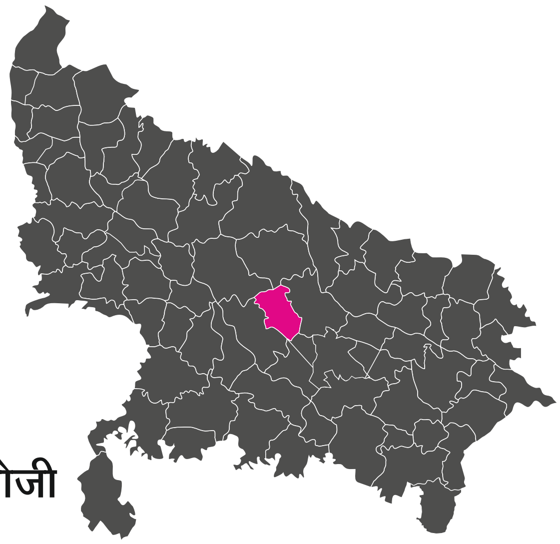

# लखनऊ

## चिकनकारी एवं ज़री–ज़रदोजी

लखनऊ अपने परम्परागत चिकनकारी एवं ज़री–ज़रदोजी शिल्प के लिये विश्व प्रसिद्ध है। चिकनकारी जहाँ सुई व विभिन्न प्रकार के धागों से कपड़ों पर की जाने वाली कढ़ाई है, वहीं ज़री–ज़रदोजी कपड़ों पर सुनहरे व रूपहले तारों, सितारों व अन्य सामग्रियों से की जाने वाली कढ़ाई है। चिकनकारी व ज़री–ज़रदोजी जी.आई. में पंजीकृत है एवं 'लखनवी इम्ब्राइडरी के रूप में अपनी पहचान बनाए हुए है, जिसमें लाखों कारीगर रोजगार से जुड़े हुए हैं।

ONE DISTRICT ONE PRODUCT
UTTAR PRADESH
नई उड़ान,
नई पहचान

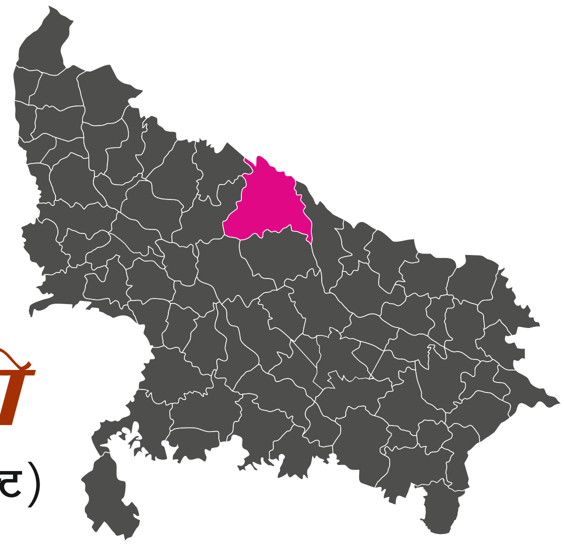

# लखीमपुर खीरी

## जनजातीय शिल्प (ट्राइबल क्राफ्ट)

जनपद लखीमपुर खीरी में थारू जनजाति द्वारा थारू क्राफ्ट का उत्पादन अपने हस्तशिल्प प्रक्रिया के अन्तर्गत अन्य सहायक औजारों के माध्यम से परम्परागत ढंग से किया जाता है। थारू जनजाति द्वारा अपने उत्पादों को अपने निकटस्थ दुधवा नेशनल पार्क, जनपद स्तरीय/राज्य स्तरीय/राष्ट्रीय प्रदर्शनियों में प्रतिभाग कर विपणन किया जाता है।

ONE DISTRICT ONE PRODUCT
UTTAR PRADESH
नई उड़ान,
नई पहचान

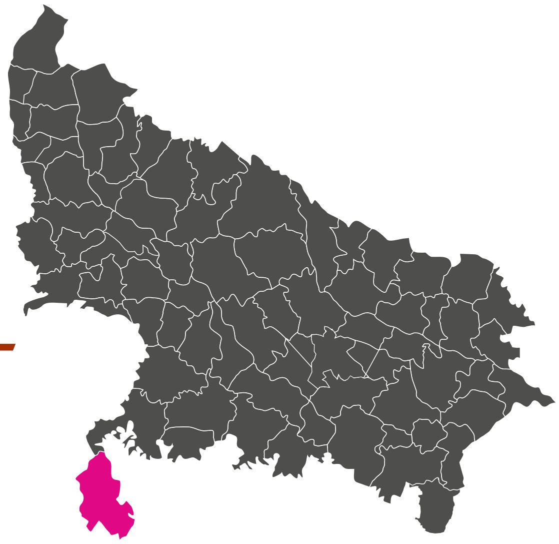

# ललितपुर

## ज़री सिल्क साड़ी

जनपद ललितपुर में ज़री सिल्क साड़ियों के लगभग 400 बुनकर हैं। यहां की साड़ियाँ विश्व प्रसिद्ध हैं, जो अपनी खूबसूरत, उकेरी गयी बूटियाँ एवं डिजाइन के लिये जानी जाती हैं। पूरे भारत के सभी बड़े महानगरों में इन साड़ियों की आपूर्ति नियमित की जाती है।

ONE DISTRICT ONE PRODUCT
UTTAR PRADESH
नई उड़ान, नई पहचान

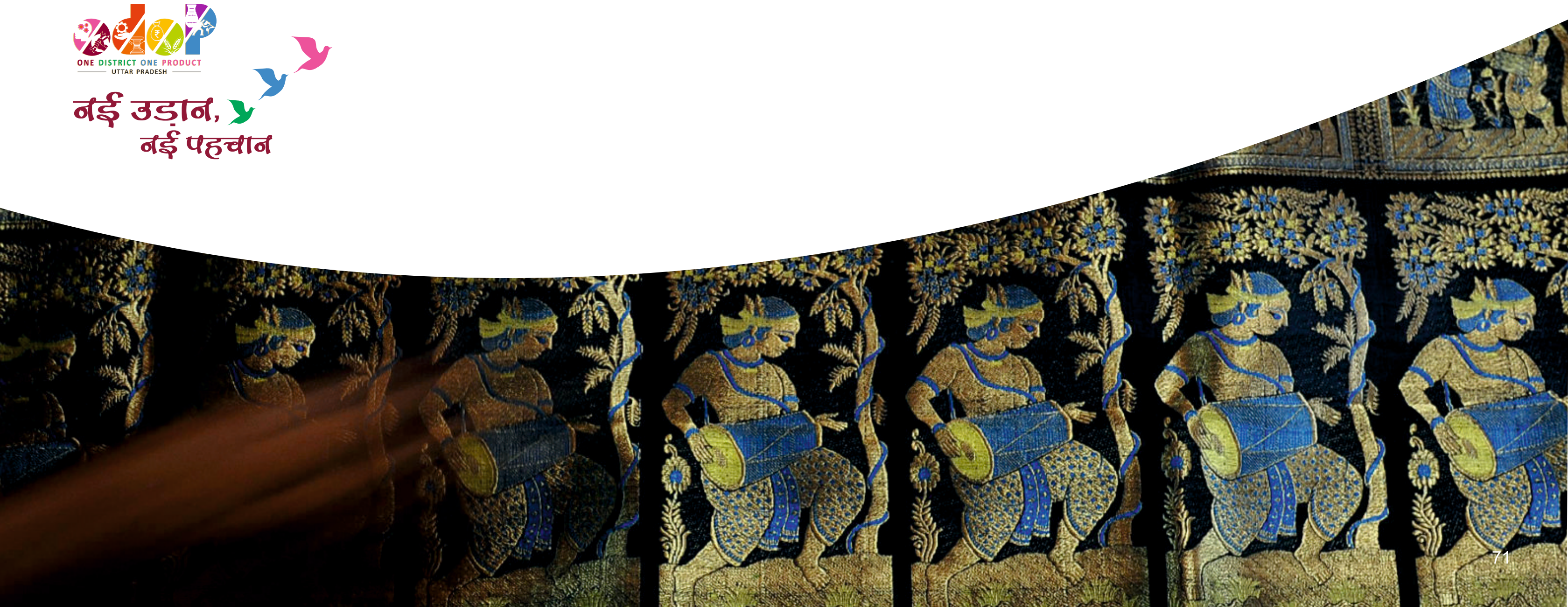

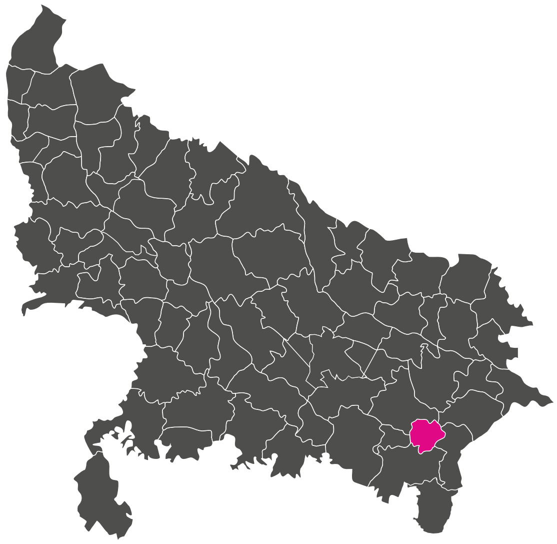

# वाराणसी

रेशम उत्पाद

वाराणसी की पवित्र नगरी के नाम पर आधारित बनारसी सिल्क साड़ी सदियों से भव्यता और कुलीनता का प्रतीक है। होम फर्निशिंग, सिल्क फेब्रिक तथा अन्य उपयोगी वस्त्रों के लिए वाराणसी का सिल्क निरंतर आकर्षक बना हुआ है।

ONE DISTRICT ONE PRODUCT
UTTAR PRADESH
नई उड़ान,
नई पहचान

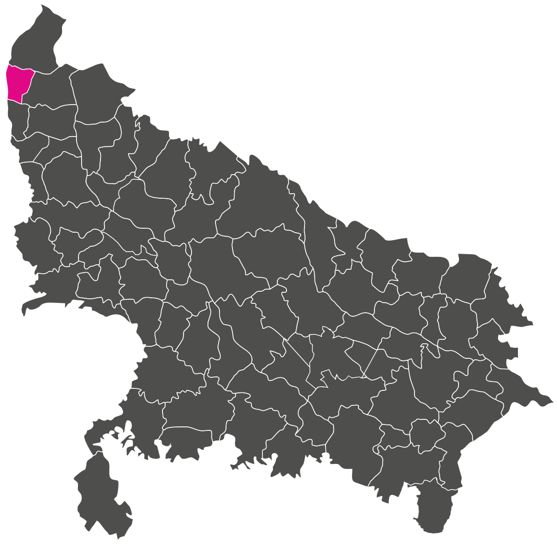

# थामली

## रिम एवं धुरा (एक्सेल)

जनपद से निर्मित रिम एवं एक्सेल की मांग देश में ही नहीं, विदेशों में भी हैं। यहाँ से निर्मित रिम एवं एक्सेल का निर्यात भी किया जाता है। रिम एवं एक्सेल बनाने के लिये इन इकाईयों में परंपरागत तकनीक का ही प्रयोग किया जाता है। आधुनिक तकनीक का प्रयोग करने से इस उत्पाद की मांग बढ़ने की सम्भावना है।

ONE DISTRICT ONE PRODUCT
UTTAR PRADESH
नई उड़ान,
नई पहचान

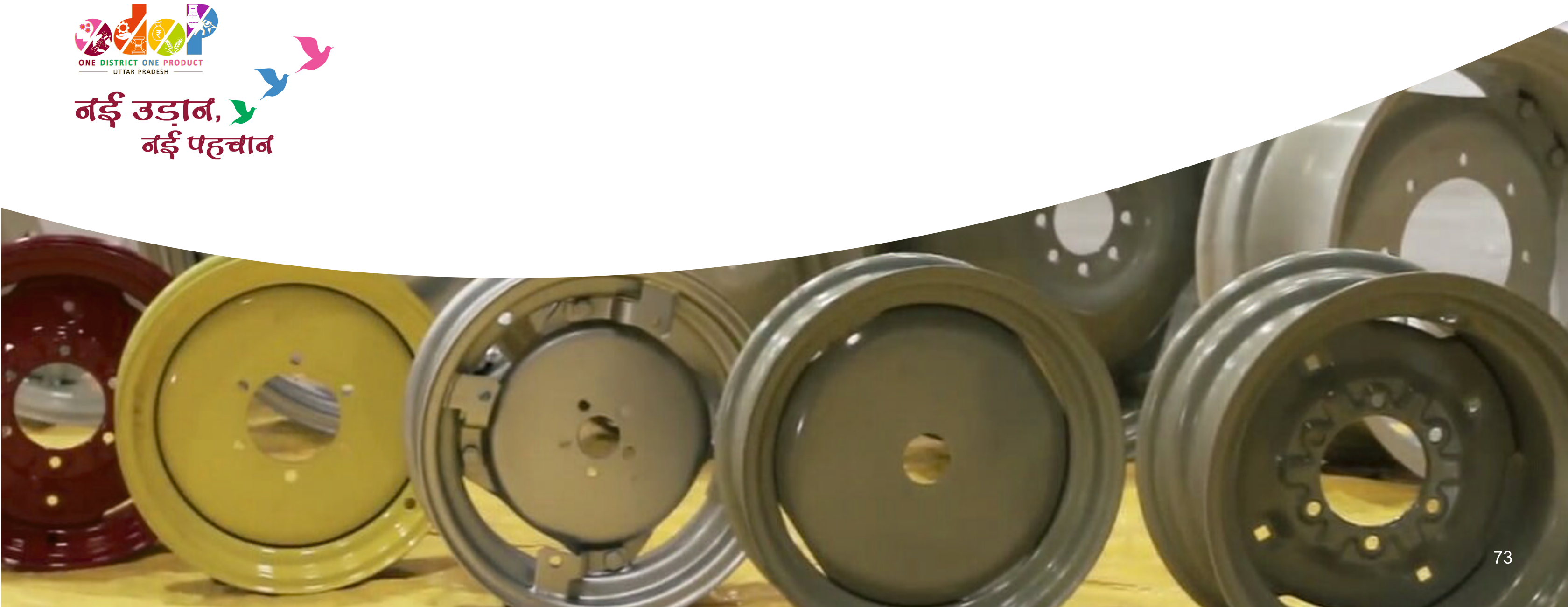

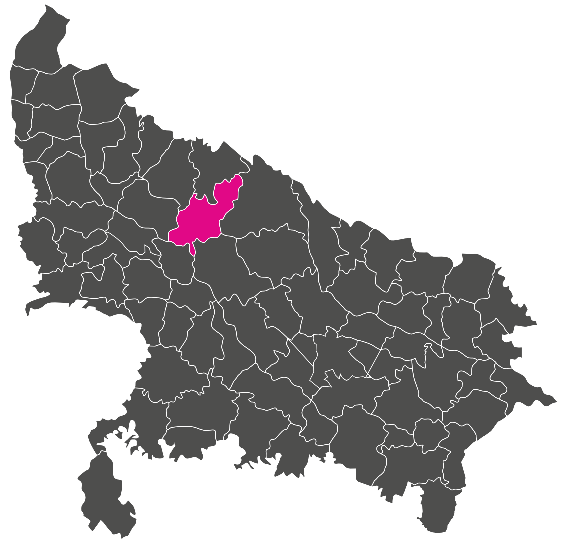

# शाहजहाँपुर

## ज़री ज़रदोज़ी

जनपद शाहजहाँपुर में ज़री ज़रदोज़ी का कार्य प्रमुखता से होता है। जनपद में ड्रेस मैटेरियल, सूट साड़ी, पर्स, बैग, हैण्ड बैग, जूते, चप्पल, टोपी, गाउन आदि पर ज़री ज़रदोज़ी का कार्य होता है।

ONE DISTRICT ONE PRODUCT
UTTAR PRADESH
नई उड़ान, नई पहचान

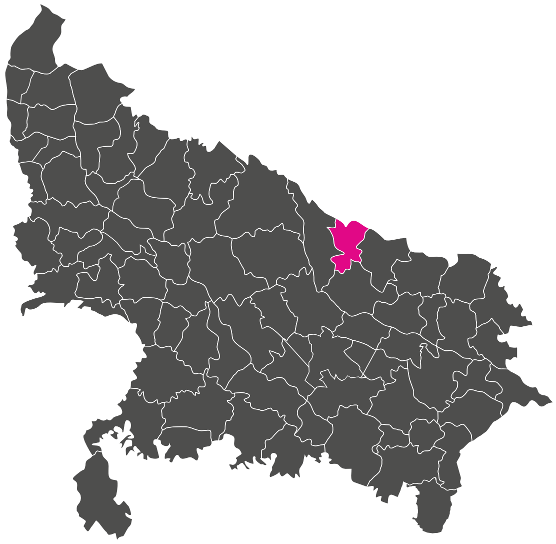

# श्रावस्ती

जनजातीय शिल्प (ट्राइबल क्राफ्ट)

जनपद में हस्तशिल्प के रूप में थारू क्राफ्ट पुराना परम्परागत हस्तशिल्प उद्योग है, जिसके अन्तर्गत कपड़े की चादर, गिलाफ, मेजपोश एवं महिलाओं के सूट के कपड़े पर पैचिंग के द्वारा कढ़ाई की जाती है, जो बेहद सुन्दर एवं आकर्षक होती है।

ONE DISTRICT ONE PRODUCT
UTTAR PRADESH
नई उड़ान, नई पहचान

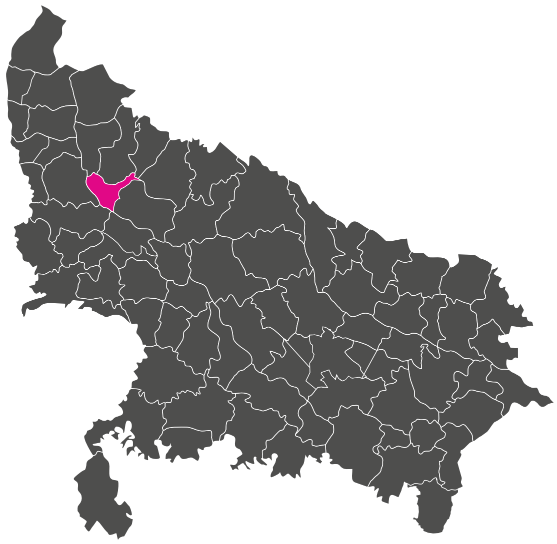

# सम्भल

## सींग एवं अस्थि–उत्पाद

सम्भल अपने हार्न–बोन हैण्डीक्राफ्ट उत्पादों के लिये प्रसिद्ध है। यह उद्योग पर्यावरण के अनुकूल है क्योंकि इसमें प्रयोग होने वाला कच्चा माल मृत पशुओं से प्राप्त होता है। यहाँ के हस्तशिल्पियों द्वारा सींग एवं हड्डी से विभिन्न कलात्मक एवं सजावटी सामान निर्मित किये जाते हैं।

ONE DISTRICT ONE PRODUCT
UTTAR PRADESH
नई उड़ान, नई पहचान

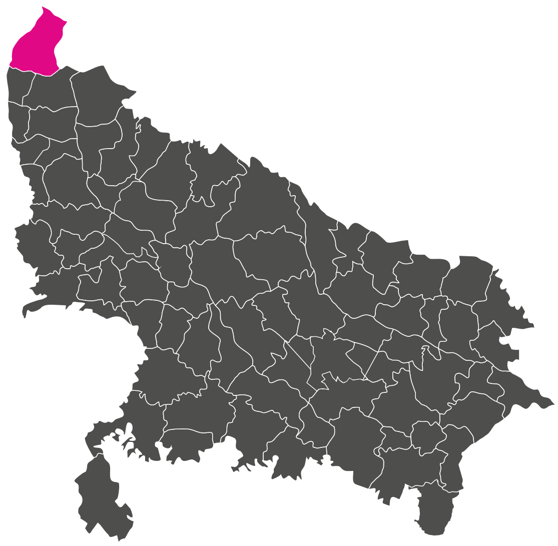

# सहारनपुर

## काष्ठ शिल्प (वुड कार्विंग)

जनपद का मुख्य हस्तशिल्प उत्पाद काष्ठ कला (वुड कार्विंग) वर्षों पुराना है। यहाँ का हस्तशिल्प अपने सुन्दर डिजाइनों एवं नक्काशी के लिए प्रसिद्ध है। शीशम और आम की लकड़ी इस उद्योग का मुख्य कच्चा माल है। जनपद सहारनपुर से लकड़ी नक्काशी के फर्नीचर एवं हैण्डीक्राफ्ट उत्पादों का निर्यात विभिन्न देशों को किया जाता है।

ONE DISTRICT ONE PRODUCT
UTTAR PRADESH
नई उड़ान,
नई पहचान

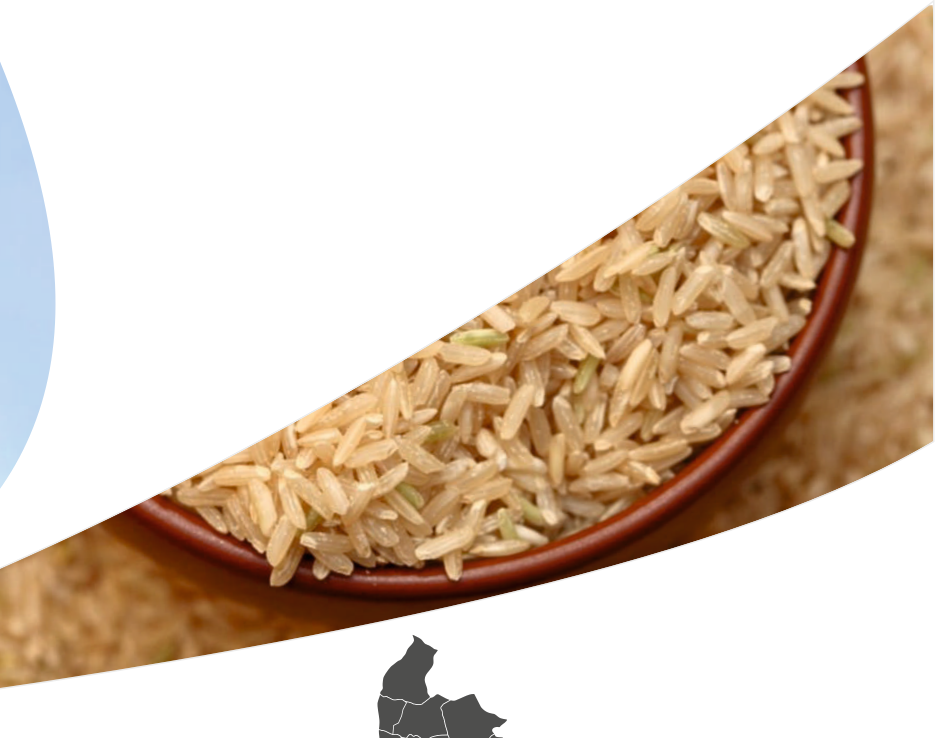

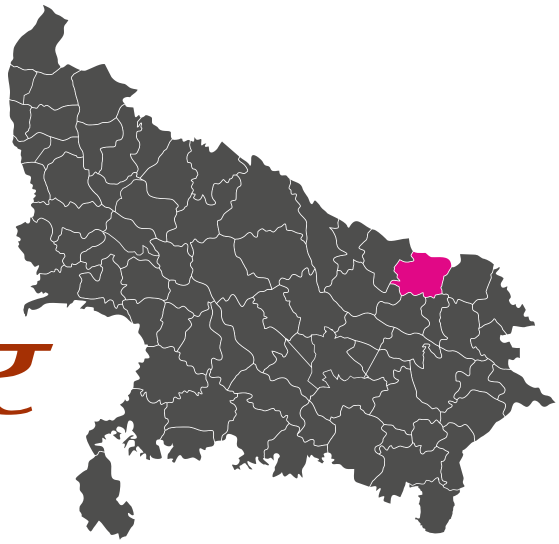

# सिद्धार्थनगर

खाद्य प्रसंस्करण (काला नमक चावल)

सिद्धार्थनगर का काला नमक चावल खुशबूदार व मुलायम चावल है। उक्त गुणवत्ता के कारण अन्य चावलों की अपेक्षा इसकी अलग पहचान है। जनपद में वर्तमान में हाइब्रिड काला नमक चावल की पैदावार अधिक है।

ONE DISTRICT ONE PRODUCT
UTTAR PRADESH
नई उड़ान, नई पहचान

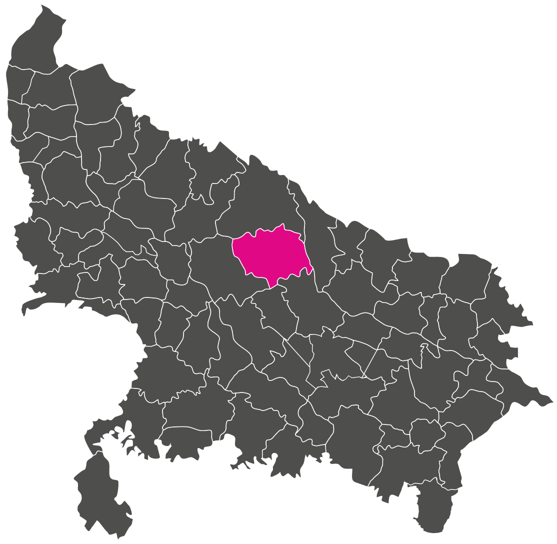

# सीतापुर

## दरी

सीतापुर सूती एवं ऊनी दरियों के लिए प्रसिद्ध है। जनपद में नई–नई डिजाइनों की दरियाँ कलात्मक तरीके से बनाई जाती हैं। जनपद में निर्मित दरियों का निर्यात जापान, फ्रांस, इटली, डेनमार्ग, ब्राजील आदि देशों में किया जा रहा है।

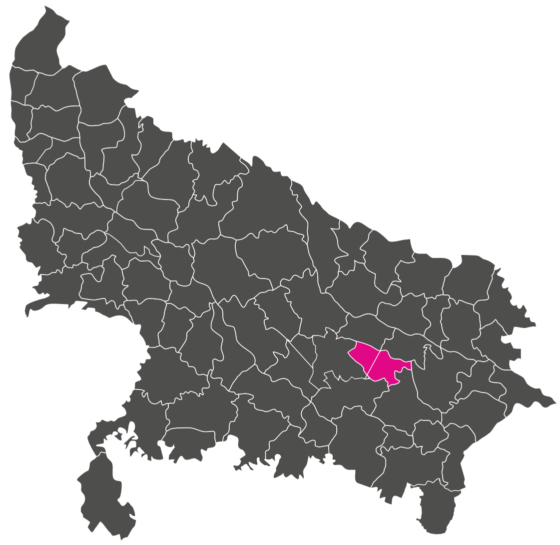

# सुल्तानपुर

**मूँज उत्पाद**

जनपद सुल्तानपुर में मूंज के बाध से रस्सी, चारपाई बुनने एवं अन्य सामानों के बंडल बनाने में प्रयोग किया जाता है। घरेलू कुटीर उद्योग होने के कारण बिना किसी मशीनी उपकरण का प्रयोग किये आसानी से निर्माण किया जा रहा है। इससे विभिन्न उपयोगी और सजावटी वस्तुएं निर्मित होती हैं।

ONE DISTRICT ONE PRODUCT
UTTAR PRADESH

नई उड़ान,
नई पहचान

# सोनभद्र

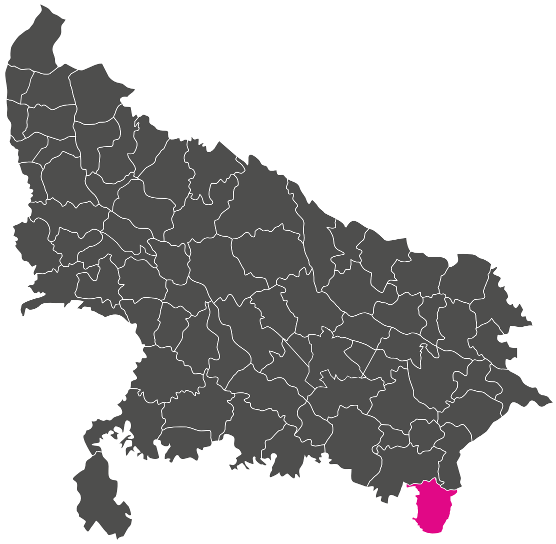

## कालीन

जनपद सोनभद्र अपने विशिष्ट उत्कृष्ट डिजाइनों वाले कालीन के लिए प्रसिद्ध है। हाथ से बनी कालीन अपनी कलात्मकता के लिये प्रसिद्ध है। सोनभद्र में कालीन का निर्माण परम्परागत तरीके से किया जाता है। यहाँ के उत्पादों में बारीक डिजाईन केवल हाथ से बनी कालीन में ही पायी जाती है।

ONE DISTRICT ONE PRODUCT
UTTAR PRADESH

नई उड़ान, नई पहचान

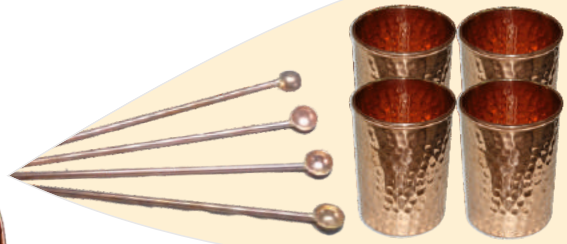

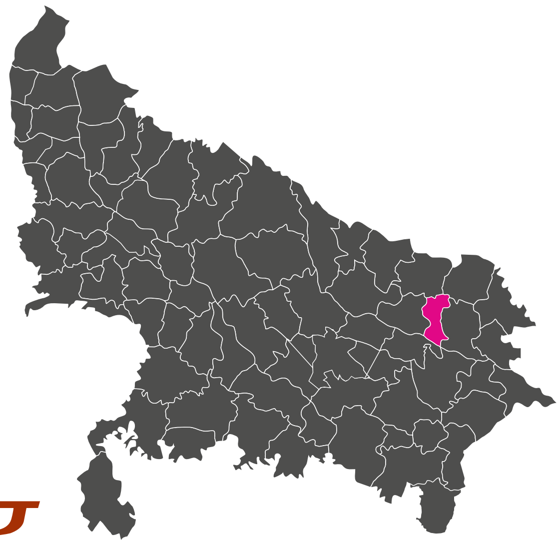

# संत कबीर नगर

## पीतल के बर्तन

संत कबीर नगर का 'बखीरा' ब्रासवेयर क्राफ्ट जीवित कला का उदाहरण है, जहां उद्यमी एवं हस्तशिल्पी अपने कुशल हाथों से विभिन्न प्रकार के कलात्मक बर्तन और शो–पीस का निर्माण करते हैं।

ONE DISTRICT ONE PRODUCT
UTTAR PRADESH
नई उड़ान, नई पहचान

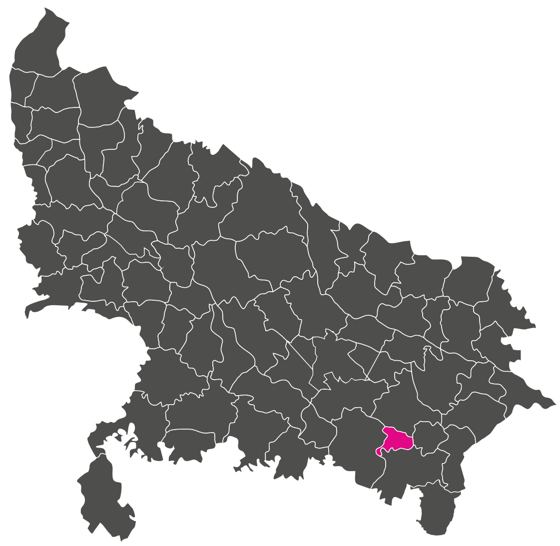

# भदोही

## कालीन

जनपद भदोही अपने विशिष्ट एवं उत्कृष्ट डिजाइनों वाले कालीन के उत्पादन एवं निर्यात के लिये विश्व विख्यात है। जनपद में लगभग एक लाख करघों पर कालीन बुनाई का कार्य होता है तथा 500 से अधिक निर्यातक इकाइयाँ स्थापित हैं।

ONE DISTRICT ONE PRODUCT
UTTAR PRADESH

नई उड़ान,
नई पहचान

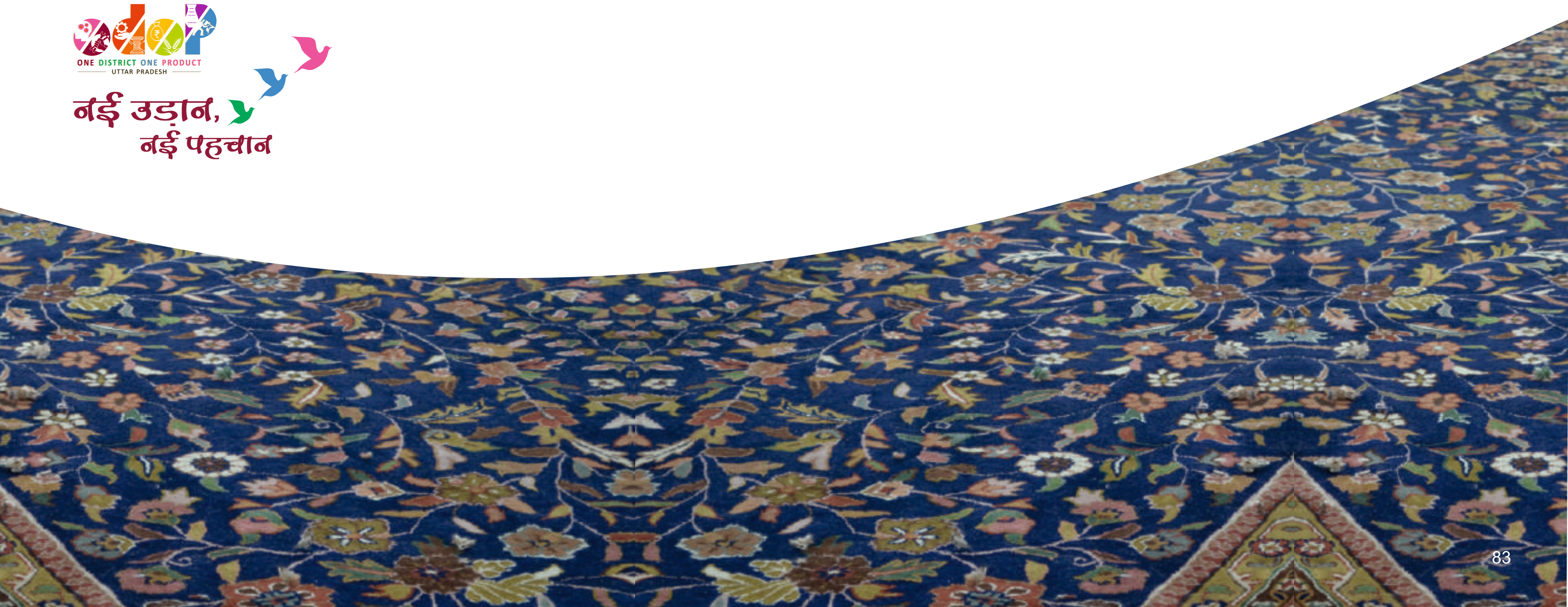

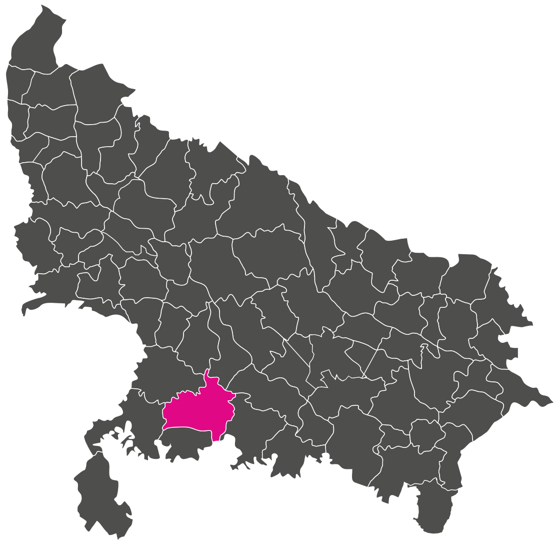

# हमीरपुर

## जूती

जनपद हमीरपुर के सुमेरपुर नगर में पुराने समय से चमड़े की जूती का निर्माण किया जा रहा है। यह कार्य पूर्णतः हस्त–निर्मित है। तकनीकी प्रशिक्षण एवं आर्थिक सहायता प्रदान करके इस उद्योग की अलग पहचान स्थापित की जा सकती है।

ONE DISTRICT ONE PRODUCT
UTTAR PRADESH
नई उड़ान, नई पहचान

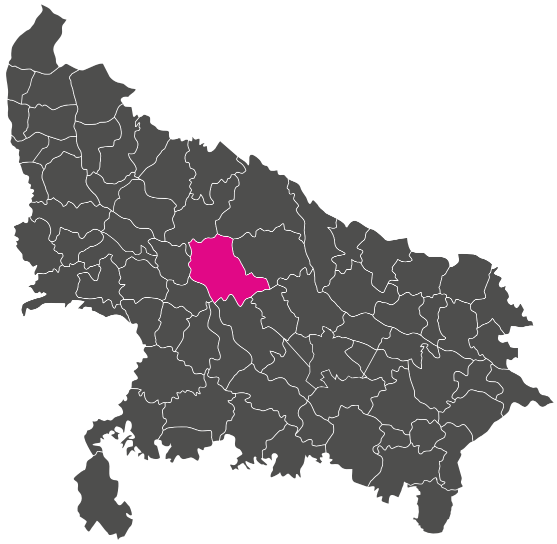

# हरदोई

## हथकरघा

जनपद हरदोई में नगर पालिका क्षेत्र एवं ब्लाक मल्लावाँ क्षेत्र में प्लेन कपड़ों की बुनाई जैसे लुंगी, गमछा, शर्टिंग का उत्पादन बुनकरों द्वारा किया जाता है। मल्लावाँ क्षेत्र के बुनकरों द्वारा लगभग 7 करोड़ मूल्य का प्रतिवर्ष उत्पादन किया जाता है। यह क्षेत्र लगभग 5000 बुनकरों को रोजगार प्रदान करता है।

ONE DISTRICT ONE PRODUCT
UTTAR PRADESH
नई उड़ान, नई पहचान

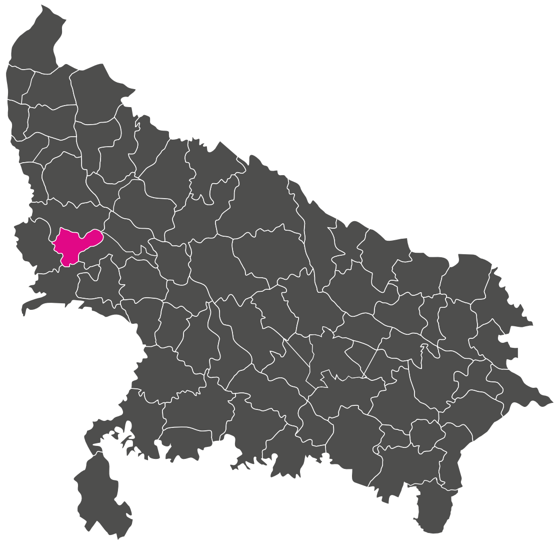

# हाथरस

## हींग प्रसंस्करण

जनपद हाथरस में हींग का उत्पादन विगत 100 वर्षों से बड़े स्तर पर किया जा रहा है। हींग का उत्पादक जनपद होने के कारण इसकी एक विशिष्ट पहचान है। कच्चे हींग का मुख्यतः अफगानिस्तान, तजाकिस्तान, उज्बेकिस्तान आदि देशों से आयात किया जाता है। इन सभी का मिश्रण करके हींग को तैयार किया जाता है। जनपद हाथरस में हींग की विभिन्न इकाईयाँ कार्यरत हैं। इन इकाईयों में अब हींग प्रोसेसिंग की पुरानी मशीनरी हटाकर नई मशीन लगाकर हींग का उत्पादन बढ़ाने की आवश्यकता है।

ONE DISTRICT ONE PRODUCT
UTTAR PRADESH
नई उड़ान, नई पहचान

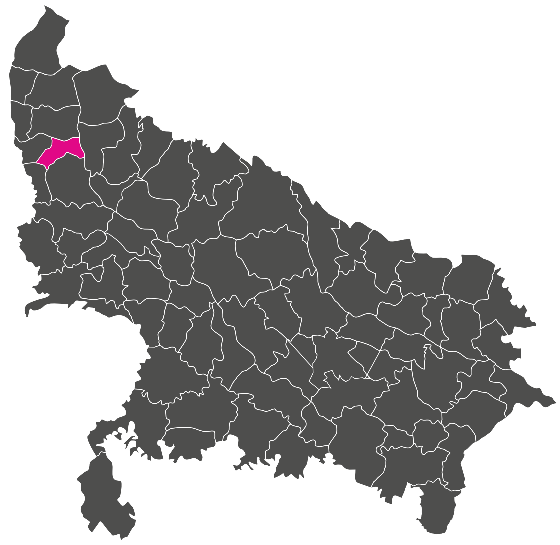

# हापुड़

## घरेलू सजावटी सामान

जनपद हापुड़ का पिलखुवा क्षेत्र पावरलूम नगरी के नाम से देश में विख्यात है। यहां घरेलू सजावटी सामान के अन्तर्गत हैण्डलूम/पावरलूम द्वारा निर्मित पर्दे, किचन टॉवल, प्लेसमेन्ट, टेबल कवर, कुशन्स (पिलो) आदि विश्वविख्यात हैं। ब्लॉक प्रिन्टिंग के माध्यम से होम फर्निशिंग के विभिन्न उत्पादों का निर्माण किया जाता है। पावरलूम की लगभग 250 इकाईयाँ कार्यरत हैं, जिनमें लगभग 10,000 व्यक्तियों को प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष रूप से रोजगार प्राप्त हो रहा है।

नई उड़ान, नई पहचान

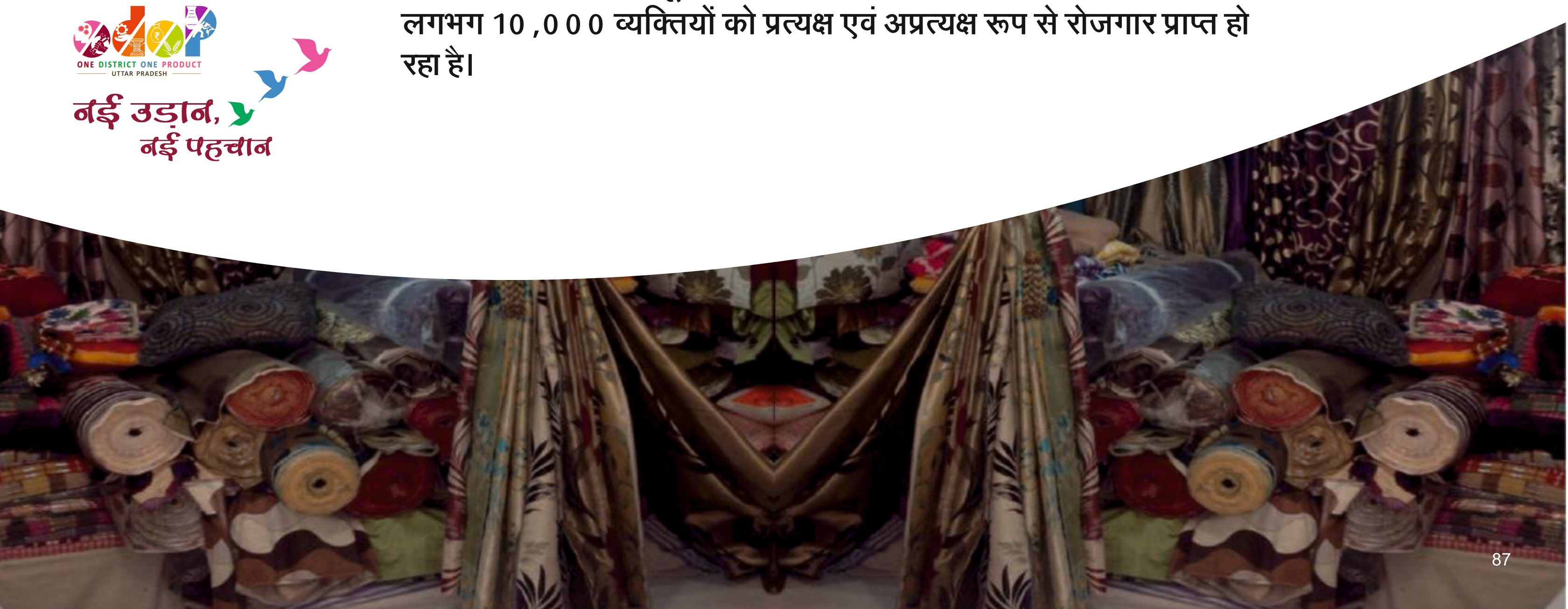

# उत्तर प्रदेश इंस्टीट्यूट ऑफ़ डिज़ाइन

### (उ.प्र. की शिल्प विरासत के विकास एवं निर्वाह हेतु एक पहल)
### सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम एवं निर्यात प्रोत्साहन विभाग
### उत्तर प्रदेश सरकार

**परिकल्पना..**

उ.प्र. इंस्टीट्यूट ऑफ़ डिज़ाइन लखनऊ (यू.पी.आई.डी.) प्रदेश सरकार का पहला डिज़ाइन इंस्टीट्यूट है जो आधुनिक व नवीनतम सुविधाओं से परिपूर्ण होगा।

**उद्देश्य...**

डिज़ाइन के क्षेत्र में डिग्री व डिप्लोमा प्रदान करने के साथ ही यू.पी.आई.डी. का लक्ष्य है कि हर एक शिल्पकार/बुनकर व उद्यमी को डिज़ाइन इंटरवेंशन, मार्केट लिंकेज, क्वालिटी कण्ट्रोल व तकनीकी उन्नयन की सुविधा प्रदान की जाए जिससे माननीय मुख्यमंत्री जी के ''एक जनपद, एक उत्पाद'' के सपने को साकार कर सफल बनाया जा सके।

## लक्ष्य की ओर अग्रसर...

- यू.पी. दिवस के उपलक्ष्य पर 24 व 25 जनवरी 2018 को यू.पी.आई.डी. द्वारा अवध शिल्पग्राम लखनऊ में राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय डिज़ाइनर्स, शिल्पकार–बुनकर के मध्य ''क्रेता–विक्रेता सम्मेलन'' व तकनीकी सत्र का आयोजन किया गया।
- यू.पी.आई.डी. द्वारा वाराणसी स्थित दीनदयाल हस्तकला संकुल में 25 व 26 मई 2018 को ''डिज़ाइन कॉन्क्लेव व शिल्पकार–बुनकर सम्मेलन'' का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया जिसमें देश–विदेश के राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय डिज़ाइनर्स और 2000 से भी अधिक शिल्पकार–बुनकर सम्मिलित हुए। अंतर्राष्ट्रीय व अनुभवी डिज़ाइनरों ने शिल्पकारों एवं बुनकरों को डिज़ाइन के महत्व व अंतर्राष्ट्रीय बाजार की जरूरतों से अवगत कराया तथा उनके कलस्टर में स्वयं जाकर उत्पादों की गुणवत्ता व डिज़ाइन में सुधार हेतु अहम सुझाव दिए।
- ''एक जनपद, एक उत्पाद'' परियोजना को और अधिक बल प्रदान करने के उद्देश्य से यू.पी.आई.डी. ने मोबाइल एप लांच किया है।
- मोबाइल एप के माध्यम से संस्थान के विद्यार्थी, प्रदेश के सभी बुनकर, शिल्पकार, कारीगर, राष्ट्रीय व अंतर्राष्ट्रीय स्तर के डिज़ाइनर्स व शिल्प उद्यमियों के मध्य पारस्परिक समन्वय स्थापित होगा।
- मोबाइल एप में सभी डिज़ाइनर्स व शिल्पकार/बुनकर इत्यादि के पंजीकरण की व्यवस्था है जिसमें इन सभी का डाटा बैंक समय–समय पर तैयार होता रहेगा।
- ख्याति प्राप्त डिज़ाइनरों द्वारा नई डिज़ाइनें मोबाइल एप पर अपलोड कराई जाएंगी जिससे शिल्पकार एवं बुनकरों को नई डिज़ाइनें निःशुल्क प्राप्त हो सकेंगी।
- गोरखपुर, आगरा और मुरादाबाद में डिज़ाइन वर्कशाप्स संचालित की गई जिसके अंतर्गत उत्पादों में सुधार हेतु आगरा व मुरादाबाद के शिल्पकारों को टूल किट और गोरखपुर के टेराकोटा शिल्पकारों को इलेक्ट्रिक पॉटरी व्हील्स प्रदान किए गए।

## आगामी अवधारणाएँ....

- गोरखपुर, आगरा और मुरादाबाद में आयोजित की गई डिज़ाइन वर्कशॉप्स की श्रृंखला को आगे बढ़ाते हुए ''एक जनपद, एक उत्पाद'' परियोजना के अंतर्गत यू.पी.आई.डी. पूरे उत्तर प्रदेश में डिज़ाइन वर्कशॉप्स आयोजित करेगा।
- प्रदेश के 8 जनपदों, लखनऊ, कानपुर, मुरादाबाद, आगरा, सहारनपुर, गोरखपुर, वाराणसी और झाँसी में डिज़ाइन स्टूडियोज और एक्सटेंशन काउंटर्स की स्थापना का प्रस्ताव है।
- प्रदेश के विभिन्न हस्तशिल्प उत्पादों के प्रदर्शन हेतु यू.पी.आई.डी. द्वारा 'हैंडीक्राफ्ट एम्पोरियम' की स्थापना का प्रस्ताव दिया गया है।
- ''एक जनपद, एक उत्पाद'' परियोजना को मजबूती प्रदान करने की दिशा में यू.पी.आई.डी. की टीम प्रदेश के विभिन्न जनपदों के हस्तशिल्प उत्पादों के कलस्टर में सर्वे शुरू करने जा रही है।

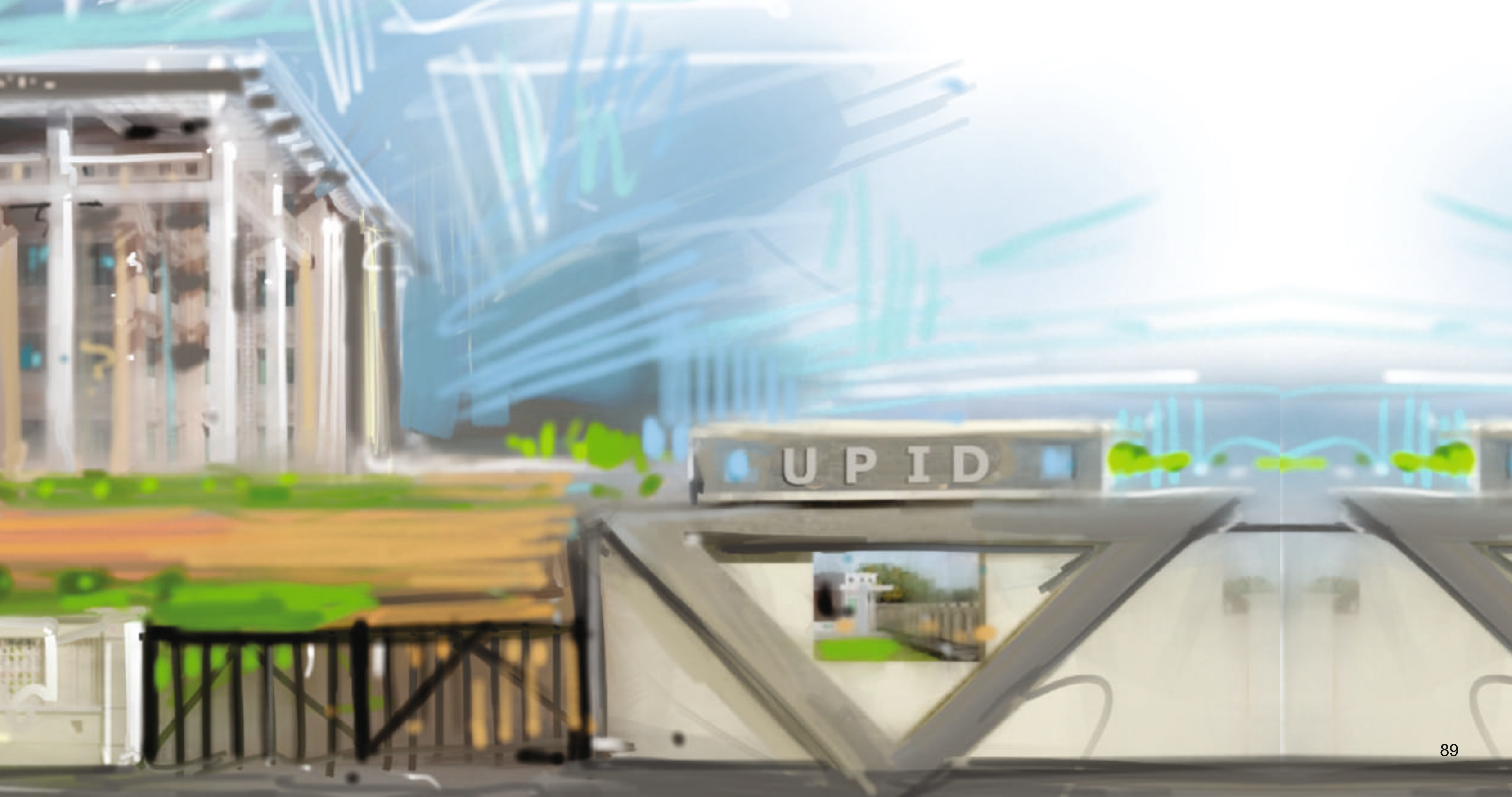

# NOTES

# NOTES

# NOTES

# NOTES

एक जनपद एक उत्पाद
उत्तर प्रदेश

सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम तथा निर्यात प्रोत्साहन विभाग, उत्तर प्रदेश
लाल बहादुर शास्त्री भवन, तृतीय तल, लखनऊ–226001
फोन: (0522) 2237409 ई–मेल: psec.msme.up@gov.in

**आयुक्त एवं निदेशक उद्योग**
ओ0डी0ओ0पी0 सेल, निर्यात भवन,
कैण्ट रोड, कैसरबाग, लखनऊ–226001
ई–मेल : odopcell@gmail.com
वेबसाइट : www.odopup.in